गतिमान

पच्चीसवाँ दीक्षांत समारोह

2021

वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर उ.प्र

श्रीमती आनंदीबेन पटेल

माननीय कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर, उत्तर प्रदेश

गतिमान 2021

10 दिसम्बर, 2021

प्रो. निर्मला एस. मौर्य
कुलपति

श्री संजय कुमार राय
वित्त अधिकारी

श्री वी.एन. सिंह
परीक्षा नियंत्रक

डॉ. रजनीश भास्कर
चीफ वार्डेन

श्री वीरेंद्र कुमार मौर्य
उप कुलसचिव

श्रीमती बबिता
सहायक कुलसचिव

श्री महेन्द्र कुमार
कुलसचिव

प्रो. अजय द्विवेदी
अधिष्ठाता, छात्र कल्याण

डॉ. सन्तोष कुमार
कुलानुशासक

श्री अमृत लाल
सहायक कुलसचिव

श्री दीपक कुमार सिंह
सहायक कुलसचिव

संपादक मंडल

- डॉ. मनोज मिश्र
- डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर
- डॉ. सुनील कुमार
- प्रो. अजय द्विवेदी
- डॉ. के.एस. तोमर
- डॉ. मिथिलेश यादव

तकनीकी सहयोग- श्री नीरज कुमार

जौनपुर : एक समृद्ध विरासत

विभिन्न संस्कृतियों की बाँकी–झाँकी का साक्षी रहा जनपद जौनपुर अपनी ऐतिहासिकता को बहुत अतीत तक समेटे हुए है। सदानीरा गोमती के तट प बसा यह शहर एक परम्परा के अनुसार महर्षि यमदग्नि की तपोस्थली रहा है जिस कारण इसका प्रारंभिक नाम यमदग्निपुर पड़ा तथा कालान्तर मे यमदग्निपुर ही जौनपुर के रूप में परिवर्तित हो गया। कतिपय विद्वानों ने इस धारणा पर भी बल दिया है कि यहाँ प्राचीन भारत में यवनों का आधिपत्य रहा है जिस कारण इसका नाम प्रारम्भिक दौर में यवनपुर से कालान्तर में जौनपु हो गया।

मध्यकालीन भारतीय इतिहास के स्रोतों ने जौनपुर की स्थापना का श्रेय फिरोजशाह तुगलक को दिया है, जिसने अपने भाई मुहम्मद बिन तुगलक (जूना खाँ) की स्मृति में इस नगर को बसाया और इसका नामकरण भी उसके नाम पर किया। फिरोजशाह तुगलक ने जौनपुर की स्थापना 1359 ई. में की तथा 1360 ई. में जौनपुर किले की नींव रखी। जौनपुर सल्तनत वर्ष 1394–1479 ई तक उत्तर भारत की एक स्वतंत्र राजधानी रही जिसका शासन शर्की सल्तनत द्वारा संचालित था। लेकिन एक खास बा यह है कि जौनपुर राज्य का संस्थापक मलिक सरदार (सरवर) फिरोज शाह तुगलक के पुत्र सुलतान मुहम्मद का दास था जो अपनी योग्यता से 1389 ई. में वजीर बना। सुलतान महमूद ने उसे मलिक–उस–शर्क की उपाधि से नवाजा था। 1399 ई. में उसकी मृत्यु हो गयी। उसके पद के कारण ही उसका वंश शर्की–वंश कहलाया। ज्ञातव्य है कि उसको कोई संतान नहीं थी, उसके बाद उसका गोद लिया हुआ पुत्र मुबारक शाह गद्दी पर बैठा था। 1402 ई. में मुबारक शाह की मृत्यु हो गयी इसके बाद उसका भाई इब्राहिमशाह शर्की जौनपुर राज सिंहासन पर बैठा। इब्राहिमशाह के बाद उसका पुत्र महमूदशाह फिर हुसैन शाह तथा अन्ततः जौनपुर 1479 ई. के बाद दिल्ली सल्तनत का भाग बन गया।

जौनपुर में सरवर से लेकर शर्की बंधुओं ने 75 वर्षो तक स्वतंत्र राज किया। इब्राहीम शाह शर्की (1402–1440 ई.) के समय में जौनपुर सांस्कृतिक दृष्टि से बहुत उपलब्धि हासिल कर चुका था। उसके दरबार में बहुत सारे विद्वान थे जिन पर उसकी राजकृपा रहती थी। उसके राज–काल में अनेक ग्रंथों की रचना की गयी। तत्कालीन समय में जौनपुर शिक्षा का बहुत बड़ा केंद्र था। यह भी कहा जाता है कि इब्राहीम शाह शर्की के समय में ईरान से 1000 के लगभग आलिम (विद्वान) आये थे जिन्होंने पूरे भारत में जौनपुर को शिक्षा का बहुत बड़ा केंद्र बना दिया था। इसी कारण जौनपुर को 'शीराज–ए–हिंद' कहा गया। शीराज का तात्पर्य श्रेष्ठता से होता है। उसी समय जौनपुर में कला–स्थापत्य की एक न शैली का जन्म हुआ, जिसे जौनपुर अथवा शर्की शैली कहा गया। कला–स्थापत्य की इस शैली का दर्शन यहाँ पर आज भ अटाला मस्जिद में किया जा सकता है। अटाला मस्जिद की आधारशिला फिरोजशाह तुगलक द्वारा 1376 में की गयी जि 1408 में इब्राहीम शाह ने पूरा किया। जौनपुर में गोमती नदी के शाही पुल का निर्माण कार्य मुगल बादशाह अकबर ने 156 ई. में प्रारंभ करवाया जो 1569 ई. में बनकर तैयार हुआ। यह शाही पुल अकबर के सूबेदार मुनीम खाँ के निरीक्षण में बना शर्की सुल्तानों ने जौनपुर में कई सुन्दर भवन, एक किला, मकबरा तथा मस्जिदें बनवाई। जौनपुर की जामा मस्जिद क इब्राहीम शाह ने 1438 ई. में बनवाना प्रारंभ किया था और इसे 1442 ई. में इसकी बेगम राजीबीबी ने पूरा करवाया। 1417 ई में चार अंगुल मस्जिद को सुल्तान इब्राहीम के अमीर खालिस खाँ ने बनवाया। जौनपुर की सभी मस्जिदों का वास्तु प्रायः ए जैसा है। शेरशाह सूरी की सारी शिक्षा–दीक्षा जौनपुर में हुई। हिन्दुस्ता शास्त्रीय संगीत और 'खयाल' के विकास में हुसैन शाह (1458–1479 ई का अपना योगदान रहा। इस दौरान कई रागों की रचना की गयी जिस प्रमुख हैं 'मल्हार–स्याम', 'गौर–स्याम', 'भोपाल–स्याम', 'जौनपुरी बसन् 'हुसैनी' या 'जौनपुरी असावरी' जिसे राग जौनपुरी कहा जाता है।

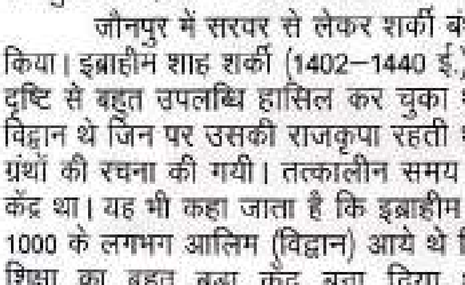

भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में जनपद के अमर शहीदों ने अपनी मातृभू की रक्षा में अपना जीवन बलिदान कर दिया। आज भी जनपद के विभिन स्थानों पर स्थापित शहीद स्तम्भ उनके बलिदान की याद दिलाते हैं। इ जनपद के लोगों ने साहित्य, प्रशासनिक सेवा और विज्ञान अनुसन्धान के क्षे में पूरी दुनिया में जनपद का नाम रोशन किया है। इसकी निरन्तरता अद्यत बनी हुई है।

डॉ. मनोज मिश

वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय (पूर्व में पूर्वांचल विश्वविद्यालय) की स्थापना जौनपुर के लोगों के परिश्रम तथा प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री स्व. वीर बहादुर सिंह के प्रयास के फलस्वरुप उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रकाशित गजट संख्या 5005/15–10–87–15 (15)–86 टी.सी. दिनांक 28 सितम्बर 1987 के तहत 02 अक्टूबर 1987 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के पावन पर्व पर की गई। कालान्तर में पूर्वांचल विश्वविद्यालय का नाम स्वर्गीय वीर बहादुर सिंह की स्मृति में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय रखा गया। इस विश्वविद्यालय के स्थापना के साथ ही गोरखपुर विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र का एक बड़ा भाग इसमें स्थानांतरित कर दिया गया। आरम्भ में इस विश्वविद्यालय में पूर्वी उत्तर प्रदेश के जौनपुर, आजमगढ़, मऊ, गाजीपुर, बलिया, वाराणसी, चंदौली, मिर्जापुर, संतरविदासनगर भदोही, कौशाम्बी, इलाहाबाद तथा सोनभद्र सहित कुल 12 जिलों के 68 महाविद्यालयों को इससे सम्बद्ध किया गया था।

प्रारम्भ में विश्वविद्यालय का कार्यालय प्रथमतः टी.डी. कालेज जौनपुर के फार्म हाउस के भवन पीली कोठी में प्रारम्भ हुआ। उत्तर प्रदेश शासन ने विश्वविद्यालय हेतु भूमि अधिगृहित करने के लिए कुल 85 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की तथा अधिकारियों सहित कुल 67 पद स्वीकृत किये। शासन द्वारा सृजित पदों पर नियुक्तियां हुई और यहीं से विश्वविद्यालय की विकास यात्रा प्रारम्भ हुई। जिला प्रशासन ने जौनपुर शहर से लगभग 12 किमी. दूर जौनपुर शाहगंज मार्ग पर देवकली, जासोपुर ग्राम सभाओं की कुल 171.5 एकड़ भूमि अधिगृहित कर विश्वविद्यालय को उपलब्ध करायी।

वर्ष 1994 में विश्वविद्यालय ने अपने नवनिर्मित निजी प्रशासनिक भवन में कार्य करना प्रारम्भ किया और इसी के साथ ही विश्वविद्यालय का आवासीय स्वरूप विकसित होना प्रारम्भ हुआ। वर्तमान में परिसर स्थित विभिन्न पाठ्यक्रमों में शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्र–छात्राओं के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त छात्रावास की सुविधा उपलब्ध है। अध्यापकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के रहने के लिए फ्लैट्स तथा ट्रांजिट हॉस्टल की भी व्यवस्था है। इसके अलावा छात्र सुविधा केन्द्र, संगोष्ठी भवन, अतिथि गृह, शिक्षक अतिथि गृह, राष्ट्रीय सेवा योजना भवन, रोवर्स रेंजर्स भवन हैं। इसके साथ ही विभिन्न संकायों के लिए अलग–अलग भवनों का निर्माण किया गया है जो अत्याधुनिक लैब, इण्टरनेट – वाईफाई एवं सी.सी. कैमरे की सुविधा से सुसज्जित हैं।

विद्यार्थियों को शहर से दूर परिसर में उच्च गुणवत्ता से युक्त शैक्षणिक वातावरण प्रदान करने के लिए विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय संचालित है। इसमें परम्परागत पुस्तकालय सुविधा के अतिरिक्त इसका आधुनिकीकरण करके ई–लाइब्रेरी के तहत छात्रों को ई जर्नल, ई बुक की सुविधा उपलब्ध करायी गई है, इसके साथ ही एजुसैट व्यवस्था के अन्तर्गत छात्रों को इग्नू, यूजीसी, एआईसीटीई वर्चुअल शिक्षण कार्यक्रम की सुविधा प्रदान की गई है। परिसर के छात्रों को विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के योग्य बनाने हेतु आधुनिक खेल सुविधा से युक्त एकलव्य स्टेडियम का भी निर्माण किया गया है। विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से विश्वविद्यालय का नाम अन्तर्राष्ट्रीय पटल पर पहुँचाया है और पिछले कई वर्षों से लगातार उत्तर भारत के विश्वविद्यालय एवं उत्तर प्रदेश में शीर्ष स्थान पर है। राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा विभिन्न जनपदों में असहाय लोगों के लिए बापू बाजार का आयोजन किया जाता है। परिसर को हरा–भरा करने के लिए वर्ष 2014 से एक छात्र एक पेड़ योजना संचालित की जा रही है जिसमें छात्रों से पौधरोपण कराकर उसके देख–रेख की जिम्मेदारी उन्हें सौंप दी जाती है। इंजीनियरिंग संस्थान के विद्यार्थियो द्वारा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए विश्वविद्यालय के पड़ोसी गांव देवकली में आधुनिक संसाधनविहीन बच्चों को निःशुल्क कोचिंग पढ़ायी जाती है। मिशन शक्ति के अन्तर्गत विविध कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं में नई ऊर्जा का संचार किया जा रहा है।

वर्तमान में पूर्वांचल के पाँच जनपदों के नौ सौ से अधिक महाविद्यालय विश्वविद्यालय से सम्बद्ध हैं। विश्वविद्यालय परिसर में स्नातक स्तर पर इंजीनियरिंग की छः शाखाओं इलेक्ट्रिक इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रानिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रानिक्स एण्ड इन्स्ट्रूमेंटेशन इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग, इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी और मैकेनिकल इंजीनियरिंग एवं बी.फार्मा की शिक्षा दी जा रही है। इसके अतिरिक्त स्नातकोत्तर स्तर पर एम. टेक.,एम.सी.ए., एम.बी.ए., एम.बी.ई., एग्रीबिजनेस, ई–कामर्स, एम.एफ.सी., एम.एच.आर.डी., मास कम्युनिकेशन, व्यावहारिक मनोविज्ञान, एम.एस.सी. बायोटेक्नॉलाजी, पर्यावरण विज्ञान, अप्लायड माइक्रो बायोलॉजी, अप्लायड बायोकेमेस्ट्री विषयों की शिक्षा प्रदान की जाती है। विश्वविद्यालय परिसर में प्रो० राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) भौतिकी एवं शोध संस्थान में एम.एस.सी.– फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथमेटिक्स एवं एप्लाइड जियोलाजी पाठ्यक्रम संचालित है। संस्थान में दो शोध केंद्र नैनो साइंस एंड टेक्नोलॉजी शोध केंद्र व गैर परंपरागत ऊर्जा शोध केंद्र संचालित हो रहे है। संकाय भवन में बी.ए. एल.एल.बी (पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड) पाठ्यक्रम में भी सत्र 2018–19 से अध्यापन कार्य प्रारंभ है। बी. कॉम. (आनर्स), बी.सी.ए., बी.एस.सी. (गणित, भौतिकी, भूगर्भ विज्ञान), बी.एस.सी.(जंतु, वनस्पति, रसायन विज्ञान) फार्मेसी संस्थान में डी. फार्मा जैसा पाठ्यक्रम भी संचालित हो रहा है। वर्तमान सत्र से बी0एस0सी0 बायोटेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम की शुरुआत हुई। संकाय भवन में महिला अध्ययन केन्द्र की स्थापना की गयी है। विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त कर छात्र राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं।

Faculties/Courses

FACULTY OF AGRICULTURE

Departments (U.G. & P.G.)

- Agriculture Botany
- Agriculture Chemistry
- Agriculture Zoology & Entomology
- Agriculture Economics
- Agriculture Extension
- Horticulture
- Plant Pathology
- Animal Husbandry and Dairy
- Soil Conservation
- Agriculture Engineering
- Agronomy
- Genetics and Plant Breeding

FACULTY OF ARTS

Departments (U.G. & P.G.)

- Sanskrit and Prakrit language
- Hindi and Modern Indian Language
- Arbi, Farsi and Urdu
- English and Modern European Lang.
- Philosophy
- Psychology
- Education
- Economics
- Political Science
- Anthropology
- Ancient History, Archeology & Culture
- Medieval and Modern History
- Sociology
- Geography
- Fine Arts
- Library Science
- Music

FACULTY OF COMMERCE

Departments

- Department of Commerce
- (B.Com., M.Com.)

FACULTY OF EDUCATION

Departments

- B.Ed.
- M.Ed.

FACULTY OF LAW

Department of Law

- LL.B.
- LL.M.
- BA. LL.B. Integrated Course (5 Years)

FACULTY OF SCIENCES

Departments (U.G. & P.G.)

- Physics
- Chemistry
- Zoology
- Mathematics
- Statistics
- Earth and Planetary Science (Applied Geology)
- Defence Study
- Home Science
- Computer Science
- Bio-Chemistry
- Biotechnology
- Food and Nutrition
- Microbiology
- Industrial Fishery and Fisheries
- Industrial Chemistry
- Silk and worm culture
- Phys. Edu., Health Education & Sports
- Environmental Science
- Applied Biochemistry
- Applied Microbiology

Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) Institute of Physical Science for Study and Research

M.Sc. and Ph.D.

- Physics • Chemistry • Mathematics • Applied Geology
- B.Sc. (Phy., Chem., Maths and Phy., Maths, Geology)

Research Centres

- Centres for Nanoscience and Technology
- Centre for Renewable Energy

FACULTY OF MEDICINE

Departments (U.G.)

- Pharmacy
- Medicine

FACULTY OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

Departments (U.G.)

- Electronics and Communication Engineering
- Electrical Engineering

Computer Science & Engineering

Mechanical Engineering

Information Technology

Electronics & Instrumentation Engineering

Master in Computer Applications

Applied Physics Applied Chemistry

Applied Mathematics

Humanities & Social Sciences

FACULTY OF MANAGEMENT STUDIES

Departments

- Department of BusinessAdministration
- Department of Human Resource Development
- Department of Finance & Control
- Department of Business Economics

Faculty of Applied Social Science

Departments

- Department of Applied Psychology
- Department of Mass Communication

कुलपति जी का परिचय

प्रो0 निर्मला एस0 मौर्य, कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर

कुलपति नियुक्त होने के पूर्व उच्च शिक्षा एवं शोध संस्थान (संसदीय एक्ट14/1964 के तहत एक राष्ट्रीय महत्व की संस्था) दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास की कुलसचिव, प्रोफेसर तथा विभागाध्यक्ष रहीं। 15 वर्षों के प्रशासनिक अनुभव के साथ पी.जी. शिक्षण शोध निर्देशन का एक दीर्घ अनुभव रहा है। शोध निर्देशन में शोध करने वाले शोधार्थियों की एक लम्बी सूची रही है।

शैक्षिक योग्यता :

(1) बी.एस.सी. (1978) बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
(2) एम.ए. (1980) बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
(3) पी एच.डी. (1984) बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
शोध–विषय : सूर तथा तुलसी के विनय–पदों का तुलनात्मक अनुशीलन
(4) डी.लिट. (2001) टी.एम. भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर।
शोध–विषय : हिन्दी भक्ति साहित्य में सौन्दर्यबोध

अध्यापन एवं शोध निर्देशन अनुभव :

30 वर्ष (पी.जी., पी.जी. डिप्लोमा, एम.फिल. पीएच.डी., एवं डी.लिट्. शोध निर्देशन

प्रकाशित प्रपत्र एवं पुस्तकें :

(अ) 160 से अधिक शोध–प्रपत्र एवं आलेख विभिन्न पत्र–पत्रिकाओं एवं शोध–पत्रिकाओं में प्रकाशित

(ब) आठ पुस्तकें प्रकाशित

1. बदनसीब (उपन्यास)
2. सूर तथा तुलसी के विनय पदों का तुलनात्मक अनुशीलन (सन्दर्भ ग्रन्थ)
3. प्रतिध्वनि (काव्य–संग्रह)
4. गूँज (काव्य–संग्रह)
5. एक था राजकुमार (बाल–कहानियाँ)
6. शब्द–कुश (काव्य–संग्रह)
7. हिन्दी भक्ति साहित्य में सौन्दर्यबोध (सन्दर्भ ग्रन्थ)
8. हिन्दी–साहित्य के बहुआयामी कोण (आलोचनात्मक ग्रन्थ)

सम्पादित ग्रन्थ :

1. अभिनन्दन–ग्रन्थ– प्रो. रवीन्द्र कुमार जैन–तमिलनाडु बहुभाषी लेखिका संघ, चेन्नई द्वारा प्रकाशित
2. सुब्रह्मण्यम 'विष्णुप्रिया'–अभिनन्दन–ग्रन्थ–हिन्दी हृदय, चेन्नई द्वारा प्रकाशित
3. अमृतमयी का काव्य–उत्स–भारती परिषद प्रयाग द्वारा प्रकाशित
4. साहित्य दित्य–सत्यशील ज्ञानालय, चेन्नई द्वारा प्रकाशित
5. तमिलनाडु साहित्य बुलेटिन–उप–सम्पादक, तमिलनाडु हिन्दी साहित्य अकादमी, चेन्नई
6. बहुव्रीहि (त्रैमासिक शोध पत्रिका)–सम्पादक, उच्च शिक्षा और शोध संस्थान द.भा.हि.प्र.सभा, मद्रास
7. परामर्शदात्री–अखिलगीत शोध–दृष्टि, आजमगढ़ (उ.प्र.)
8. विशेष परामर्शदात्री–संचार बुलेटिन, शोध पत्रिका, लखनऊ (उ.प्र.)

सेमिनार एवं सम्मेलन :

1. 40 से अधिक राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनारों एवं सम्मेलनों में प्रपत्र प्रस्तुति।
2. 20 से अधिक सेमिनारों एवं सम्मेलनों में अध्यक्ष / विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया।

विशेषज्ञ रूप योगदान :

1. विभिन्न विश्वविद्यालयों, कालेजों, सरकारी तथा गैर सरकारी संस्थानों, बैंकों एवं साहित्यिक संस्थानों द्वारा आयोजित अनेकों सेमिनार, वर्कशाप में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
2. कालीकट विश्वविद्यालय, मद्रास विश्वविद्यालय, बनारस हिन्दू विश्वविधालय एवं अविनाश लिंगम इंस्टीट्यूट ऑफ होम साइंस एवं हॉयर एजुकेशन द्वारा आयोजित यू.जी.सी. रिफ्रेशर, ओरिएंटेशन कार्यक्रमों में विषय–विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित।
3. विभिन्न संस्थानों एवं विभागों द्वारा विशिष्ट अतिथि, वक्ता तथा अध्यक्ष के रूप में भाग लेने पर सम्मानित।
4. कई विश्वविद्यालयों के बोर्ड ऑफ स्टडी में नामित।
5. अनेकों विश्वविद्यालयों के द्वारा शोध परीक्षक तथा मूल्यांकनकर्ता के रूप में नामित।
6. हिन्दी विशेषज्ञ के रूप में संघम साहित्य के तमिल से हिन्दी अनुवाद में विशेष योगदान।

सम्मान एवं पुरस्कार :

(अ) राज्य :

1. तमिलनाडु हिन्दी अकादमी द्वारा काव्य के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए सम्मानित (2001)
2. शिक्षाप्रद ट्राफिक सुरक्षा सी.डी. निर्माण में सहयोग के लिए तमिलनाडु गवर्नर द्वारा सम्मानित (2006)
3. तमिलनाडु हिन्दी अकादमी द्वारा शोध और दक्षिण में हिन्दी अध्यापन में विशेष योगदान के लिए सम्मानित (2007)
4. नेहरू आर्ट्स एवं साइंस कालेज, कोयम्बटूर के हिन्दी–साहित्य सेन्टर द्वारा दक्षिण भारत हिन्दी शिक्षण में विशेष योगदान के लिए सम्मानित (2012)
5. हिन्दी अकादमी एवं धर्मामूर्तिराय बहादुर कल्वल कण्णन चेट्टी हिन्दू कालेज द्वारा संयुक्त रूप से हिन्दी शिखर अवार्ड से सम्मानित (2013)
6. तमिलनाडु हिन्दी अकादमी द्वारा शोध–पत्र 'हिन्दी की दशा और दिशा' के लिए सम्मानित (2014)
7. विश्व भाषा हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में मौलिक सृजन के लिए तमिलनाडु हिन्दी साहित्य अकादमी द्वारा सम्मानित (2015)
8. स्टेला माफरिस कालेज, चेन्नई एवं हिन्दी कश्मीरी संगम, कश्मीर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित सम्मेलन में त्रिपुरा एवं बंगाल के गवर्नर द्वारा आचार्य क्षेमेन्द साहित्य सम्मान द्वारा सम्मानित (2018)

(ब) राष्ट्रीय :

1. दक्षिण भारत में हिन्दी प्रचार–प्रसार में विशेष योगदान के लिए दक्षिण भारत हिन्दी परिषद, कोल्हापुर द्वारा सम्मानित (1998)
2. महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी और दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा मद्रास द्वारा संयुक्त रूप से साहित्यिक और अध्यापन क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए सम्मानित (2007)
3. राष्ट्रीय हिन्दी परिषद, मेरठ द्वारा हिन्दी भाषा साहित्य और संस्कृति अध्ययन के लिए हिन्दी रत्न सम्मान से सम्मानित (2008)
4. दक्षिण भारत में हिन्दी प्रचार के साथ शिक्षा और उच्च शिक्षा में विशेष योगदान के लिए समेकित भारतीय साहित्य परिषद उ.प्र. द्वारा सम्मानित।
5. इण्डिया न्यूज टी.वी. मीडिया एवं जनसंदेश टाइम्स प्रिन्ट मीडिया द्वारा दक्षिण भारत में उच्च शिक्षा में विशेष योगदान के लिए उत्तराखण्ड आइकान अवार्ड 2013 द्वारा सम्मानित।
6. हिन्दी कश्मीरी संगम, श्रीनगर, कश्मीर द्वारा तमिल–हिन्दी साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन में योगदान के लिए 'स्वामी विवेकानन्द शारदा' सम्मान से सम्मानित (अगस्त 2017)
7. केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय (मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार) की पत्रिका 'भाषा' और विश्वव्यापी हिन्दी संचार केन्द्र आईजाल मिजोरम द्वारा भारतीय आत्मकथा साहित्य पर प्रस्तुत शोध–पत्र के लिए सम्मानित (अक्टूबर 2017)

(स) अन्तर्राष्ट्रीय :

1. शोध और तुलनात्मक अध्ययन के लिए भारतीय–नार्वेजीयन सांस्कृतिक फोरम, ओस्लो, नार्वे द्वारा सम्मानित।
2. महात्मा फुलेटैलेन्ट सर्च अकादमी द्वारा दक्षिण भारत में हिन्दी में हायर एजुकेशन तथा शोध कार्य के लिए फेबलो नेरुडा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मान द्वारा सम्मानित (2015)

विदेश भ्रमण :

1. 8वें वर्ल्ड हिन्दी कान्फ्रेन्स जिसका आयोजन न्यूयार्क शहर में किया गया था, विदेश मंत्रालय के आमंत्रण पर प्रपत्र की प्रस्तुति।
2. भारतीय–नार्वेजियन सांस्कृतिक फोरम द्वारा ओस्लो, नार्वे में नार्वेजियन साहित्य का हिन्दी–साहित्य से तुलनात्मक शोध प्रस्तुति पर सम्मानित।
3. यू.एस.ए. डेनमार्क, स्वीडन, उजबेकिस्तान एवं न्यूजीलैण्ड की यात्रा।

अन्य योगदान :

1. यू.जी.सी. मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट–स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी एवं तमिल कथा साहित्य की रचना प्रक्रिया।
2. आकाशवाणी के वाराणसी, भुज एवं चेन्नई केन्द्रों से वार्ता का प्रसारण।
3. जी.टी.वी. के नेशनल नेटवर्क पर आध्यात्मिक कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रवचन श्रृंखला का प्रसारण।
4. जी.टी.वी. द्वारा प्रसारित छोटी माँ सीरियल के 50 ऐपिसोड की स्क्रिप्ट राइटिंग।
5. विश्वविद्यालयी, विद्यालयी शिक्षा के अध्ययन सामग्री तैयार करने तथा वीडियो द्वारा हिन्दी शिक्षण कार्यक्रम में सहयोग।
6. विशेषज्ञ के रूप में भारत सरकार के साइंटिफिक एवं टेक्निकल डिक्शनरी के निर्माण कार्यक्रम में सहयोग।
7. अध्यक्ष, तमिलनाडु हिन्दी साहित्य अकादमी।

कुलपति जी का उद्बोधन

विश्वविद्यालय के पच्चीसवें दीक्षांत समारोह की अध्यक्ष, माननीय कुलाधिपति, श्री राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी, समारोह के सम्माननीय मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध वैज्ञानिक, पूर्व महानिदेशक एन0सी0ई0आर0टी0, पद्मश्री प्रो0 जे0 एस0 राजपूत जी, कार्य परिषद्, विद्या परिषद् के सम्मानित सदस्यगण, समारोह में उपस्थित सभी सम्मानित जन प्रतिनिधिगण, राजभवन से हमारे बीच पधारे माननीय कुलाधिपति जी के विशेष कार्याधिकारी आदरणीय श्री अशोक देसाई जी, माननीय कुलाधिपति जी के परिसहाय, सम्मानित अतिथिगण, समस्त शिक्षक, विश्वविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी, प्रशासनिक अधिकारीगण, इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिन्ट मीडिया के पत्रकार बन्धुओं, उपाधि प्राप्तकर्ता एवं स्वर्ण पदक विजेता मेधावियों, जौनपुर के विभिन्न स्कूलों से आये प्रिय नन्हें–मुन्ने बच्चों, समस्त विद्यार्थी तथा अभिभावक एवं उपस्थित देवियों और सज्जनों–

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय का आज पच्चीसवाँ दीक्षान्त समारोह आयोजित है। विश्वविद्यालय इस पावन समारोह की रजत जयन्ती मना रहा है। इस शुभ अवसर पर मैं, विश्वविद्यालय परिवार की ओर से आप सभी का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन करती हूँ। दीक्षान्त समारोह के रजत जयन्ती पर्व के पावन अवसर पर मैं, सर्वप्रथम विद्या की देवी माँ सरस्वती के चरणों की वन्दना करती हूँ तथा अपने राजनैतिक एवं सामाजिक जीवन में अन्वेषणात्मक उच्च कीर्तिमान स्थापित करने वाली, वात्सल्य एवं ममतामयी भाव से ओतप्रोत, सामाजिक सरोकारों से अन्तःकरण से जुड़ीं, करुणा एवं स्नेह की प्रतिमूर्ति, हमारी संरक्षक, मार्गदर्शक एवं प्रेरणा–स्रोत आदरणीय कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश, श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी का मैं विश्वविद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक अभिनंदन–वन्दन और स्वागत करती हूँ। आपकी जनचेतना से जुड़ी हुई संवेदनशीलता और क्रियाशीलता के फलस्वरूप पूरे प्रदेश में, निम्नतम को उच्चतम बनाने के सरोकारों का बीजारोपण हुआ है। आपके निर्देशन में उच्च शिक्षा को नई दिशा प्राप्त हुई है। माननीय कुलाधिपति जी हम, पुनः आपका हृदय की गहराइयों से स्वागत एवं अभिनन्दन करते हैं।

समारोह के माननीय मुख्य अतिथि, विश्व के सुप्रसिद्ध वैज्ञानिक, अप्रतिम प्रतिमा के धनी, पूर्व निदेशक (एन0सी0ई0आर0टी0) पद्मश्री प्रो0 जे0 एस0 राजपूत जी ने हमारे आमंत्रण को स्वीकार कर, आज के इस दीक्षान्त समारोह को गौरव प्रदान किया है। हम विश्वविद्यालय परिसर में आपका अन्तःकरण से स्वागत एवं अभिनन्दन करते हैं। मुख्य अतिथि जी, आपका आशीर्वाद ही हमारे प्रिय विद्यार्थियों को नई ऊंचाइयों तक, सहज में ही पहुँचा देगा। आपने दीक्षान्त समारोह में, दीक्षान्त भाषण देने के लिये, विश्वविद्यालय के आमंत्रण को स्वीकार किया, जिसके लिए विश्वविद्यालय परिवार आपका हृदय से आभारी है।

आज हमारे बीच राजभवन से पधारे माननीय कुलाधिपति जी के विशेष कार्याधिकारी तथा परिसहाय, मीडिया से जुड़े पत्रकार बन्धु, उपस्थित समस्त जन समुदाय का पुनः हृदय से स्वागत एवं अभिनन्दन करती हूँ।

पच्चीसवें दीक्षान्त समारोह के पुनीत अवसर पर उपस्थित सभी उपाधि तथा स्वर्णपदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देती हूँ जिन्होंने आज अपने अनवरत् परिश्रम के बल पर जीवन का एक सोपान पार किया है और विद्याध्ययन कर, ज्ञानार्जन किया है। प्रिय विद्यार्थियों, आज आपने कृषि, कला, वाणिज्य, शिक्षा, विधि, विज्ञान, प्रबन्ध अध्ययन, अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी, इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी एवं औषध संकायों में स्नातक, परास्नातक एवं पीएच0डी0 की उपाधियों को अर्जित कर अपने अभिभावकों एंव गुरुजनों का सम्मान बढ़ाया है। विश्वविद्यालय परिवार को, आप पर गर्व है और आपको बधाई देता है।

पूर्वी उत्तर प्रदेश के इस अंचल में अवस्थित, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, परिक्षेत्र की अनेक भौगोलिक, सामाजिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक विशिष्टताएँ हैं। यहाँ के विद्यार्थियों में असीम उत्साह एवं क्षमता है। उन्हें जीवन के प्रति आधुनिक विचारों के साथ नये–नये तकनीकी, आर्थिक एवं सामाजिक परिवर्तनों से प्रशिक्षित करते हुए जीवन की ऊँचाइयों को छूने के लिए प्रेरित करने की आवश्यकता है। यह विश्वविद्यालय इस पुनीत कार्य को अनवरत करता आ रहा है, जिससे यहाँ के विद्यार्थियों में राष्ट्रीय, चरित्र निर्माण एवं नैतिक उत्थान के भावों को बल मिला है।

प्रिय विद्यार्थियों! मैंने अभी बौद्धिक विकास की बात की है। मैं कहना चाहूँगी कि विश्वविद्यालय न केवल एक शैक्षणिक संस्थान है, बल्कि बौद्धिक एंव चारित्रिक चेतना के निर्माण का एक केन्द्र भी है। इस अवसर पर मुझे, विश्वविद्यालय की पाठ्येतर गतिविधियों से जुड़ी उपलब्धियों की चर्चा करते हुए प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है। जहाँ एन0 एस0 एस0, महिला अध्ययन केन्द्र, मिशन शक्ति, कौशल विकास केन्द्र एवं रोवर्स रेंजर्स जैसी गतिविधियों में विश्वविद्यालय का राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा है, वहीं विगत वर्षों में राजभवन, विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट सफलता का न केवल साक्षी रहा है, अपितु मार्गदर्शन एवं उत्साहवर्धन भी करता रहा है।

बौद्धिक विकास की यह प्रयोगशाला, पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर अपने उद्देश्यों के निरन्तर नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। कोविड काल में भी विश्वविद्यालय निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहा है। विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक, प्रशासकीय, अनुसंधान, संगोष्ठी/प्रशिक्षण, मासिक परिचर्चा, निर्माण, पर्यावरण संरक्षण के कार्यक्रमों के साथ–साथ सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्य एवं शासन की मंशानुसार निर्देशित अन्य कार्यों का आगे बढकर सम्पादन एवं नेतृत्व किया है तथा कतिपय विशिष्ट उपलब्धि हासिल की है जिन्हें मैं अति संक्षिप्त रूप में आप सभी के संज्ञान में लाना चाहूँगी–

पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, अखिल भारतीय स्तर पर शोध गंगा पोर्टल पर पूरे भारत में सातवें स्थान पर है तथा उत्तर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में दूसरा स्थान प्राप्त किया है।

विश्वविद्यालय का राष्ट्रीय सेवा योजना विभाग, प्रदेश में प्रथम स्थान पर है, यह प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय है जिसके दो स्वयंसेवकों ने विगत वर्ष सम्पन्न गणतंत्र दिवस परेड में प्रतिभाग किया तथा इस वर्ष 06 स्वयंसेवकों का इस परेड हेतु प्रथमतया चयन हो चुका है जो विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है।

कोविड–19 के दौरान ही विश्वविद्यालय की विभिन्न जनपदों की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों द्वारा 100 से अधिक गॉवों में मास्क, साबुन, सेनेटाइजर एवं खाद्य सामग्री वितरित कर, पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

माननीय राज्यपाल जी आपका दिशा–निर्देश रहता है कि नारी को स्वावलम्बी, सशक्त, आत्मनिर्भर एंव जागरूक बनाने के दिशा में विश्वविद्यालय स्तर पर भी प्रयास किये जाएँ, इस दिशा में लगातार वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, महिला अध्ययन केन्द्र के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के बीच चौपाल लगाकर, महिला शिक्षकों की पूरी टीम सक्रिय भूमिका अदा कर रही है। महिलाओं को कुपोषण, प्लास्टिक का बहिष्कार, महिला स्वास्थ्य, किशोरियों की शिक्षा, साइबर सुरक्षा, लैंगिग हिंसा आदि विषयों पर जागरूक किया जा रहा है तथा साथ ही साथ शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी जा रही है। इसी क्रम में झुग्गी–झोपड़ी, घर की सफाई विषय पर प्रतिस्पर्धा के माध्यम से मलिन बस्तियों में प्रतियोगिता करायी गयी ताकि स्वच्छता के प्रति जागरूक हो सकें, विश्व पर्यावरण दिवस के दिन, बृहद मात्रा में पौधरोपण कार्यक्रम, महिला अध्ययन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। विश्वविद्यालय परिसर में स्वस्थ शिशु प्रतियोगिता, पोषण आहार प्रतियोगिता कराई गई। ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु विश्वविद्यालय लगातार प्रयासरत है, इसके लिए राखी बनाने का प्रशिक्षण, अगरबत्ती, देशी गाय के गोबर से दीया, धूपबत्ती, एन्टी रेडिएशन चिप एवं लक्ष्मी गणेश की मूर्तियाँ बनाने का प्रशिक्षण दिलाया गया तथा साथ ही साथ विश्वविद्यालय में बाजार भी उपलब्ध कराया गया, जिससे महिलाओं को उनके द्वारा बनाये गये उत्पादों के लिए सीधे आर्थिक लाभ मिल सके। महिला अध्ययन केन्द्र तथा कौशल विकास केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में पी0एम0जी0 ग्रुप के साथ एम0ओ0यू0 किया गया

जिसके अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्र की 250 से अधिक महिलायें रजिस्ट्रेशन कराकर वर्तमान में विश्वविद्यालय परिसर में ही निःशुल्क सिलाई का प्रशिक्षण ले रही हैं। इसी क्रम में कन्नौज की एक संस्था एफ0एफ0डी0सी0 ग्रुप के साथ एम0 ओ0 यू0 प्रस्तावित है। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर विभिन्न क्षेत्रों में विशेष योगदान देने वाली महिलाओं जैसे आंगनबाड़ी, स्वयं सहायता समूह की बहनें, आशा बहुएँ, शिक्षा जगत, पुलिस विभाग एवं खेल जगत में उत्कृष्ट योगदान दे रही जिले की 34 महिलाओं को विश्वविद्यालय परिसर में समारोह आयोजित कर विशेष सम्मान से सम्मानित किया गया। इसी क्रम में ग्रामीण क्षेत्र की 35 गर्भवती महिलाओं का गर्भ संस्कार कार्यक्रम 23 अक्टूबर से विश्वविद्यालय परिसर में पूरे विधि विधान से कराया गया। विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केन्द्र के नेतृत्व में जनपद की जेल में महिला कैदियों से विश्वविद्यालय की छात्रायें, शिक्षिका का पूरा समूह उनसे मिला, उनकी समस्यायें सुनीं, प्रश्नोत्तर तैयार कर प्रश्न किये गये एवं उनकी मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग भी की गयी, जिससे उनके चेहरे पर सकून एवं प्रसन्नता के भाव प्रदर्शित हुए। माननीय आपके ही दिशा निर्देशन में विश्वविद्यालय, लगातार सामाजिक उत्तरदायित्व का भी निर्वहन कर रहा है। विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों तथा कर्मचारियों द्वारा 66 क्षय रोगियों को गोद लिया गया। इसमें से सभी रोगी ठीक भी हो चुके हैं, यह आपकी ही प्रेरणा, आपके अद्भुत मार्गदर्शन का प्रतिफल है कि विश्वविद्यालय लगातार सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति प्रयासरत है। परम आदरणीय कुलाधिपति जी आपके संरक्षण में हम अपने लक्ष्य प्राप्ति की ओर प्रयासरत हैं।

कोविड–19 वैश्विक महामारी के समय में, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय द्वारा आनलाइन शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई महत्त्वपूर्ण कार्य किये गये है। विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालय परिसर में संचालित पाठ्यक्रमों को आनलाइन पूर्ण कराने के लिए प्राध्यापकों द्वारा आनलाइन प्लेटफार्म का प्रयोग करके कक्षायें संचालित की गई।

इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों को प्रोजेक्ट निर्देशन, आनलाइन इंटर्नशिप, ई–कंटेंट एवं वीडियो लेक्चर बनाने का कार्य तथा पाठ्यक्रम सम्बन्धी नोट्स के आनलाइन संदेश प्रेषण का कार्य किया गया।

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर क्रीड़ा के क्षेत्र में अग्रिम पंक्ति के विश्वविद्यालयों में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। मेरे प्रिय खिलाड़ियों ने पूर्वी क्षेत्र में ही नहीं अपितु अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय स्तर पर प्रतियोगिताओं में अपने सतत् प्रयास, परिश्रम एवं लगन के बल पर महत्त्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की हैं। सम्पूर्ण भारत में खेल के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की एक अलग पहचान है। विश्व खेल जगत के महाकुम्भ टोक्यो ओलम्पिक में भारतीय हॉकी पुरुष टीम ने कांस्य पदक प्राप्त किया। टीम के नियमित सदस्य ललित कुमार उपाध्याय ने विश्वविद्यालय के नियमित छात्र के रूप में स्नातक की उपाधि प्राप्त की तथा विश्वविद्यालय की हॉकी टीम के सदस्य रहे हैं। सत्र 2021–22 के लिए विश्वविद्यालय को भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली द्वारा अखिल भारतीय अन्तरविश्वविद्यालय किक बॉक्सिंग महिला एवं पूर्वी क्षेत्र अन्तरविश्वविद्यालयीय हैण्डबाल महिला एवं पुरुष प्रतियोगिता की जिम्मेदारी दी गयी है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा इस वर्ष रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कार विश्वविद्यालय की खिलाड़ी सुश्री स्वर्णिमा जायसवाल को माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कर कमलों द्वारा प्रदान किया गया। सुश्री गौरी पाण्डेय ने भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली द्वारा आयोजित अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालय भारोत्तोलन प्रतियोगिता में विगत तीन वर्षों से कीर्तिमान के साथ स्वर्ण पदक प्राप्त कर विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया है। विभिन्न खेलों में राहुल शुक्ला, प्रवीण दुबे, गौरी पाण्डेय, संदीप कुमार, अरविन्द यादव, मुकुल मिश्रा, भगवन्त, प्रीति आदि ने कई पदक प्राप्त किए।

समय–समय पर भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार के दिशा–निर्देशों के अनुपालन में विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों द्वारा अपने बैनर तले, सामान्य एवं विशेष शिविर के अन्तर्गत बेटी–बचाओ बेटी–पढ़ाओ, उज्जवला योजना, उन्नत भारत अभियान, कन्या भ्रूण हत्या, लैंगिक भेदभाव,

बाल विवाह, साक्षरता, सोशल मीडिया के सामाजिक उपयोग, कौशल विकास, पर्यावरण संरक्षण आदि समाज के उपयोगी विषयों पर अनवरत् कार्य किये जा रहे हैं।

उत्तर प्रदेश शासन ने, भारतीय भाषाओं को प्रोत्साहन देने के लिए इस विश्वविद्यालय में भाषाओं का उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किये जाने का निर्णय लिया है। यह केंद्र प्रदेश के अन्य विश्वविद्यालयों में स्थापित छह अन्य भाषा केंद्रों की निगरानी एवं संचालन करेगा।

उत्तर प्रदेश शासन ने, विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग में भारतीय भाषाओं को प्रोत्साहन देने के लिए अनुवाद उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया है। यह केंद्र राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के प्रावधानों के अनुरूप भारतीय भाषाओं के प्रोत्साहन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा तथा लेखकों की कृतियों का अन्य भाषाओं में अनुवाद करेगा।

विश्वविद्यालय ने आनलाइन अवार्ड वेरिफिकेशन कराने का सिस्टम तैयार किया है। इसके तहत अब दुनिया के किसी कोने से एक क्लिक में किसी भी अंकपत्र का सत्यापन किया जा सकता है।

उत्तर प्रदेश शासन की पहल पर विश्वविद्यालय परिक्षेत्र के नवस्थापित तीन राजकीय महाविद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए 14 रोजगारपरक पाठ्यक्रम संचालित किये जाने हेतु, उच्च शिक्षा विभाग को प्रस्ताव प्रेषित किये गये हैं। प्रस्ता
स्वीकृत होने पर इन पाठ्यक्रमों का संचालन इन महाविद्यालयों में किया जायेगा।

वर्ष 2016 में विश्वविद्यालय के पुस्तकालय को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा, सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस से नवाजा जा चुका है। वर्तमान समय में पुस्तकालय, 187693 पुस्तकें, 212 से अधिक भारतीय एवं विदेशी जर्नल एवं मैगजीन से सुसज्जि
है। पुस्तकालय में ई0टी0डी0 लैब तथा ई–पुस्तकालय स्थापित है जिसमें 28000 से अधिक ई–बुक, 3800 ई–जर्नल, ई–थिसिस, ई–डाटाबेस, ई–केस स्टडीज एवं ई–आर्काइव उपलब्ध हैं। पुस्तकालय में बुक बैंक की सुविधा 2015 से
समस्त छात्र–छात्राओं के लिए प्रदान की जाती है जिसमें 41177 पुस्तकें उपलब्ध हैं जिसमें सभी छात्रों को किताबों क
एक सेट पूरे सेमेस्टर के लिए दिया जाता है। पुस्तकालय में छात्र–छात्राओं के लिए वाई–फाई की सुविधा उपलब
करायी गयी है।

कोविड हेल्पडेस्क के माध्यम से कोरोना के मरीजों को निःशुल्क मेडिकल किट, मास्क, साबुन, सेनिटाइजर का वितर
किया गया।

माननीय आपके आदेश पर विश्वविद्यालय परिक्षेत्र के जनपद आजमगढ़ एवं मऊ में 200 आँगनबाड़ी केन्द्रों को गो
लेकर प्रत्येक केन्द्र पर शैक्षिक सामग्री एवं आधारभूत उपकरण प्रदान किये गये।

आदरणीय कुलाधिपति जी आपके संरक्षण में विश्वविद्यालय अपने लक्ष्य प्राप्ति की ओर प्रयासरत है। आपके
मार्गदर्शन से हमारा विश्वविद्यालय अपने निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त कर सकेगा।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय की संक्रांतिमय उपलब्धियाँ, समर्पित शिक्षक, प्रबन्धक, कर्मठ अधिकारी एवं कर्मचारियों के अथ
परिश्रम पूर्ण प्रयत्नों एवं हमारे कार्यक्षेत्र के जनसमाज, विश्वविद्यालय के विभिन्न समाजसेवी मित्रों, संस्थाओं, मीडिया
बन्धुगण तथा उ0प्र0 शासन एवं प्रशासन के सहयोग से ही अर्जित हुई हैं।

मैं सभी स्वर्ण पदक एवं उपाधि प्राप्तकर्ता विद्यार्थियों को पुनः हार्दिक बधाई देती हूँ और आशा करती हूँ वे अपने उत्कृ
योगदान से विश्वविद्यालय एवं देश का नाम रोशन करेंगे। मैं, महन्त अवेद्यनाथ संगोष्ठी भवन में उपस्थित सभी अभिभावको
डिग्री धारकों, स्वर्ण पदक विजेताओं एवं आमंत्रित स्वनामधन्य समस्त सुधीजनों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करती
तथा कक्षा 06 से कक्षा 08 तक के छात्र–छात्राओं को अपना आशीर्वाद देती हूँ कि वे अपने जीवन में आगे बढ़ें और इसी तर
गोल्ड मेडलिस्ट बनें तथा हमारी माननीया कुलाधिपति जी, मुख्य अतिथि जी एवं उपस्थित समस्त विद्वतजन् के प्रति आभार व्यक्त करती हूँ।

जय हिन्द, जय भारत।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल

माननीय कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

जीवन परिचय

जन्म तारीख : 21 नवंबर, 1941

जन्म स्थान : खरोद, विजापुर तालुका, जिला मेहसाणा।

शिक्षा : एमएससी, एमएड (गोल्ड मेडलिस्ट)।

व्यवसाय : सेवानिवृत्त प्राचार्य (मोहिनाबा गर्ल्स हाई स्कूल, अहमदाबाद) एवं समाज–सेवा।

साहित्यिक गतिविधियाँ : समय–समय पर 'धरती', 'साधना' एवं 'सखी' पत्रिकाओं के लिये लेखन।

रूचि : अध्ययन, लेखन, यात्रा, जनसम्पर्क।

प्रकाशित पुस्तक : 'ए मने हमेशा याद रहेशे'(गुजराती संस्करण), 'प्रयास' 'प्रतिबिंब'।

संसदीय जीवन

- राज्य सभा सदस्य, वर्ष 1994–1998 ।
- वर्ष 1998 मांडल विधानसभा क्षेत्र जिला अहमदाबाद से चुनकर विधायक बनी।
- वर्ष 1998 से 2002 शिक्षा (प्रारंभिक, माध्यमिक, वयस्क) एवं महिला एवं बाल कल्याण मंत्री रही।
- पाटन विधानसभा क्षेत्र से वर्ष 2002 से दूसरी बार विधायक बनी और गुजरात शिक्षा मंत्री, लगातार चुनाव जीत नही पाते थे ऐसी मान्यताओं को गलत साबित किया। वर्ष 2002 से 2007 तक शिक्षा (प्रारंभिक, माध्यमिक, वयस्क), उच्च एवं तकनीकी शिक्षा, महिला एवं बाल कल्याण, खेल, युवा एवं सांस्कृतिक गतिविधि मंत्री के पद पर रहीं।
- वर्ष 2007 में पाटन विधानसभा क्षेत्र से तीसरी बार विधायक बनी। वर्ष 2007 से 2012 तक राजस्व, आपदा प्रबंधन, सड़क एवं भवन, राजधानी परियोजना, महिला एवं बाल कल्याण मंत्री रही।
- वर्ष 2012 में अहमदाबाद शहर के घाटलोडिया विधानसभा क्षेत्र से चौथी बार लगातार विधायक बनी तथा राज्य में सबसे अधिक वोटों से जीती। वर्ष 2012 से 2014 तक राजस्व, सूखा राहत, भूमि सुधार, पुनर्वास, पुनर्निर्माण, सड़क एवं भवन, राजधानी परियोजना, शहरी विकास और शहरी आवास मंत्री रही।
- 22 मई, 2014 से 7 अगस्त, 2016 तक गुजरात राज्य की प्रथम महिला मुख्यमंत्री रही।
- 15 अगस्त 2018 से 28 जुलाई 2019 तक छत्तीसगढ़ की राज्यपाल रहीं।
- 23 जनवरी 2018 से 28 जुलाई 2019 तक मध्य प्रदेश की राज्यपाल रहीं।

राजनैतिक गतिविधियाँ

- 1987 में राजनीति से जुड़ी इस दौरान भाजपा प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्ष, प्रदेश इकाई की भाजपा उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य जैसे महत्वपूर्ण पद पर रही।

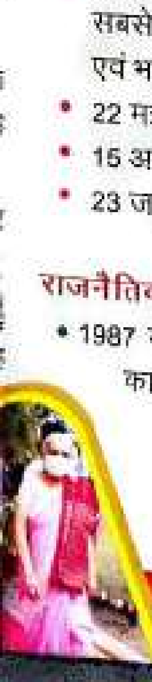

- 1992 में भाजपा द्वारा आयोजित कन्याकुमारी से श्रीनगर तक की एकता यात्रा में शामिल होने वाली गुजरात की एक मात्र महिला रहीं। कश्मीर में तिरंगा नही लहरा देने की आतंकवादियों की धमकी के बावजूद 26 जनवरी 1992 में श्रीनगर के लालचौक में राष्ट्रध्वज फहराने में शामिल थी।

मुख्यमंत्री कार्यकाल की उपलब्धियाँ

- गरीब व मध्यम वर्ग के परिवारों को मुफ्त इलाज के लिए 'मां वात्सल्य योजना' लाई।
- सभी गरीब वर्गों के विधार्थियो को उच्च शिक्षा हेतु 'युवा स्वावलंबन योजना' बनाई।
- गुजरात को 100 प्रतिशत ओ.डी.एफ. (खुले में शौच–मुक्त) का अभियान चलाया।
- गुजरात को टोल टैक्स (गैर व्यावसयिक वाहनों के लिए) मुफ्त बनाया।
- सभी महिलाओं के लिए कैंसर की जांच एवं मुफ्त इलाज प्रारंभ किया।
- नर्मदा के पानी को खेत तक पहुंचाने के लिए शाखा नहर, लघु नहर, उप लघु नहर के लिए सर्वसम्मति से जमीन संपादन का सफलतापूर्वक अभियान चलाया।
- सबसे कम समय में 100 से ज्यादा नगर नियोजन योजना को मंजूरी दी।
- विद्या सहायक योजना का पारदर्शक अमलीकरण।
- विद्या लक्ष्मी बॉन्ड एवं विद्या दीप योजनाएं लागू की।
- माता यशोदा अवार्ड की घोषणा की।
- प्रक्रियात्मक सरलीकरण के लिए टेक्नोलॉजी का समुचित उपयोग।
- 10,000 करोड की लागत से ग्राम रास्तों का निर्माण।

सम्मान/पुरस्कार

- स्कूली शिक्षा के दौरान मेहसाणा जिला के स्कूल स्पोर्टस फेस्टिवल में वर्ष 1958 में 'वीर बाला' पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- वर्ष 1988 में गुजरात राज्य के 'श्रेष्ठ शिक्षक' पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- वर्ष 1990 में राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय स्तर के 'श्रेष्ठ शिक्षक' सम्मान से सम्मानित हुई।
- मोहिनाबा कन्या विद्यालय की दो छात्राओं को तैरना नही जानती थी उसके बावजूद नर्मदा नदी में डूबने से बचाने के लिए गुजरात सरकार के 'वीरता पुरस्कार' से नवाजा गया।
- वर्ष 1999 में पटेल जागृति मंडल, मुंबई द्वारा 'सरदार पटेल पुरस्कार'।
- वर्ष 2000 में श्री तपोधन ब्राह्मण विकास मण्डल द्वारा 'विद्या गौरव' पुरस्कार।
- वर्ष 2005 में पटेल समुदाय द्वारा 'पाटीदार शिरोमणि' पुरस्कार दिया गया।
- अम्बु भाई पुरानी व्यायाम विद्यालय, राजपीपला द्वारा भी सम्मानित किया गया।
- चारुमति योद्धा अवार्ड द्वारा सम्मानित किया गया।

विदेश यात्रा

- चौथी वर्ल्ड वूमेन्स कान्फ्रेंस बीजिंग (चीन) में भारत सरकार के दल में शामिल हुई।
- वर्ष 1996 में भारतीय संसदीय दल के साथ बुलगारिया की यात्रा एवं फ्रांस, जर्मनी, हालैण्ड, इंग्लैण्ड, नीदरलैंड, अमेरि
  कनाडा एवं मेक्सिको आदि की शैक्षिक अध्ययन यात्राएँ।
- वर्ष 2002 में कॉमन वेल्थ पार्लियामेन्ट्री एसोसिएशन की गुजरात शाखा के दल के साथ नामीबिया – साउथ अफ्रीका
  48वीं कान्फ्रेंस में शामिल हुई।
- सितम्बर 2009 में आपने लंदन में 'विलेज इंडिया' प्रोग्राम में गुजरात का प्रतिनिधित्व किया ।
- मई 2015 में मा. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र भाई मोदी के साथ गुजरात के व्यापारिक प्रतिनिधि मंडल के साथ बतौर मुख्य
  चीन की यात्रा।

संस्थाएं

- सहियर , ग्रामश्री।

मुख्य अतिथि पद्मश्री प्रो. जे.एस. राजपूत जी का संक्षिप्त परिचय

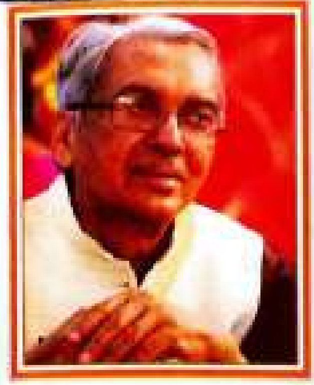

पदमश्री प्रो. जे. एस. राजपूत जी प्रख्यात शिक्षाविद, लेखक और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद के पूर्व निदेशक हैं। आपका जन्म उत्तर प्रदेश राज्य के हरदोई जिले में दिनांक 13 जुलाई 1943 को हुआ प्रोफेसर राजपूत ने स्कूली शिक्षा एवं शिक्षक शिक्षा में हुए सुधारो में अति महत्वपूर्ण एवं अग्रणी भूमिका निभाई है और आपके इस योगदान को भविष्य में भी आधारभूत संरचना के रूप में याद किया जाएगा।

भौतिकी के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट शोध कार्य एवं प्रकाशन के फलस्वरुप महज 31 वर्ष की उम्र में एनसीईआरटी द्वारा आपको प्रोफेसर पद से नवाजा गया। आपके द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वहन किया गया तथा कुछ प्रमुख जिम्मेदारियां यथा प्राचार्य, रीजनल इंस्टीट्यूट आफ एजुकेशन भोपाल में आपने वर्ष 1977 से 1988 तक अपनी सेवाएं दी हैं। आपने सन् 1989 से 1994 तक संयुक्त शिक्षा सलाहकार के रूप में मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार में अपनी सेवाएं दीं तथा आपने एनसीटीई के प्रथम अध्यक्ष के रूप में बी.एड. दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रमों को विनियमित करने और दो वर्ष के बीएड अभिनव पाठ्यक्रम को संचालित करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायी हैं। आपने 1994 से 1999 तक राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) के अध्यक्ष के रूप में एवं 1999 से 2004 तक एनसीईआरटी के निदेशक के रूप में कार्य किया है।

आपने विभिन्न विशिष्ट शिक्षा क्षेत्रों में अपने शोध कार्य प्रकाशित किए तथा साथ ही साथ आपने हिंदी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में पुस्तकों का प्रकाशन किया है। आपके प्रमुख प्रकाशनों में भारतीय शिक्षा का विश्वकोश, एक बदलती दुनिया में शिक्षा : भ्रम और ताकतें, शिक्षा में समकालीन चिन्ताएँ, प्रारम्भिक शिक्षा का सार्वभौमिकरणः शिक्षक शिक्षा की भूमिका, शिक्षक शिक्षा में भारत, शामिल है। आपके निर्देशन में अनेक शोध छात्रों ने पीएच.डी. उपाधि भी प्राप्त की है।

जुलाई 2004 में सेवानिवृत्ति के पश्चात आप पूर्णकालिक रूप से लेखन, व्याख्यान एवं शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में परामर्शदाता के रूप में कार्य कर रहे हैं। आप सतत रूप से शिक्षा के क्षेत्र में समावेशन की संस्कृति की स्थापना एवं मूल्यों की स्थापना हेतु अपने व्याख्यानों एवं लेखन के माध्यम से प्रयास कर रहे हैं। सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देते हुए आपने एजुकेशन आफ मुस्लिम्स इन इंडिया नामक पुस्तक का लेखन किया, जिसका विमोचन 15 जून 2015 को भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा किया गया। आपको यूनेस्को द्वारा जन अमोस कमीनियस मेडल से सम्मानित किया गया है। आपको मध्य प्रदेश सरकार द्वारा महर्षि वेदव्यास राष्ट्रीय पुरस्कार तथा केंद्रीय हिंदी संस्थान, भारत सरकार, आगरा, द्वारा पंडित मदन मोहन मालवीय पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है।

भारत सरकार द्वारा आपको साहित्य और शिक्षा में योगदान के लिए सन 2015 में पदमश्री से सम्मानित किया गया है। आप यूनेस्को के एक्सक्यूटिव बोर्ड के प्रतिनिधि के तौर पर 4 वर्षो के लिए भारत में कार्य कर रहे हैं। प्रो. जे. एस. राजपूत वर्तमान में यूनेस्को–महात्मा गांधी इन्स्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन फॉर पीस एण्ड सस्टनेबल डेवलपमेण्ट के बोर्ड ऑफ गवर्नर के चेयरमैन हैं। इसके साथ ही आप बी.एच.यू. स्थित इन्टर यूनिवर्सिटी सेन्टर फॉर टीचर एजुकेशन के प्रमुख हैं। आपने शिक्षा एवं शोध को बढ़ावा देने हेतु वियतनाम, आस्ट्रेलिया और जर्मनी में व्याख्यान देने के साथ ही साथ विभिन्न देशों की यात्राएं की है।

Convocation Address by Chief Guest

Padma Shri Prof. J.S. Rajput

Former Director, N.C.E.R.T., New Delhi

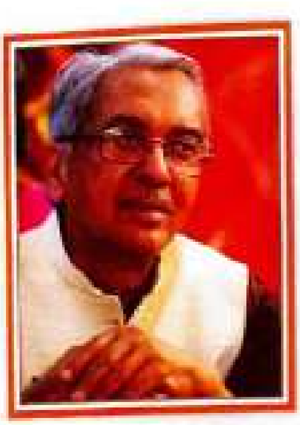

At the outset, I offer my sincere regards and respects to the Hon'ble Governor of Uttar Pradesh, and Hon'ble Chancellor of the Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur, I also extend my greetings to Prof. Nirmala S. Maurya, the Vice-Chancellor of the University I of fer my greetings to the Pro-Vice-Chancellor, the Registrar, and the distinguished members of the Executive Council, the Deans, Heads of Department and all the academics present in this convocation. With all the affection and goodwill, I greet the graduates of the year. My deep acquaintance with the Purvanchal began in 1968 when I joined the Banaras Hindu University as Lecturer in Physics. Apart from developing great respect for the social, cultural, and intellectual contributions of these regions by its illustrious men and women, I was deeply impressed by the valor, determination and grit of the freedom fighters from Purvanchal. This University has prepared young persons who have brought great name and fame to the region and to this University. Over the years, the academic visibility of the university has grown in varied fields. I must particularly mention the establishment of Professor Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) Institute of Physical Science for Studies and Research. I was the only research scholar who took the Doctoral degree under his supervision; I cherish he was my internal examiner in Ph.D. Viva Voce. He shaped my professional and personal journey of life, guided me all along. I remember him with gratitude, and respect. Convocation is a great occasion for the graduates of the year; they never forget it, it represents a great transition in life. They enter the University as young persons willing to know more, curious to equip themselves in all aspects, to be ready to lead a creative, contributing and contended life. The University successfully transforms each one of them from a 'person to personality'. And that means tremendous amount of responsibility. New horizons and opportunities await you, as the humanity needs your knowledge, skills, commitment, creativity, and above all, your ideas and imagination. To be put to use for the welfare of the humanity.

Convocation is the time to refresh and recall how the sages and seers, philosophers and thinkers, our ancestors, had guided us to consistently perform our varied obligations in life. Dr. S Radhakrishnan, in his works 'The Principal Upanishads", in the course of his treatise on 'Taittiriyopanishad', quotes what Patanjali said about education:

"Patanjali in his Mahabhashya [Kielhorn's ed. P—6] says there are four steps or stages through which knowledge becomes fruitful.

The first is when we acquire it from the teacher,
The second when we study it,
The third is when we teach it to others,
The fourth when we apply it".

In this short but meaningful passage, Patanjali highlighted four aspects of education to be accomplished with the directives to every individual being:

(1) Acquire knowledge/ education from your parents and teachers;
(2) Make your own study and improve the knowledge;
(3) Impart value added knowledge to other individuals, that is, your own children as and to others as teachers or in any other capacity;
(4) Use that knowledge for family benefit; as also for the benefit of the society through your profession, avocation or empowerment etc.

While referring to Indian tradition of knowledge quest in this illustrious university, one just cannot but recall with reverence Pandit Vidyaniwas Mishra; the illustrious scholar in the tradition of Rishis of the yore, who presented the ancie Indian knowledge and wisdom before the world in the idiom of the day. At my request he wrote a book for the National Council of Teacher Education: "Adhyapan: Bharatiya Drishti". It is a brilliant exposition of how the Indian tradition continues to be relevan in current times, with adequate dynamic alterations. He elaborated the significance of Adhyayan, Manan, Chintan, and Upyo One could really marvel at the way he elaborated the significance of the dialogical tradition in India, the essence of -and the role played in the growth of Indian civilization – of Prashana –Pratiprashana-Pariparashana! No modern pedagogy, no discipline of knowledge, and no human effort to explore the secrets of nature could ignore these eternal support systems of knowledge – both Para and Apara Vidya - that have helped human beings to know more, learn more, utilize more. Every educated person is expected to engage himself in continuing education and should expand the knowledge. Why am I referring to all this in the illustrious gathering in which; I am sure; the graduates of the year have already learnt all this from their illustrious teachers? I wish to emphasize the essential and necessary requirement of 'lifelong learning', which is globally recited buzzword from school to colleges to universities to the thinking tanks and Corporate Houses. Never before, people had really accepted the relevance of "Yavadjivait Adhiyate Viprah"; – the wise continue to learn throughout life – as at this juncture of history.

We are all aware that the world has transitioned to stage in which 'knowledge is power'. That from information society to knowledge society, humanity must move to wisdom society. Universities are primarily the centers of knowledge acquisition creation, establishing its utility, and its transfer to future generations. In the Indian tradition of knowledge quest, one must immediately add that knowledge and skills so acquired must be used for the welfare of humanity: *Sarva Bhut hite Ratah*! This ought to be the universal goal, but is not so in actual practice. At this juncture of human history, materialistic pursuits have overtaken spiritual quest; 'learning to earn' is the key operative in individual and institutional consideration. It contrasts the universal perception that education and its institutions must 'develop good, thoughtful, well-rounded and creative individuals of developed character'. At societal level, it must contribute in creating a 'socially conscious, knowledgeable, and skilled nation'. India has now launched a New Education Policy; NEP-2020; that intends to transform its higher education system in approach, structure, processes and learner outcomes; i.e., products. It has been specifically stated in the NEP-2020: "*knowledge creation and research are critical in growing and sustaining a large and vibrant economy, uplifting society, and continuously inspiring a nation to achieve even greater heights. Indeed, some of the most prosperous civilizations (such as India, Mesopotamia, Egypt and Greece) to the modern era (such as the United States, Germany, Israel, South Korea, and Japan) were/are Strong knowledge societies that attained intellectual and material wealth in large part through celebrated and fundamental contributions to new knowledge in the realm of science as well as arts, language, and culture that enhanced and uplifted not only their own civilizations but others around the globe*". Never before, 'a robust eco-system of research' was more important to India than at present. So much is changing at an unprecedented pace, so many issues and concerns are threatening the very survival of the human race on planet earth, only a sustained and well-directed comprehensive effort to move towards a knowledge society could ensure 'economic, intellectual, societal, environmental, and technological health and progress of a nation'. Creation of a research culture that could respond to all the expectations of the people, has to be examined in light of the most critical input: investment in education. The NEP-2020 acknowledges it: "*despite this critical importance of research, the research and innovation investment in India is, at the current time, only 0.69% of GDP as compared to 2.8% in the United States of America, 4.3% in Israel and 4.2% in South Korea*" one genuinely expects it to be enhanced, and augmented from sources other than the governments.

It is universally acknowledged that best research output emerges from 'multidisciplinary university settings'. It happens when a strong culture of 'research and knowledge creation' is built up. It invariably leads to best teaching and learning processes not only in higher education, but impacts school education also. It is indeed encouraging to note that India has realized the need of creating an organic relationship between research and school education. The Policy envisages 'definitive shifts in school education to a more play and discovery based style of learning with emphasis on the scientific method and critical thinking'. Qualitative transformation in higher education and research just cannot be achieved without a sound base of good quality school education.

These ideas and their articulation in the current context could be better comprehended in light of some of the learned discourses by luminaries who dazzled the sphere of research through their own dedication and commitment, and gave precious gifts of knowledge that paved the path for a better human future. These continue to inspire generations to explore, extract and achieve more and more from the unfathomed treasures from the oceans of knowledge. Delivering an address at the 60th Birthday Celebrations of eminent scientist Max Planck in 1918, Einstein referred to classes of people who take science; study and research; for some it was a sense of joyful superior intellectual power, and those who 'have offered the products of their brains on this alter for purely utilitarian purposes'. He further elaborated that in the Temple of Science, with many mansions, if these were the only two categories, only creepers would grow! Why are others in sciences, which bring fragrance of sublime life to the humanity? Einstein quotes Schopenhauer that one of the strongest motives that lead men to art and science is escape from everyday life with its painful, crudity and hopeless dreariness, from the fetters of 'one's own ever shifting desires'.' something like the "*townsman's irresistible longing to escape from his noisy, cramped surroundings into silence of high mountains, where the eyes range freely through the still, pure air and fondly traces out the restful contours apparently built for eternity*". Then he goes on to mention the real positive motive: *Man tries to make for himself in the fashion that suits him best a simplified and intelligible picture of the world; he then tries to some extent to substitute this cosmos of his for the world of experience, and thus to overcome it. This is what the painter, the poet, the speculative philosopher, and the natural scientist do, each in his own fashion*". This was said over hundred years ago, if a survey is conducted on 'how, why, who, and what for' of research in an age of multidisciplinarity research – he outcomes would certainly be classified more precisely, but the essence would not change. Human urge for security, emotional support, and peace is the core motivation for higher order intellectual, innovative and entrepreneurial initiatives. If one moves ahead in times, and comes to 1979, the articulation appears more familiar. In a lecture titled "Beauty and the Quest for Beauty in Science", S. Chandrasekhar referred to the illustrious scientist Poincare; "*The scientist does not study nature because it is useful to do so. He studies it because he takes pleasure in it; and he takes pleasure in it because it is beautiful. If nature were not beautiful, it would not be worth knowing and life would not be worth living... I mean the intimate beauty which comes from the harmonious rder of its parts and which a pure intelligence can grasp*". Man has explored the vastness of stars, galaxies, the stellar space, and he Cosmos beginning with a telescope, on one hand, and also the vastness of the smallest, beginning with a microscope! Humans ave explored – and it is an eternal process – to look within, and beyond.

At present, research is supposed to begin only after attaining a post-graduate qualification. In the proposed set up, and ntroduction of four-year undergraduate courses, it could be initiated in the fourth year, and after completing it, could be continued or a doctoral degree. It helps in settling down in a job, and in most of the cases, many could feel a sense of relief, no more hard work! Those who continue after it are serious scholars, learned academics and intellectuals. A truly inspired person could be doing research without any formal qualifications, pursuing his idea of exploration, gaining more comprehension of things around him or those inspired by his imagination. It is imagination, ideas, curiosity and creativity that gel together and led to an output tha may surprise the creator himself. Those in the formal informed systems, familiar with the latest developments in the area need t realize the power of imagination, so lucidly articulated by Einstein: "*Imagination is more important than knowledge. Fo knowledge is limited, whereas imagination embraces the entire world, Stimulating progress, giving birth to evolution.*" We are al familiar with the great advances in sciences and their applications that have transformed human lives all-around. However, thes alone cannot enhance the Human Happiness Index, as 'Humanity has every reason to place the proclaimers of high mor standards and values above the discoveries of objective truth'. On several occasions, Einstein expressed his ideas and concern about morality and ethics with an intensity that flows direct from the heart: "*The most important human endeavor is the strivin for morality in our actions. Our inner balance and even our existence depend on it. Only morality in our actions can give beaut and dignity to life. To make this a living force and bring it to clear consciousness is perhaps the foremost task of education. Th foundation of morality should not be made dependent on myth tied to any authority lest any doubt about the myth or legitimacy o the authority imperil the foundation of sound judgment and action.*" He like many others could see the symphony of scientifi growth and developments, and the independence of thought from prejudices, and authoritarian interference.

Scientific developments and their technological imperatives have changed the contours of human life. But hunge poverty and ill-health continue to disrupt the lives of billions even today. Further, these advances have not led to th universalization of the dignity of life to every human being. The Eastern philosophy of 'Aparigraha: non-accumulation increasingly appears to offer a ray of to the entire humanity, in these times of unprecedented pace of change ushered in by th developments in the ICT. Could it be because of the 'modern people who neglect or disobey the laws of spiritual development From Einstein revert to Swami Vivekananda: "*It is one of the evils of civilization that we are after intellectual education alone an take no care of the heart. It only makes man ten times more selfish, and that will be our destruction.... Intellect can never becom inspired: only the heart when it is enlightened becomes inspired. An intellectual heartless man never becomes an inspir man...Intellect has been cultured, with the result that hundreds of sciences have been discovered , and their effect has been th few have made slaves of many that is all the good that has been done.*" Everyone is experiencing it, the manner multinationals have captured markets, uprooted millions, call them 'business partners', depriving them all he dignity that was their lone solace independent workers. So much of research is being sponsored by multinationals, including pharmaceutical companies. Who not familiar with the objectives behind these endeavors?

Let one traverse in the vast and extended of knowledge quest that flourished in the ancient times in India and st survives in its continuity and relevance. Recall the Taxila -Nalanda times. The anecdote concerning Acharya Bhadant and h disciple Jivak, would give some idea of Indian tradition of research and knowledge quest. When the Shishya evaluated his ow learner attainments, he approached the Guru, informed him that he had completed his studies, would like to offer the Gu *Dakshina* that the learned Acharya may prescribe, and then bless him to go back and utilize the knowledge acquired under his f to 'serve the humanity'. In the Guru Dakshina, the Guru wants him to find some herb, shrub, plant, tree leave; and the like; that is no use in human welfare'! This was the project work in the language of today, and obviously Jivak must have followe systematic process of project formulation, decided upon the delimitations, formulated hypothesis, experimentation, observati tabulations; and so on. No details are available. He reports back – after a reasonable time gap - that he could not find anything t grows on earth and could not be used for human welfare! What a finding; what an articulation of man- nature Mutuality. A what a way of inspiration to create new knowledge! The Guru knew it all, but made the Shishya 'discover'. That is what Swa Vivekananda taught us; no one could teach anyone, for the learner it is all discovery from within, the manifestation of perfect already in man. There is enough evidence - in spite of planned trampling for several centuries - of Indian contributions in var fields of science, mathematics, Astronomy, social sciences and spiritual domains. These would have never been possible if In had not learnt to seek beauty in its totality. Satyam, Shivam, Sundaram; Truth, Goodness, Beauty. One may like to see reflections in the heart-warming lines of Poet Keats

Beauty is truth, truth beauty – that is all
Ye know on Earth and shall ye need to know,

And beauty d manifests itself only in quiet, compassion, cohesion, correlation, composure; and needs goodness peace around it. Are the researchers experiencing it!

Inculcating a culture of research requires a continuity right from the initial years. The NEP- 2020 has recomme nurturing of the talent and traits by creating continuity right from 3+ years onwards. Here one need to remember three of basics taught to us by Sri Aurobindo: 1. from near to far, 2. nothing can be taught; 3. mind must be consulted in its development. If teachers are made to comprehend their role in this light, they become partners in learning, in discovering as articulated by Swami Vivekananda that whatever a child learns is in fact a discovery by him to himself! To this add the touc prescription of Gurudev Rabindranath Tagore that every child is blessed with two boons by God/ nature: power of Ideas; power of Imagination. Sadly enough, our education systems invariably make every conscious effort to impede these! This is exemplified by the school board examinations, or evaluation and assessment systems practically in every context. We have developed even transparent teacher recruitment systems as yet. It poses great challenge before the researchers. The concern is best exemplified by an instance -from outside India – that indicates how teacher educators and teachers must be sensitive to the finer intricacies; and subsequent consequences; of an infirm evaluation. Richard Feynman, returning after receiving his Nobel Prize, decided to visit his school, as a gesture of gratitude. Excited school authorities dug out his performance records, and found that his IQ was 'fairly low'! Reaching home, Feynman told his wife that 'to win Nobel Prize was of little significance, but the fact that he had won it despite such a low IQ was something great'. Any teacher with experience would recall similar episodes from amongst his taught, which succeeded beyond expectations. Mohandas Karamchand Gandhi – his IQ may never have been measured in his school – was certainly not considered a brilliant learner, was obstinate enough not copy the spelling of Kettle in spite of clear hints from his teacher. The cases of Job Steve and Bill Gates are well-known to every aspiring young graduate world over. Even Einstein belonged to the category of those who's real worth remained unrecognized in their formal learning days.

Researchers are, generally speaking; considered intellectuals of highest caliber who deserve respect bordering on adulation. They too have to remain committed and conscious of the credibility of their profession.Everyone could see how their contributions have been mutualized by vested interests, and that caused great dismay to them.

What Albert Einstein had to say to the intellectuals would be very relevant to young persons engaged in research in the fast changing scenario in every sector of human activity and endeavor: *"By painful experience we have learnt that rational thinking does not suffice to solve the problem of our social life. Penetrating research and keen scientific work have often had tragic implications for mankind, producing, on the one hand, inventions which liberated man from exhausting physical labor, making his life easier and richer; but on the other hand, introducing a graver restlessness into his life, making him a slave to technological environment, and –most catastrophic of all – creating the means for his own mass destruction. This indeed is a tragedy of overwhelming poignancy"*. This indicates how researches in sciences lead to their social, economic and cultural, and security imperatives. What happened after the successful atomic explosion of at Las Alamos? Hiroshima and Nagasaki! The way world was shaping after WWII, disgusted Einstein, as the race for producing self-annihilating weapons and increase in violence not only continued in his life time, but even today, becoming rather uncontrollable. And so much of resources and effort is being invested in this sector!

We are all aware that the world is facing an existential crisis. It would be necessary to evolve an ideology of progress and development that would be suitable to every country, and at the same time, conscious of the global responsibility. The generations that are to take the reins of power have the responsibility to save the earth, to move towards sustainable development. It would be necessary to evolve honest and implementable global consensus on sustainable consumption. Graduates of the year have great challenges ahead of them, which they have to convert into opportunities. They could do it because they are prepared to work for a world of peace, harmony, social cohesion and religious amity. Further, graduates in India receive not only a degree but Vidya, which tells them what is real happiness:

विद्या ददाति विनयम विनयाद्याति पात्रताम
पात्रत्वाद्धनमाप्नोति धनाद्धर्मं ततः सुखं

It could be put in English:
Education imparts intellectual culture;
Intellectual culture secures capacity and stability;
capacity and stability enable you to secure wealth;
Wealth so secured enables to conform to Dharma
Which in turn secures happiness

It also indicates in subtle terms how happiness comes only from wealth well-earned through right means. Truth, Beauty and Goodness - Satyam, Shivam, and Sundaram - is comprehended only when it leads to realize the paramount role of righteous conduct –Dharma – not otherwise. To elaborate this, I find a poem of Poet Rumi very relevant. It was given to me by Dr. APJ Abdul Kalam, our hero of the young and old alike:

You are born with potential
You are born with goodness and trust
You are born with greatness
You are born with ideas and dreams
You are born with wings
You are not meant for crawling; So, don't
You have wings
Learn to use them and fly

And finally, success in life depends on how you envision your mission of life. J.R.D. Tata shows the way: *'Aim at Perfection, you will achieve Excellence'*. We are all with you.

-Professor J.S. Rajput

कार्य परिषद के सम्मानित सदस्यगण

1.	प्रो0 निर्मला एस0 मौर्य, कुलपति	अध्यक्ष
2.	मा0 न्यायमूर्ति श्री अभिनव उपाध्याय, अवकाश प्राप्त, जवाहरलाल नेहरू रोड, टैगोर टाउन, प्रयागराज।	सदस्य
3.	प्रो0 चन्द्र मोहिनी चतुर्वेदी, पूर्व विभागाध्यक्ष जीव विज्ञान विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी	सदस्य
4.	प्रो0 महक सिंह, विभागाध्यक्ष, जैनेटिक्स एंड प्लान्ट ब्रीडिंग, चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी वि0वि0 कानपुर।	सदस्य
5.	डॉ0 ओ0पी0 चौधरी, विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग, श्री अग्रसेन कन्या महाविद्यालय, वाराणसी	सदस्य
6.	डॉ0 समर बहादुर सिंह, संकायाध्यक्ष, शिक्षा संकाय, टी0डी0पी0जी0 कालेज, जौनपुर।	सदस्य
7.	डॉ0 अशहद अहमद, संकायाध्यक्ष, विधि संकाय, शिब्ली नेशनल पी0जी0 कालेज,आजमगढ़।	सदस्य
8.	प्रो0 राम चन्द्रा, विभागाध्यक्ष, पर्यावरणीय सूक्ष्मजैविकी विभाग, स्कूल फॉर अर्थ एण्ड इनवायरमेन्टल साइन्सेज, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ	सदस्य
9.	प्रो0 भावना वर्मा, समाज कार्य विभाग, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी।	सदस्य
10.	प्रो0 अशोक कुमार सिंह, भौतिकी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।	सदस्य
11.	प्रो0 आलोक चक्रवाल, कुलपति, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़।	सदस्य
12.	प्रो0 वंदना राय, बायोटेक्नोलॉजी विभाग, विश्वविद्यालय परिसर।	सदस्य
13.	डॉ0 राज कुमार, सह आचार्य इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी संस्थान, विश्वविद्यालय परिसर।	सदस्य
14.	डॉ0 सुरजीत कुमार, सहायक आचार्य, कम्प्यूटर एप्लीकेशन विभाग, विश्वविद्यालय परिसर।	सदस्य
15.	डॉ0 मुनीब शर्मा, प्राचार्य, रामबचन सिंह राजकीय महिला महाविद्यालय, बगली पिजड़ा, मऊ।	सदस्य
16.	डॉ0 आनन्द सिंह, भूगोल विभाग, श्री गणेश राय पी0जी0 कालेज, डोभी, जौनपुर।	सदस्य
17.	डॉ0 एम0एस0 अन्सारी, वाणिज्य विभाग, शिब्ली नेशनल पी0जी0 कालेज, आजमगढ़।	सदस्य
18.	श्री महेन्द्र कुमार, कुलसचिव, वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर।	सदस्य
19.	श्री संजय कुमार राय, वित्त अधिकारी वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर।	सदस्य

विद्या परिषद के सम्मानित सदस्यगण

1.	प्रो0 निर्मला एस0 मौर्य, कुलपति।	अध्यक्ष
2.	डॉ0 ओम प्रकाश सिंह, संकायाध्यक्ष, कृषि संकाय, टी0डी0 पी0जी0 कालेज, जौनपुर।	सदस्य
3.	डॉ0 आनन्द सिंह, संकायाध्यक्ष, कला संकाय, श्री गणेश राय पी0 जी0 कालेज, डोभी, जौनपुर।	सदस्य
4.	डॉ0 विजेन्द्र कुमार सिंह, संकायाध्यक्ष, वाणिज्य संकाय, श्री गणेश राय पी0 जी0 कालेज, डोभी, जौनपुर।	सदस्य
5.	डॉ0 समर बहादुर सिंह, संकायाध्यक्ष, शिक्षा संकाय, टी0डी0 पी0जी0 कालेज, जौनपुर।	सदस्य
6.	श्री अशहद अहमद, संकायाध्यक्ष, विधि संकाय, शिब्ली नेशनल पी0जी0 कालेज, आजमगढ़।	सदस्य
7.	प्रो0 राम नारायण, बायोटेक्नालोजी विभाग, संकायाध्यक्ष, विज्ञान संकाय, विश्वविद्यालय परिसर।	सदस्य
8.	प्रो0 अजय प्रताप सिंह, संकायाध्यक्ष, अनुप्रयुक्त समाजिक विज्ञान एवं मानविकी संकाय, विश्वविद्यालय परिसर।	सदस्य
9.	प्रो0 बी0बी0तिवारी, संकायाध्यक्ष, इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी संकाय, विश्वविद्यालय परिसर।	सदस्य
10.	प्रो0 अविनाश पाथर्डीकर, संकायाध्यक्ष, प्रबन्ध अध्ययन संकाय, विश्वविद्यालय परिसर।	सदस्य
11.	डॉ0 संदीप कुमार सिंह, यांत्रिक अभियांत्रिक विभाग, विश्वविद्यालय परिसर।	सदस्य
12.	डॉ0 सन्तोष कुमार,भौतिकी विभाग इंजीनियरिंग संस्थान, विश्वविद्यालय परिसर।	सदस्य
13.	डॉ0 राजकुमार, गणित विभाग इंजीनियरिंग संस्थान, विश्वविद्यालय परिसर।	सदस्य
14.	प्रो0 मनोज मिश्र, जनसंचार विभाग, विश्वविद्यालय परिसर।	सदस्य
15.	प्रो0 वी0डी0 शर्मा, व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग, विश्वविद्यालय परिसर।	सदस्य
16.	डॉ0 संजीव गंगवार, कम्प्यूटर सांइस इजी. एवं इनफार्मेशन टेक्नालॉजी विभाग, विश्वविद्यालय परिसर।	सदस्य
17.	डॉ0 रजनीश भाष्कर, इलेक्ट्रिकल इन्जीनियरिंग विभाग, विश्वविद्यालय परिसर।	सदस्य
18.	डॉ0 सौरभ पाल, कम्प्यूटर एप्लीकेशन विभाग, विश्वविद्यालय परिसर।	सदस्य
19.	डॉ0 सचिन अग्रवाल, वित्त एवं नियंत्रक विभाग, विश्वविद्यालय परिसर।	सदस्य
20.	डॉ0 कमलेश पाल, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग, विश्वविद्यालय परिसर।	सदस्य
21.	डॉ0 देवेन्द्र प्रताप सिंह, हिन्दी विभाग, कूबा महाविद्यालय, दरियापुर नेवादा, आजमगढ़।	सदस्य
22.	डॉ0 विजेन्द्र सिंह, राजनीतिशास्त्र विभाग, सल्तनत बहादुर पी0जी0 कालेज, बदलापुर, जौनपुर।	सदस्य
23.	डॉ0 मोहम्मद हारून, भूगोल विभाग, शिब्ली नेशनल पी0जी0 कालेज, आजमगढ़।	सदस्य
24.	डॉ0 श्रीमती शाहीन जाफरी, संस्कृत विभाग, शिब्ली नेशनल पी0जी0 कालेज, आजमगढ़।	सदस्य
25.	डॉ0 यादवेन्द्र दत्त तिवारी, समाजशास्त्र विभाग, सल्तनत बहादुर पी0जी0 कालेज, बदलापुर, जौनपुर।	सदस्य
26.	डॉ0 अखण्ड प्रताप सिंह, प्राचीन इति0 विभाग, सल्तनत बहादुर पी0जी0 कालेज, बदलापुर, जौनपुर।	सदस्य
27.	डॉ0 जावेद अहमद, मनोविज्ञान विभाग, शिब्ली नेशनल पी0जी0 कालेज, आजमगढ़।	सदस्य
28.	डॉ0 मु0 ताहीर, उर्दू विभाग, शिब्ली नेशनल पी0जी0 कालेज, आजमगढ़।	सदस्य
29.	डॉ0 श्रीमती शशि सिंह, इतिहास विभाग, टी0डी0 पी0 जी0 कालेज, जौनपुर।	सदस्य
30.	श्री मायानन्द उपाध्याय, शिक्षाशास्त्र विभाग, आर0एस0के0डी0 पी0जी0 कालेज, जौनपुर।	सदस्य
31.	डॉ0 रसिका रियाज, अंग्रेजी विभाग, डी0सी0एस0के0पी0जी0 कालेज, मऊ।	सदस्य
32.	श्री जय प्रकाश मिश्र, दर्शनशास्त्र विभाग, गांधी शताब्दी स्मारक पी0 जी0 कालेज, कोयलसा, आजमगढ़।	सदस्य
33.	डॉ0 राम सबद यादव, अर्थशास्त्र विभाग, गन्ना कृषक पी0 जी0 कालेज, ताखा, शाहगंज, जौनपुर।	सदस्य
34.	डॉ0 रणजीत सिंह, सैन्य विज्ञान विभाग, समता महाविद्यालय, सादात, गाजीपुर।	सदस्य
35.	डॉ0 दीप्ति सिंह, संगीत विभाग, राजकीय महिला महाविद्यालय, गाजीपुर ।	सदस्य
36.	डॉ0 दिनेश कुमार सिंह, रसायन विज्ञान विभाग, सहजानन्द पी0जी0 कालेज, गाजीपुर।	सदस्य
37.	डॉ0 अवधेश कुमार द्विवेदी, भौतिकी विभाग, आर0एस0के0डी0 पी0जी0 कालेज, जौनपुर।	सदस्य
38.	श्री वीरेन्द्र कुमार त्रिपाठी, प्राणि विज्ञान विभाग, टी0डी0 पी0 जी0 कालेज, जौनपुर।	सदस्य
39.	डॉ0 हर्ष वर्धन सिंह, प्राणि विज्ञान विभाग, टी0डी0 पी0 जी0 कालेज, जौनपुर।	सदस्य
40.	डॉ0 सत्यप्रकाश सिंह, गणित विभाग, टी0डी0 पी0 जी0 कालेज, जौनपुर।	सदस्य
41.	डॉ0 मोहिद्दीन आजाद इलाही, अरबी विभाग, शिब्ली नेशनल पी0जी0 कालेज, आजमगढ़।	सदस्य
42.	डॉ0 विनय कुमार सिंह, बी0एड0 विभाग, टी0डी0 पी0 जी0 कालेज, जौनपुर।	सदस्य
43.	श्री काजी नदीम आलम, विधि विभाग, शिब्ली नेशनल पी0जी0 कालेज, आजमगढ़।	सदस्य
44.	डॉ0 विजेन्द्र कुमार सिंह, वाणिज्य विभाग, श्री गणेश राय पी0 जी0 कालेज, डोभी, जौनपुर।	सदस्य
45.	डॉ0 अरूण कुमार यादव, कृषि अर्थशास्त्र विभाग, पी0 जी0 कालेज, गाजीपुर।	सदस्य
46.	डॉ0 घसीटा सिंह, कृषि वनस्पति विभाग, पी0 जी0 कालेज, गाजीपुर।	सदस्य

47. डॉ0 एन0के0 मिश्रा, कृषि प्रसार विभाग, टी0डी0 पी0 जी0 कालेज, जौनपुर। सदस्य
48. डॉ0 राजेश कुमार पाल, पशुपालन एवं दुग्ध उद्योग विभाग, टी0डी0 पी0 जी0 कालेज, जौनपुर। सदस्य
49. डॉ0 अवधेश कुमार सिंह, कृषि रसायन विभाग, पी0 जी0 कालेज, गाजीपुर। सदस्य
50. श्री इन्द्रजीत, कृषि कीट विज्ञान विभाग, श्री दुर्गा जी पी0जी0 कालेज, चण्डेश्वर, आजमगढ़। सदस्य
51. डॉ0 रमेश सिंह, पादप रोग विभाग, टी0डी0 पी0 जी0 कालेज, जौनपुर। सदस्य
52. डॉ0 फूलचन्द सिंह, शस्य विज्ञान विभाग, श्री दुर्गा जी पी0 जी0 कालेज, चण्डेश्वर, आजमगढ़। सदस्य
53. श्री पदमेन्द्र प्रभाकर सिंह, कृषि अभियन्त्रण विभाग, टी0डी0 पी0 जी0 कालेज, जौनपुर। सदस्य
54. डॉ0 रजनीश सिंह, कृषि उद्यान विभाग, टी0डी0 पी0 जी0 कालेज, जौनपुर। सदस्य
55. डॉ0 मीता सरल, गृह विज्ञान विभाग, संत गणिनाथ राजकीय महाविद्यालय, मोहम्मदाबाद गोहना, मऊ। सदस्य
56. डॉ0 श्याम कन्हैया सिंह, भूगर्भ विज्ञान विभाग, प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) भौतिकीय विज्ञान एवं शोध संस्थान, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
57. प्रो0 वन्दना राय, बायोटेक्नोलाजी विभाग, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
58. प्रो0 मानस पाण्डेय, व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
59. प्रो0 राजेश शर्मा, बायोटेक्नोलाजी विभाग, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
60. प्रो0 देवराज, भौतिक विज्ञान विभाग, प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) भौतिकीय विज्ञान एवं शोध संस्थान, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
61. प्रो0 ए0के0 श्रीवास्तव, इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी संकाय, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
62. डॉ0 मुनीब शर्मा, प्राचार्य, रामबचन सिंह राजकीय महिला महाविद्यालय, बगली पिजड़ा, मऊ। सदस्य
63. डॉ0 प्रदीप कुमार, बायोटेक्नोलॉजी विभाग, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
64. डॉ0 प्रमोद कुमार यादव, भौतिक विज्ञान विभाग, प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) भौतिकीय विज्ञान एवं शोध संस्थान, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
65. डॉ0 प्रमोद कुमार, रसायन विज्ञान विभाग, प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) भौतिकीय विज्ञान एवं शोध संस्थान, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
66. डॉ0 नुपुर तिवारी, कम्प्यूटर एप्लीकेशन विभाग, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
67. डॉ0 रसिकेश, मानव संसाधन विभाग, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
68. श्री सुशील कुमार, वित्त एवं नियन्त्रण विभाग, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
69. डॉ0 मुराद अली, व्यवसाय प्रबन्ध विभाग, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
70. डॉ0 विन्ध्याचल सिंह यादव, भूगोल विभाग, समता महाविद्यालय, सादात, गाजीपुर। सदस्य
71. डॉ0 राजेश कुमार सिंह, सैन्य विज्ञान विभाग,राष्ट्रीय पी0जी0कालेज, जमुहाई,जौनपुर। सदस्य
72. डॉ0 रमेश मणि त्रिपाठी, मनोविज्ञान विभाग, कुटीर पी0 जी0 कालेज, चक्के, जौनपुर। सदस्य
73. डॉ0 अरविन्द कुमार मिश्र, अंग्रेजी विभाग, डी0सी0एस0के0 महाविद्यालय, मऊ। सदस्य
74. डॉ0 अवधेश नारायण राय, समाजशास्त्र विभाग, स्वामी सहजानन्द पी0जी0 कालेज, गाजीपुर। सदस्य
75. डॉ0 विजय कुमार उपाध्याय, सैन्य विज्ञान विभाग, गोविन्द बल्लभ पंत महाविद्यालय, प्रतापगंज, जौनपुर। सदस्य
76. श्री अजय कुमार राय, अंग्रेजी विभाग, स्वामी सहजानन्द पी0जी0 कालेज, गाजीपुर। सदस्य
77. प्रो0 अजय द्विवेदी, वित्तीय अध्ययन विभाग, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
78. प्रो0 के0 पी0 सिंह, जन्तु विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज। सदस्य
79. प्रो0 संजय सिंह, कुलपति, डॉ0 भीमराव अम्बेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय,लखनऊ। सदस्य
80. डॉ0 मनोज पटेरिया, डायरेक्टर, एन.आई.एस.सी.ए.आई.आर.एन., दिल्ली। सदस्य
81. प्रो0 राजन हर्ष, पूर्व कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज। सदस्य
82. प्रो0 रिषभ देव शर्मा, पूर्व अध्यक्ष उच्च शिक्षा एवं शोध संस्थान, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास। सदस्य
83. डॉ0 सुरेश राम, बी.एड. विभाग, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी। सदस्य
84. डॉ0 इन्द्रदेव, अर्थशास्त्र विभाग, सकलडीहा पी0जी0 कालेज, सकलडीहा, चन्दौली। सदस्य
85. डॉ0 मनीष कुमार गुप्ता, बायोटेक्नालॉजी विभाग, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
86. डॉ0 महक सिंह विभागाध्यक्ष, जेनेटिक एण्ड प्लांट ब्रीडिंग विभाग, चन्द्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय कानपुर।

2021 : U.G. GOLD MEDALIST

Roll. No.
175560

Student Name : SHREYA GUPTA
Father's Name : RAJ KUMAR GUPTA
Faculty/Department : B.Tech. (COMPUTER SCIENCE & ENGG.)
College/Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 3879.5/5000
Division : First
Percent : 77.59 %

Roll. No.
175619

Student Name : HARIKESHWAR PRAJAPATI
Father's Name : RAM BARAT PRAJAPATI
Faculty/Department : B.Tech. (ELECTRICAL ENGINEERING)
College/Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 4206.75/5000
Division : First
Percent : 84.13%

Roll. No.
1853002

Student Name : MAHIMA
Father's Name : PARMATMA
Faculty/Department : B.Tech. (ELECTRONICS & INSTRUMENTATION ENGG.)
College/Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 3596/4500
Division : First
Percent : 79.91 %

Roll. No.
1852014

Student Name : RAHUL PATEL
Father's Name : RAM CHHAIL VERMA
Faculty/Department : B.Tech. (ELECTRONICS & COMMUNICATION ENGG.)
College/Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 3909.75/4500
Division : First
Percent : 86.88 %

Roll. No.
1854002

Student Name : AISHWARYA SINGH
Father's Name : OM PRAKASH SINGH
Faculty/Department : B.Tech. (INFORMATION TECHNOLOGY ENGG.)
College/Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 3646.75/4500
Division : First
Percent : 81.03 %

Roll. No.
2017003

Student Name : AKANKSHA DUBEY
Father's Name : AKHILESH DUBEY
Faculty/Department : B. Pharma
College/Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 4333/5000
Division : First
Percent : 86.66 %

Roll. No.
19618134548

Student Name : DEEKSHA YADAV
Father's Name : SHYAMLE
Faculty/Department : B.A.
College/Institute : RAJ BAHADUR MAHAVIDYALAYA, GULALPUR, JAUNPUR
Marks Obtain : 1392/1800
Division : First
Percent : 77.33 %

Roll. No.
19620137773

Student Name : KM AKSHITA YADAV
Father's Name : MANGALA PRASAD YADAV
Faculty/Department : B.Sc.
College/Institute : MOHAMMAD HASAN DEGREE COLLEGE, JAUNPUR
Marks Obtain : 1433/1800
Division : First
Percent : 79.61 %

Roll. No.
19692[illegible]

Student Name : KUSHAGRA SINGH
Father's Name : AMARENDRA KUMAR SINGH
Faculty/Department : B.Com.
College/Institute : [illegible]
Marks Obtain : 1443/2000
Division : First
Percent : 72.15 %

Roll. No.
[illegible]

Student Name : DEEPA VISHWAKARMA
Father's Name : JAY PRAKASH
Faculty/Department : B.Sc. (Ag.)
College/Institute : [illegible]
Marks Obtain : 2251/2800
Division : First
Percent : [illegible]

Roll. No.
19413063964

Student Name : SHWETA SINGH
Father's Name : KRIPA SHANKAR SINGH
Faculty/Department: B.P.E.
College/Institute : SNATKOTTAR MAHAVIDYALAYA GHAZIPUR
Marks Obtain : 1090/1600
Division : First
Percent : 68.12 %

Roll. No.
19759001552

Student Name : NABIN KUMAR LAL
Father's Name : GAURI PRASAD LALL
Faculty/Department : LL.B.
College/Institute : UMA NATH SINGH VIDHI MAHAVIDYALAYA, JAUNPUR
Marks Obtain : 1927/3000
Division : First
Percent : 64.23 %

Roll. No.
19719017576

Student Name : HEENA GUPTA
Father's Name : SUNIL KUMAR
Faculty/Department: B.B.A.
College/Institute : MICROTEK COLLEGE OF MANAGEMENT AND TECHNOLOGY MURTJABAD KERAKAT, JAUNPUR
Marks Obtain : 2777/3600
Division : First
Percent : 77.13 %

Roll. No.
16147483978

Student Name : MOHD NABEEL NIZAM
Father's Name : MOHD NIZAMUDDIN
Faculty/Department: B.U.M.S.
College/Institute : SHAMS-GHAUSIA MINORITY (S.G.M.) UNANI & P.G. AYURVEDIC MEDICAL COLLEGE & HOSPITAL, SAHERI, GHAZIPUR
Marks Obtain : 937/1500
Division : First
Percent : 62.46 %

Roll. No.
20638018684

Student Name : POOJA MISHRA
Father's Name : RAMESHWAR NATH MISHRA
Faculty/Department: B.Ed.
College/Institute : KAUSHILYA MAHAVIDYALAYA DILAWARPUR, MARIYAHU, JAUNPUR
Marks Obtain : 934/1200 380/400
Division : First
Percent : 77.83 % 95.00 %

Roll. No.
19214017712

Student Name : CHANDRESH VISHWAKARMA
Father's Name : SHYAMLAL VISHWAKARMA
Faculty/Department: B.C.A.
College/Institute : PURVANCHAL SNATKOTTAR MAHAVIDYALAYA RAMSUNDERPUR, RANI KI SARAI, AZAMGARH
Marks Obtain : 2996/3600
Division : First
Percent : 83.22 %

Roll. No.
16390483886

Student Name : NIKKI SONI
Father's Name : SATYA PRAKAS SONI
Faculty/Department: B.A.M.S.
College/Institute : SHIVALIK AYURVEDIC MEDICAL COLLEGE BIJARVA, BANKAT, AZAMGARH
Marks Obtain : 816/1100
Division : First
Percent : 74.18 %

Roll. No.
175104

Student Name : SHASHANK SINGH
Father's Name : GURU DEV PRASAD SINGH
Faculty/Department: B.TECH. MECHANICAL ENGG.
College/Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur
Marks Obtain : 4237/5000
Division : First
Percent : 84.74 %

2021 : P.G. GOLD MEDALIST

Roll. No.
218602

Student Name : ANJALI SINGH CHAUHAN
Father's Name : UDAY BHAN SINGH CHAUHAN
Faculty/Department : MCA
College/Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 4706/6000
Division : First
Percent : 78.43 %

Roll. No.
191310

Student Name : SAKSHI SAHU
Father's Name : SANDIP SAHU
Faculty/Department : MBA (E-Commerce)
College/Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 1949/2800
Division : First
Percent : 69.60 %

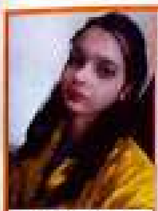

Roll. No.
191161

Student Name : SWAPNIKA RAI
Father's Name : ANIL RAI
Faculty/Department : M.B.A
College/Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 2093/2800
Division : First
Percent : 74.75 %

Roll. No.
191222

Student Name : SHASHI RAJ
Father's Name : RAJEEV KUMAR
Faculty/Department : MBA (Agri-Business)
College/Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 2002/2800
Division : First
Percent : 71.50 %

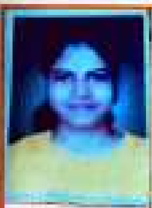

Roll. No.
191413

Student Name : KAJAL SINGH
Father's Name : NEERAJ SINGH
Faculty/Department : MBA(Business Economics)
College/Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 2229/2800
Division : First
Percent : 79.60 %

Roll. No.
191748

Student Name : SAGAR KUMAR SHUKLA
Father's Name : AVANINDRA KUMAR SHUKLA
Faculty/Department : MBA(Finance & Control)
College/Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 2202/2800
Division : First
Percent : 78.64 %

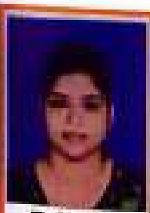

Roll. No.
191527

Student Name : SHIVANGI SINGH
Father's Name : OM PRAKASH SINGH
Faculty/Department : MBA (HRD)
College/Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 2188/2800
Division : First
Percent : 78.14 %

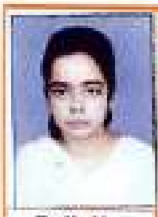

Roll. No.
192103

Student Name : AMINA NAAZ
Father's Name : EHTESHAM AHMAD KHAN
Faculty/Department : M.Sc.(Biotechnology)
College/Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 981/1200
Division : First
Percent : 81.75 %

Roll. No.
192229

Student Name : TAZEEM ZEHRA
Father's Name : WASEEM AHMAD
Faculty/Department : M.Sc.(Microbiology)
College/Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 942/1200
Division : First
Percent : 78.50 %

Roll. No.
192303

Student Name : KUNJLATA PRAJAPATI
Father's Name : RAMRUSH PRAJAPATI
Faculty/Department : M.Sc.(Biochemistry)
College/Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 891/1200
Division : First
Percent : 74.25 %

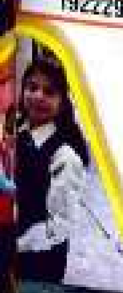

Roll. No.
192430

Student Name : SYED MOHD HAIDER
Father's Name : SYED ZEESHAN HAIDER
Faculty/Department : M.Sc. (Environmental Sciences)
College/Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 945/1200
Division : First
Percent : 78.75 %

Roll. No.
192524

Student Name : NILESH YADAV
Father's Name : ANIL KUMAR YADAV
Faculty/Department : M.Sc. (CHEMISTRY)
College/Institute : Rajja Bhaiya Sansthan, Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 1474/1800
Division : First
Percent : 81.88 %

Roll. No.
192603

Student Name : ANJU YADAV
Father's Name : BHOJA SINGH YADAV
Faculty/Department : M.Sc. (Earth & Planetary Science (Applied Geology))
College/Institute : Rajja Bhaiya Sansthan, Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 1530/1800
Division : First
Percent : 85.00 %

Roll. No.
192702

Student Name : BIPIN KUMAR
Father's Name : SAHAB LAL
Faculty/Department : M.Sc./M.A. (MATHEMATICS)
College/Institute : Rajja Bhaiya Sansthan, Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 1783/2100
Division : First
Percent : 84.90 %

Roll. No.
192812

Student Name : KAYNAT FATIMA
Father's Name : MOHD AKRAM
Faculty/Department : M.Sc. (PHYSICS)
College/Institute : Rajja Bhaiya Sansthan, Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 1406/1800
Division : First
Percent : 78.11 %

Roll. No.
193203

Student Name : AKANKSHA SINGH
Father's Name : RAHUL SINGH
Faculty/Department : M.A. (APPLIED PSYCHOLOGY)
College/Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 1717/2000
Division : First
Percent : 85.85 %

Roll. No.
193121

Student Name : SHAKAMBHARI NANDAN SONTHALIA
Father's Name : VIJAYANT SONTHALIA
Faculty/Department : M.A. (MASS COMMUNICATION)
College/Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 1488/2000
Division : First
Percent : 74.40 %

Roll. No.
193121

Student Name : SHAKAMBHARI NANDAN SONTHALI
Father's Name : VIJAYANT SONTHALIA
Faculty/Department : M.A. (MASS COMMUNICATION) [illegible]
College/Institute : Veer Bahadur Singh Purvancha University, Jaunpur (Campus
Marks Obtain : 1488/2000
Division : First
Percent : 74.40 %

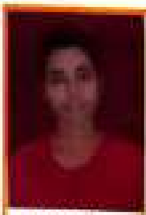

Roll. No.
20101034003

Student Name : SOMA KUSHWAHA
Father's Name : GULAB CHANDRA KUSHWAHA
Faculty/Department : M.A. (PHYSICAL EDUCATION)
College/Institute : HANDIA P.G. COLLEGE HANDIA, PRAYAGRAJ
Marks Obtain : 807/100
Division : First
Percent : 80.70 %

Roll. No.
20669168275

Student Name : VIKAS MAURYA
Father's Name : UADAY SHANKAR
Faculty/Department : Ancient History, Archaeology & Cultu
College/Institute : MUNESHWAR MAHAVIDYALAYA VISHWAPALPUR, BARNPAR, JAUNPU
Marks Obtain : 904/1100
Division : First
Percent : 82.18 %

Roll. No.
20601141006

Student Name : PRIYA SINGH
Father's Name : DURGESH KUMAR SINGH
Faculty/Department : Defence and Strategic Studies
College/Institute : TILAKDHARI SNATKOTTAR MAHAVIDYALAYA JAUNPUR
Marks Obtain : 724/1000
Division : First
Percent : 72.40 %

Roll. No.
20804188646

Student Name : SALONI CHAURASIYA
Father's Name : UMA SHANKAR CHAURASIYA
Faculty/Department : Economics
College/Institute : RSMT ENI NATH RAJKIYA MAHAVIDYALAYA MOHAMMADABAD, GOHNA, MAU
Marks Obtain : 810/1000
Division : First
Percent : 81.00 %

Roll. No.
20685171478

Student Name : VAISHALI SINGH
Father's Name : SANTOSH KUMAR SINGH
Faculty/Department : Education
College/Insitute : AACHARY BALDEV COLLEGE, KOPA, PATARHI, JAUNPUR
Marks Obtain : 786/1000
Division : First
Percent : 78.60 %

Roll. No.
20245061221

Student Name : ANIL KUMAR RAI
Father's Name : GHANSHYAM RAI
Faculty/Department : English
College/Institute : SHRI JAGDISH NARAYAN MAHENDRA PRASAD MAHAVIDYALAYA, RAGHUPUR, AZAMGARH
Marks Obtain : 767/1000
Division : First
Percent : 76.70 %

Roll. No.
20803187719

Student Name : KM JYOTI VERMA
Father's Name : RAMPRIT VERMA
Faculty/Department : Geography
College/Institute : MARYADA PURUSHOTTAM MAHAVIDYALAYA BHATSURI, RATANPURA, MAU
Marks Obtain : 783/1000
Division : First
Percent : 78.30 %

Roll. No.
20820194272

Student Name : KM SONI SINGH
Father's Name : MADANSEN SINGH
Faculty/Department : Hindi
College/Institute : RAM NAVAL SINGH SMARAK MAHAVIDYALAYA CHIRAIYAKOT, MAU
Marks Obtain : 783/1000
Division : First
Percent : 78.30 %

Roll. No.
20413103354

Student Name : VARSHA SRIVASTAVA
Father's Name : SURENDRA PRAKASH SRIVASTAVA
Faculty/Department : Music (Sitar)
College/Institute : SNATKOTTAR MAHAVIDYALAYA GHAZIPUR
Marks Obtain : 1015/1200
Division : First
Percent : 84.58 %

Roll. No.
20604143935

Student Name : ARCHITA CHAUBEY
Father's Name : SHASHI KANT CHAUBEY
Faculty/Department : Home Science (Food Nutrition)
College/Institute : SHRI GANESH RAI STATKOTTAR MAHAVIDYALAYA DOBHI, JAUNPUR
Marks Obtain : 987/1200
Division : First
Percent : 82.25 %

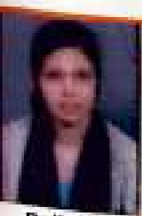

Roll. No.
20820194372

Student Name : AARTI PRAJAPATI
Father's Name : SANKATHA PRAJAPATI
Faculty/Department : Home Science (Human Development)
College/Institute : RAM NAVAL SINGH SMARAK MAHAVIDYALAYA, CHIRAYAKOT, MAU
Marks Obtain : 991/1200
Division : First
Percent : 82.58 %

Roll. No.
20604143833

Student Name : PARO YADAV
Father's Name : PRAMOD YADAV
Faculty/Department : Medieval & Modern History
College/Institute : SHRI GANESH RAI STATKOTTAR MAHAVIDYALAYA, DOBHI, JAUNPUR
Marks Obtain : 764/1000
Division : First
Percent : 76.40 %

Roll. No.
20612152798

Student Name : RASHMEE SINGH
Father's Name : NARENDRA BAHADUR SINGH
Faculty/Department : Philosophy
College/Institute : MARIYAHU STATKOTTAR MAHAVIDYALAYA
MARIYAHU, JAUNPUR
Marks Obtain : 715/1000
Division : First
Percent : 71.50 %

Roll. No.
20612152821

Student Name : VINAY KUMAR
Father's Name : TULASI PRASAD
Faculty/Department : Philosophy
College/Institute : MARIYAHU STATKOTTAR MAHAVIDYALAY
MARIYAHU, JAUNPUR
Marks Obtain : 715/1000
Division : First
Percent : 71.50 %

Roll. No.
20421105909

Student Name : ANKUSH YADAV
Father's Name : RAVINDRA YADAV
Faculty/Department : Political Science
College/Instiute : SANT BULA SATYANAM DAS BIRBAL SNATKOTTAR
MAHAVIDYALAYA, AMARI, DULLAHPUR, GHAZIPUR
Marks Obtain : 760/1000
Division : First
Percent : 76.00 %

Roll. No.
20206048836

Student Name : PRIYANKA YADAV
Father's Name : RAM RATAN YADV
Faculty/Department : Sanskrit
College/Institute : SHRI AGRASEN MAHLA SNATKOTTA
MAHAVIDYALAYA, AZAMGARH
Marks Obtain : 865/1000
Division : First
Percent : 86.50 %

Roll. No.
20442111349

Student Name : SONAM RAI
Father's Name : NAND BIHARI RAI
Faculty/Department : Sociology
College/Institute : SHRI HARI SHANKAR MAHAVIDYALAYA
JANUVARI, (BAHALOLPUR) GHAZIPUR
Marks Obtain : 830/1000
Division : First
Percent : 83.00 %

Roll. No.
20888215601

Student Name : NEHA FATMA
Father's Name : EKRAM KHAN
Faculty/Department : Urdu
College/Institute : R.A.F. MAHILA MAHAVIDYALAY
SHMSHABAD, KARHA, MAU
Marks Obtain : 775/1000
Division : First
Percent : 77.50 %

Roll. No.
20201043783

Student Name : SAHLA TABASSUM
Father's Name : AMJAD AAZMEE
Faculty/Department : Arabic
College/Institute : SHIBLI NATIONAL COLLEGE
AZAMGARH
Marks Obtain : 778/1000
Division : First
Percent : 77.80 %

Roll. No.
20801186908

Student Name : KUMARI SUNITA CHAUHA
Father's Name : GULAB CHAND
Faculty/Department : Psychology
College/Institute : D.C.S.K. MAHAVIDYALAYA, MA
Marks Obtain : 767/1000
Division : First
Percent : 76.70 %

Roll. No.
20608028842

Student Name : PRAGYA SINGH
Father's Name : NARENDRA KUMAR SINGH
Faculty/Department : M.Ed.
College/Institute : RAJA HARPAL SINGH MAHAVIDYALAYA
SINGRAMAU, JAUNPUR
Marks Obtain : 1618/2000
Division : First
Percent : 80.90 %

Roll. No.
20604144274

Student Name : SWECHCHHA SINGH
Father's Name : SANJAY SINGH
Faculty/Department : M.Com.
College/Institute : SHRI GANESH RAI SNATKOTTAR MAHAVID
DOBHI, JAUNPUR
Marks Obtain : 884/1200
Division : First
Percent : 73.66 %

Roll. No.
20837199074

Student Name : NIDHI YADAV
Father's Name : ASHOK KUMAR YADAV
Faculty/Department : Botany
College/Institute : SMT. INDIRA GANDHI MAHAVIDYALAYA DUMARI, MARYADPUR, MAU
Marks Obtain : 981/1200
Division : First
Percent : 81.75 %

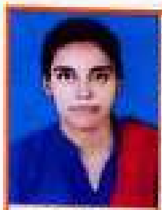

Roll. No.
20201043225

Student Name : JYOTIKA PANDEY
Father's Name : SATISH PANDEY
Faculty/Department : Chemistry
College/Institute : SHIBLI NATIONAL COLLEGE AZAMGARH
Marks Obtain : 938/1200
Division : First
Percent : 78.16 %

Roll. No.
20607147369

Student Name : KISHAN SHUKLA
Father's Name : RAMASARE SHUKLA
Faculty/Department : Industrial Chemistry
College/Institute : KUTIR SNATKOTTAR MAHAVIDYALAYA CHAKKE, JAUNPUR
Marks Obtain : 815/1200
Division : First
Percent : 67.91 %

Roll. No.
20413103259

Student Name : SATYA PRAKASH GUPTA
Father's Name : KAMLESH PRASAD GUPTA
Faculty/Department : Mathematics
College/Institute : SNATKOTTAR MAHAVIDYALAYA GHAZIPUR
Marks Obtain : 1048/1200
Division : First
Percent : 87.33 %

Roll. No.
20601141117

Student Name : POOJA YADAV
Father's Name : JAY PRAKASH YADAV
Faculty/Department : Physics
College/Institute : TILAKDHARI SNATKOTTAR MAHAVIDYALAYA JAUNPUR
Marks Obtain : 1013/1200
Division : First
Percent : 84.41 %

Roll. No.
20897217378

Student Name : SANDHYA MAURYA
Father's Name : RAM DHANI MAURYA
Faculty/Department : Zoology
College/Institute : MAA SHAKUNTLA MAHILA MAHAVIDYALAYA AMARI AMARHAT, MAU
Marks Obtain : 927/1200
Division : First
Percent : 77.25 %

Roll. No.
20851205677

Student Name : VINITA SINGH PATEL
Father's Name : RAVINDRA NATH SINGH
Faculty/Department : Zoology
College/Instiute : H.M. MAHAVIDYALAYA, PEEWATAL, MAU
Marks Obtain : 927/1200
Division : First
Percent : 77.25 %

अतुल माहेश्वरी स्वर्ण पदक

AMAR UJALA FOUNDATION

अतुल माहेश्वरी
नवोन्मेषक 'अमर उजाला समूह'
जन्म – 3 मई 1956
निधन – 3 जनवरी 2011

अमर उजाला समूह के नवोन्मेषक पत्रकार अतुल माहेश्वरी ने अपने जीवनकाल में सिर्फ पत्रकारिता ही की। 3 की पत्रकारिता में उन्होंने अमर उजाला समूह को नई ऊंचाइयाँ प्रदान की। 3 मई 1956 को दिल्ली में जन्मे अतुल माहेश्व प्रारंभिक शिक्षा–दीक्षा मथुरा में हुई। बरेली में रहते हुए उन्होंने राजनीति विज्ञान से एम.ए. की डिग्री हासिल की। अमर उ के संस्थापक रहे अपने पिता मुरालीलाल माहेश्वरी के मार्गदर्शन में पत्रकारिता के क्षेत्र में उन्होंने कदम रखा और कामया सीढ़ियां चढ़ते चले गए। अतुल जी के नेतृत्व में अमर उजाला का उत्तर प्रदेश के अलावा उत्तराखंड, दिल्ली,चंडीगढ़, हि प्रदेश और जम्मू कश्मीर संस्करण शुरू हुआ। डेली टैब्लॉयड अमर उजाला कॉम्पैक्ट का प्रकाशन शुरू करके उन्होंने पाठक वर्ग तैयार किया। इसके साथ ही कई प्रतियोगी पत्रिकाओं का भी प्रकाशन शुरू कराया। अमर उजाला फाउंडेश जरिए उन्होंने अखबार को सामाजिक सरोकारों से जोड़ा। पत्रकारिता के प्रति समर्पित होने की वजह से उन्होंने अमर उ समूह को केवल अखबारी दुनिया तक ही सीमित रखा। सौम्य स्वभाव और मृदुभाषी होने की वजह से श्री अतुल माहेश्व मीडिया जगत में बेहद लोकप्रिय रहे। मीडिया को नई दिशा देने वाले इस पुरोधा का 3 जनवरी 2011 को महाप्रयाण हुआ।

विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग के एम०ए० जनसंचार विषय में सर्वोच्च अंक पाने वाले विद्यार्थी क 2019 से दीक्षांत समारोह में अतुल माहेश्वरी स्वर्ण पदक दिया जाता है। अमर उजाला समूह के साथ इसके लिए सहमति है। वर्ष 2019 में यह पदक आशुतोष त्रिपाठी को प्रदेश की माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने दीक्षांत समारोह में दिया था। वर्ष 2020 में एम०ए० जनसंचार विषय में सर्वोच्च अंक पाने पर सौम्या तिवारी को 24 वे दी समारोह में अतुल माहेश्वरी स्वर्ण पदक दिया गया। वर्ष 2021 में शाकम्बरी नंदन को यह पदक मिलेगा।

चौबीसवाँ दीक्षांत समारो

चौबीसवें दीक्षांत समारोह में सौम्या तिवारी को अतुल माहेश्वरी स्वर्ण पदक देतीं मा० कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी साथ में कुलपति प्रो० निर्मला एस० मौर्य

सम्बद्धता प्राप्त महाविद्यालयों की संख्या

क्रमांक	जनपद	राजकीय महाविद्यालय	अनुदानित महाविद्यालय	स्ववित्तपोषित महाविद्यालय	कुल महाविद्यालयों की संख्या
1	आजमगढ़	02	10	252	264
2	गाजीपुर	03	08	332	343
3	मऊ	02	04	157	163
4	जौनपुर	02	14	184	200
5	प्रयागराज (हंडिया)	...	01	...	01
	कुल	09	37	925	971

परीक्षा सत्र: 2020-21

उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या

कुल परीक्षार्थी	कुल परीक्षार्थी	छात्र	छात्राएँ	कुल परीक्षार्थी उत्तीर्ण	छात्र उत्तीर्ण	छात्राएँ उत्तीर्ण
स्नातक परीक्षार्थी	160405	67079	93326	137093	55016	82077
परास्नातक परीक्षार्थी	35516	12535	32981	30081	10886	19195
कुल परीक्षार्थी	195921	79614	116307	167174	65902	101272

स्वर्ण पदक धारक

स्वर्ण पदक	संख्या		
	छात्राएँ	छात्र	कुल
स्नातक	11	7	18
परास्नातक	34	13	47
कुल योग	45	20	65

संकायवार शोध उपाधि धारक

क्रमांक	संकाय	शोधार्थियों की संख्या
1	कला संकाय	64
2	विज्ञान संकाय	09
3	शिक्षा संकाय	13
4	कृषि संकाय	02
5	विधि संकाय	05
6	इन्जीनियरिंग संकाय	01
7	वाणिज्य संकाय	02
योग		96

विज्ञान संकाय : डी.एससी. – 01

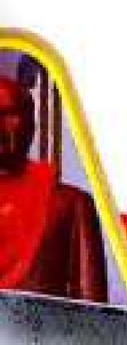

जनवरी 2021

1. 02 जनवरी को स्वच्छ भारत समर इंटर्नशिप–2019 के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवकों द्वारा विभिन्न स्वच्छता गतिविधियों की रिपोर्ट के आधार पर चयनित दो टीमें विजेता घोषित हुई। इस पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 निर्मला एस. मौर्य, क्षेत्रीय निदेशक डॉ. आलोक श्रोति, राज्य संपर्क अधिकारी अंशुमालि शर्मा आदि ने बधाई दी।

2. 12 जनवरी को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के रज्जू भैया संस्थान में स्वामी विवेकानंद : जीवन और दर्शन विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर निबंध, प्रश्नोत्तरी और संभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसी क्रम में विवेकानंद केन्द्रीय पुस्तकालय में भी राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में समारोह आयोजित किया गया।

3. 14 जनवरी को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 निर्मला एस. मौर्य ने विश्वविद्यालय में संचालित भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के प्रमाणपत्रों को वितरित किया।

4. 18 जनवरी को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ द्वारा कुलपति सभागार में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता : राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के संदर्भ में विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें बतौर मुख्य वक्ता राजीव गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश के कुलपति प्रो0 साकेत कुशवाहा जी का संबोधन हुआ।

5. 23 जनवरी को विश्वविद्यालय परिसर में रोवर्स/रेंजर की ओर से नेताजी सुभाषचंद्र की जयंती पराक्रम दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन हुआ। कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने नेताजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसी क्रम में प्रबंध अध्ययन संकाय भवन में नेताजी की जयंती पर भाषण, रंगोली और पोस्टर प्रतियोगिता के कार्यक्रम आयोजित किए गए।

6. 26 जनवरी को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के सरस्वती सदन में ध्वजारोहण का कार्यक्रम हुआ। कुलपति प्रो0 निर्मला एस. मौर्य ने ध्वजारोहण कर शिक्षकों, विद्यार्थियों कर्मचारियों को संबोधित किया। इसके बाद शि और प्रशासन की ओर से क्रिकेट मैच का आयो किया गया।

7. 28 जनवरी को इंजीनियरिंग संस्थान के शिक्षक महेंद्र प्रताप यादव की पुस्तक "स्मृतियों में विमर्श" (हिंदू विधि के आलोक में) का लोक समारोह हुआ। इसमें रांची और महात्मा गांधी क विद्यापीठ के पूर्व कुलपति प्रो0 सुरेंद्र सिंह कुश विशिष्ट अतिथि बीएचयू इतिहास एवं पुरातत्व वि की प्रो0 विभा त्रिपाठी, विधि विभाग की प्रो0 त्रिपाठी, डॉ0 मनराज यादव मुख्य रूप से समारोह की अध्यक्षता कुलपति. प्रो0 निर्मला एस. ने किया।

8. 29 जनवरी को पूर्वांचल विश्वविद्यालय के रज्जू भौतिकी संस्थान के आर्यभट्ट सभागार में रज्जू की जयंती पर व्याख्यानमाला–2 का आयोजन कि गया। इस अवसर पर रांची और महात्मा गांधी क विद्यापीठ के पूर्व कुलपति प्रो0 सुरेंद्र सिंह कुश मुख्य अतिथि थे। पूर्व कुलपति प्रो0 डॉ0 रा यादव बीज वक्ता और नेहरू युवा केंद्र संगठ एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के शासी निका सदस्य श्री शतरुद्र प्रताप विशिष्ट अतिथि कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो0 निर्मला मौर्य किया।

9. 30 जनवरी को स्वतंत्रता संग्राम में प्राणों की आ देने वाले शहीदों की स्मृति में विश्वविद्यालय परि ने मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। इसी क्रम विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 निर्मला एस. मौर्य महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिम श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

फरवरी 2021

1. 04 फरवरी चौरी चौरा शताब्दी समारोह का उद्घा समारोह आयोजित किया गया। चौरी चौरा घटना 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में पूरे प्रदेश भर में चौरा शताब्दी समारोह का आयोजन हुआ।

2. 05 फरवरी को प्रदेश में भाषाओं का उत्कृष्टता केंद्र बना पूर्वांचल विश्वविद्यालय। यह केंद्र प्रदेश के अन्य विश्वविद्यालयों में स्थापित छह अन्य भाषा केंद्रों की निगरानी एवं

संचालन करेगा।

3. 06 फरवरी को महिला शिक्षकों ने मिशन शक्ति के तहत कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य की प्रेरणा से मिशन शक्ति समन्वयक डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव के नेतृत्व में विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांव, कुकडीपुर के जूनियर हाई स्कूल में महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

4. 07 फरवरी उत्तर प्रदेश शासन ने वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग में भारतीय भाषाओं को प्रोत्साहन देने के लिए सेंटर आफ एक्सीलेंस अनुवाद स्थापित किया। यह केंद्र अनेक बहु–भाषी भाषा के विषय विशेषज्ञ तथा अनुवाद एवं व्याख्या के विशेषज्ञों के परामर्श और सहायता से सभी भारतीय भाषाओं को प्रसारित और प्रचारित करने में अपना योगदान देगा।

21 फरवरी वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय मातृ भाषा दिवस के अवसर पर मातृ भाषा के संवर्द्धन में अनुवाद की भूमिका विषयक वेबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि लोक साहित्य, लोक कहानियां, लोक गीतों के संरक्षण के लिए अनुवाद की महत्वपूर्ण भूमिका है।

22 फरवरी एनएसएस शिविर में 26 शिक्षकों ने रक्तदान किया।

23 फरवरी को कुलपति सभागार में हुई बैठक में टीबी ग्रस्त मरीजों को पीयू के शिक्षकों ने गोद लिया। विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत 26 से 50 वर्ष के 66 लोगों की निगरानी का जिम्मा लिया है।

24 फरवरी को प्रबंध अध्ययन संकाय के वित्तीय अध्ययन प्रबंध संकाय के एचआरडी विभाग द्वारा 'इन्वेस्टर अवेयरनेस प्रोग्राम' विषय पर ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया।

25 फरवरी को पूर्वांचल विश्वविद्यालय में पर्यटन प्रबंधन उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना हुई।

26 फरवरी को पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आधारभूत सुविधा के विस्तार के लिए स्मार्ट वर्चुअल क्लास रूम बनाने के लिए उत्तर प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा 2 करोड़ 19 लाख अनुदान मिला। विश्वकर्मा छात्रावास के लोकार्पण दिवस के अवसर पर छात्रावास में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। मिशन शक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया।

11. 27 फरवरी महिला अधिकार और सामाजिक जागरूकता विषयक वेबिनार का आयोजन किया गया। महिला सशक्तिकरण के विविध आयामों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

12. 28 फरवरी राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह के अंतर्गत उमानाथ सिंह अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत अंतर्विषयक शिक्षा एवं शोध के संकल्प विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।

मार्च 2021

1. 03 मार्च को आर्यभट्ट सभागार में पूर्वांचल साहित्य महोत्सव –2021 का आयोजन किया गया। इसमें उत्तर प्रदेश शासन के अनुमोदन से थीम बेस्ड लिटरेरी फेस्ट समिट के तहत आत्मनिर्भर भारत एवं युवा विषय पर काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया।
2. 04 मार्च को उमानाथ सिंह इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान के शिक्षक श्री नवीन चौरसिया को अमरावती विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र द्वारा इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस रीसेंट एडवांसेज इन मैटेरियल साइंस एंड नैनोटेक्नोलाजी में सर्वश्रेष्ठ मौखिक व्याख्यान के लिए पुरस्कृत किया गया।
3. 07 मार्च को आर्यभट्ट सभागार में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में विविध क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान देने वाली महिलाओं को कुलपति प्रो० निर्मला एस० मौर्य द्वारा सम्मानित किया गया. महिला सशक्तिकरण सम्मान समारोह मिशन शक्ति द्वारा आयोजित किया गया।
4. 09 मार्च को उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय द्वारा नई शिक्षा नीति –2020 पर ऑनलाइन सात दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स शुरू किया गया।
5. 11 मार्च को आयोजित व्याख्यान में मिजोरम विश्वविद्यालय के प्रबंध अध्ययन विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर अमित सिंह नई शिक्षा नीति के अध्याय 24 पर अपने व्याख्यान को केंद्रित किया। उन्होंने ऑनलाइन शिक्षण सामग्री के विविध आयामों पर चर्चा की।

6. 12 मार्च को आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत राष्ट्रधर्म एवं राष्ट्रवाद विषय पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस.मौर्य ने कहा कि आज ही के दिन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी ने अंग्रेजों के नमक कानून के विरुद्ध दांडी यात्रा प्रारंभ की थी।

7. 13 मार्च को नई शिक्षा नीति पर अमरकंटक के प्रबंधन एवं अर्थशास्त्र संकाय के अध्यक्ष प्रोफेसर अजय वाघ ने नई शिक्षा नीति–2020 में वोकेशनल पाठ्यक्रम की आवश्यकता विषय पर ऑनलाइन संबोधित किया।

8. 14 मार्च को व्यवहारिक मनोविज्ञान विभाग के प्रोफेसर अजय प्रताप सिंह ने आनलाइन व्याख्यान में नई शिक्षा नीति– 2020 में वैल्यू बेस्ड शिक्षा पर विस्तार से प्रकाश डाला।

9. 15 मार्च को टी डी कॉलेज के पादप प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ आलोक कुमार सिंह एवं विश्वविद्यालय परिसर के जनसंचार विभाग के अध्यक्ष डॉ मनोज मिश्र को धनबाद झारखंड में आयोजित दो दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिष्ठित दिया गया।

10. 16 मार्च को भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा प्रायोजित एवं व्यवसाय प्रबंधन विभाग और सेंटर फॉर एकेडमिक लीडरशिप एंड एजुकेशन मैनेजमेंट क्लेव,अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के द्वारा सात दिवसीय ऑनलाइन एकेडमिक नेतृत्व प्रशिक्षण कोर्स का उद्घाटन किया गया।

11. 17 मार्च को सेंटर फॉर एकेडमिक लीडरशिप एंड एजुकेशन मैनेजमेंट,अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के द्वारा सात दिवसीय ऑनलाइन एकेडमिक नेतृत्व प्रशिक्षण कोर्स के दूसरे दिन लैंगिक रूढ़िबद्ध धारण छवि एवं भारतीय महिलाओं के इतिहास पर चर्चा हुई।

12. 20 मार्च को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जे.एन. मेडिकल कॉलेज की पूर्व चेयरपर्सन डॉ. तमकीन खान ने गर्भावस्था और बच्चे का जन्म के दौरान होने वाले चिकित्सकीय समस्याओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

13. 21 मार्च को प्रो० राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान के वैकल्पिक ऊर्जा शोध केंद्र के वैज्ञानिक/सहायक आचार्य डॉ० धीरेन्द्र कुमार चौधरी को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, उ० प्र० तथा परमाणु ऊर्जा विभाग वैज्ञानिक अनुसंधान संकुल (भारत सरकार) द्वारा दो रिसर्च प्रोजेक्ट प्राप्त हुआ, जिसकी कुल अनुदान राशि 15 लाख से अधिक है। इसी दिन भारतीय नार्वेजियन सूचना एवं सांस्कृतिक फोरम ओस्लो (नार्वे) के द्वारा आयोजित को संबोधित करती हुई अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार के आयोजन में कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि नार्वे की जनता के राष्ट्रीय प्रतीक लोकप्रिय साहित्यकार इब्सेन वहां के साहित्यकारों में प्रमुख स्थान रखते हैं।

14. 22 मार्च व्यवसाय प्रबंधन विभाग और सेंटर फॉर एकेडमिक लीडरशिप एंड एजुकेशन मैनेजमेंट, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के द्वारा सात दिवसीय ऑनलाइन एकेडमिक नेतृत्व प्रशिक्षण कोर्स के अंतिम दिवस उच्च शिक्षा पर विस्तार से चर्चा हुई। कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने उच्च शिक्षा के कई आयाम से प्रतिभागियों को रूबरू कराया। इसी दिन विश्व जल दिवस के अवसर पर जल संरक्षण अभियान में विज्ञान संकाय, प्रबंध अध्ययन संकाय, फार्मेसी संस्थान, दत्तोपंत ठेंगड़ी संस्थान तथा प्रो राजेंद्र सिंह रज्जू भैया संस्थान के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने जल संरक्षण के लिए शपथ ली। फार्मेसी संस्थान के चार विद्यार्थियों का राष्ट्रीय स्तरीय परीक्षा में चयन हुआ।

14. 23 मार्च को जनसंचार विभाग में टेलीविजन में संवाद की प्रवृति और लेखन विषयक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, बिहार के मीडिया अध्ययन विभाग में सहायक आचार्य डॉ परमात्मा कुमार मिश्र ने कहा कि संवाद लेखकों को सदैव श्रोताओं को ध्यान में रख कर लेखन कार्य करना चाहिए।

अप्रैल 2021

1. 01 अप्रैल 66 क्षय रोगियों को वि0वि0 शिक्षकों ने गोद लिया। कुलपति सभागार में हुई बैठक में विश्वविद्यालयों के शिक्षकों ने स्वेच्छा से इन क्षय रोगियों को अपनाया।
2. 11 अप्रैल को विश्वविद्यालय स्थित स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर कुलपति ने परिसर के शिक्षकों और कर्मचारियों का टीकाकरण कराया। कोविड–19 की गाइडलाइन का पालन करने का दिया निर्देश दिया। माननीय प्रधानमंत्री जी ने 11 अप्रैल से 14 अप्रैल तक आयोजित टीकाकरण उत्सव मनाने की अपील पर टीकाकरण कराया गया।
3. डॉ. भीमराव आम्बेडकर की जयंती पर राष्ट्र निर्माण में भीमराव आम्बेडकर के योगदान विषयक वेबिनार का आयोजन किया गया। कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि हम अपने कर्तव्यों का पालन ईमानदारी से करेंगे तो एक अच्छे राष्ट्र का निर्माण होगा।
4. विश्वविद्यालय के अतिथि गृह में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की टीम द्वारा परिसर के अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों का कोरोना संक्रमण का टेस्ट किया गया।

मई 2021

1. 06 मई पीयू स्वास्थ्य केंद्र पर कोरोना पीड़ितों को कोरोना किट दिया गया। कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कोविड–19 हेल्प डेस्क का उद्घाटन किया।
2. 12 मई को कोविड–19 हेल्प डेस्क का कुलपति ने उद्घाटन किया। विश्वविद्यालय परिवार को गाइडलाईन का पालन करने का निर्देश दिया।
3. 22 मई विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ की ओर से "कोविड–19" निवारण, उपचार और टीकाकरण में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के योगदान" पर वेबिनार का आयोजन किया गया ।
4. 28 मई को विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में नारद जयंती के अवसर पर "लोक संचारकर्ता देवर्षि नारद का सम्प्रेषण कौशल" विषयक ई–गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसी दिन व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग में तीन दिवसीय कार्यशाला शुरू हुई।
5. 29 मई को व्यावहारिक मनोविज्ञान कोविड–19 का मानवीय सभ्यता और मानवता पर मनोवैज्ञानिक प्रभाव विषय पर ऑनलाइन चर्चा हुई। बतौर मुख्य वक्ता मनोविज्ञान विभाग लखनऊ युनिवर्सिटी के प्रो. प्रदीप कुमार खत्री ने कहा कि किसी समस्या का मुकाबला करते समय हमारे सामने दो विकल्प होते हैं लड़ो या मैदान छोड़ो।
6. 30 मई को विश्वविद्यालय के संस्थापक स्वर्गीय वीर बहादुर सिंह की पुण्यतिथि मनाई गई। विश्वविद्यालय में कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसी दिन विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर हिंदी पत्रकारिता: कोविड काल और जनसरोकार विषयक वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार के मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार एवं संपादक दैनिक जागरण उ0प्र0 आशुतोष शुक्ल और न्यूज–18 के वरिष्ठ पत्रकार प्रतीक त्रिवेदी थे।
7. 31 मई को विश्वविद्यालय विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक अधिकारी और कर्मचारियों को शपथ दिलाई गई कि वह अपने परिसर और कार्यालय भवन को तंबाकू मुक्त बनाएंगे। इसी दिन राजेन्द्र सिंह (रज्जू भइया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान के द्वारा "नई शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में शिक्षा की भूमिका" विषय पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया।

जून 2021

1. 04 जून विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर भू एवं ग्रहीय विज्ञान विभाग, रज्जू भइया संस्थान के तत्वावधान में पर्यावरण संरक्षण विश्लेषण एवं भविष्य की रणनीतियां विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। इसी दिन माननीय श्री कुलाधिपति जी के निर्देशानुसार ,महिला सुरक्षा समिति का गठन किया गया। इसमें प्रो. वंदना राय महिला सुरक्षा समिति की अध्यक्ष बनीं। डॉ नूपुर गोयल, जान्हवी श्रीवास्तव, सुश्री अन्नू त्यागी, डॉ रसिकेस, डॉ मुराद अली, डॉ संजीव गंगवार, श्रीमती करुणा निराला, अधिष्ठाता छात्र कल्याण, प्रो.अजय द्विवेदी, डॉ राकेश कुमार यादव (समन्वयक एन एस एस), डॉ जगदेव (समन्वयक रोवर्स रेंजर्स), डॉ. आलोक सिंह(सचिव खेलकूद), डॉ. संतोष कुमार (चीफ प्रॉक्टर) , डॉ. राजीव कुमार सदस्य बनाए गए।

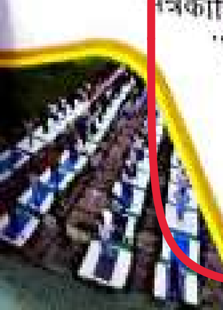

2. 05 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर छात्रावास रोड पर 100 से अधिक पौधे लगाए गए। यह पौधरोपण अभियान विश्वकर्मा छात्रावास से एकलव्य स्टेडियम तक किया गया।

1. 07 जून को भारतीय नार्वेजियन सूचना और सांस्कृतिक फोरम ओस्लो नार्वे और स्पाइल दर्पण के संयुक्त तत्वावधान में प्रवासी साहित्यकार हिंदी कहानी के सशक्त हस्ताक्षर डा. सुरेश चंद्र शुक्ल की कहानी (वापसी) पर एक चर्चा के आयोजन के दौरान बतौर मुख्य अतिथि कुलपति प्रो0 निर्मला एस. मौर्य ने प्रतिभागियों को संबोधित किया।

2. 10 जून को पूर्वांचल विश्वविद्यालय में पौधरोपण कर कोरोना संक्रमण से मृत लोगों को श्रद्धांजलि दी गयी।

3. 14 जून को जनसंचार विभाग एवं आंतरिक गुणवत्ता सुनश्चमन प्रकोष्ठ की ओर से (डिजिटल दौर में मीडिया का बहुआयामी स्वरूप) विषयक सात दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत हुई। पहले दिन कुलपति प्रो. के. जी सुरेश और प्रो. संजीव भानावत समेत मीडिया की कई हस्तियों ने अपने विचार रखें। इसी दिन हिंदी शोध: क्षेत्र और संभावनाएं पर कार्यशाला का शुभारम्भ 14 जून को किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर की कुलपति प्रो.(डॉ) निर्मला एस. मौर्य रहीं।

4. 15 जून को जनसंचार विभाग एवं आइक्यूएसी सेल की ओर से आयोजित सात दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन विशेषज्ञों ने दो सत्रों में सोशल मीडिया के समाचारों का तथ्य सत्यापन एवं कोविड–19 में कारपोरेट कम्युनिकेशन विषय पर बात रखी। विशेषज्ञों ने इस दौरान फेक न्यूज पर चर्चा करते हुए इससे बचने के उपाय बताए।

5. 16 जून को जनसंचार विभाग एवं आइक्यूएसी सेल के संयुक्त तत्वावधान में चल रही कार्यशाला के तीसरे दिन वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं समाचार व स्वास्थ्य संचार विषय पर वक्ताओं ने संबोधित किया। इसी दिन इसरो ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्सेज के लिए पीयू में रजिस्ट्रेशन शुरू किया गया। जनसंचार विभाग में आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान में तृतीय सत्र में साइंस फिल्म फेस्टिवल एवं पब्लिकेशन डिवीजन, विज्ञान प्रसार, भारत सरकार, के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ निमिष कपूर ने वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं समाचार विषय पर अपनी बात रखी।

6. 17 जून को जनसंचार विभाग एवं आइक्यूएसी सेल के संयुक्त तत्वावधान में चल रही कार्यशाला के चौथे दिन जनसंपर्क के बदलते आयाम एवं डिजिटल दौर की पत्रकारिता, आवश्यकता एवं सावधानियां विषयक सत्रों का आयोजन किया गया। फकीर मोहन विश्वविद्यालय उड़ीसा के पत्रकारिता विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर स्मिति पाढ़ी ने जनसंपर्क के बदलते आयाम विषय पर विस्तार से चर्चा की।

7. 18 जून को जनसंचार विभाग एवं आइक्यूएसी सेल के संयुक्त तत्वावधान में चल रही कार्यशाला के पांचवें दिन सिनेमा के मूल आधार और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और डिजिटल तकनीक विषय पर सत्रों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में नयी दिल्ली एपीजे इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राजीव कुमार पंडा ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और डिजिटल तकनीक विषय पर बात की। अगले सत्र में महाराजा अग्रसेन प्रबंध अध्ययन संस्थान दिल्ली के जनसंचार विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. उमेश पाठक ने कहा कि संगीत इंसान के लिए जरूरी है, इसके बिना जीवन का कोई मतलब नहीं है, इसलिए सिनेमा में संगीत को महत्व दिया जाता है।

8. 19 जून को जनसंचार विभाग एवं आइक्यूएसी सेल के संयुक्त तत्वावधान में चल रही सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के छठें दिन कोविड के दौर में विकास संचार एवं सोशल मीडिया मार्केटिंग विषयक सत्रों का आयोजन किया गया। इसी दिन जनसंचार विभाग एवं आइक्यूएसी सेल के संयुक्त तत्वावधान में चल रही सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के छठें दिन शनिवार को कोविड के दौर में विकास संचार एवं सोशल मीडिया मार्केटिंग विषयक सत्रों का आयोजन किया गया। 20 जून को इंदिरा गाँधी जनजातीय विश्वविद्यालय मध्य प्रदेश के पत्रकारिता विभाग के आचार्य डॉ० राघवेन्द्र मिश्र ने कोविड के दौर में विकास संचार विषय पर कहा कि आज कोरोना ने कई गंभीर समस्याओं को जन्म दिया है, बढ़ते अविश्वास ने लोगों को अपुष्ट सूचनाओं पर भरोसा करने पर विवश कर दिया है।

9. 20 जून को जनसंचार विभाग एवं आइक्यूएसी सेल के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन चल रही सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन हुआ। बतौर मुख्य अतिथि भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली के महानिदेशक प्रो० संजय द्विवेदी ने कहा कि महामारी के दौर में डिजिटल मीडिया ने हमारे सभी संवादों को सरल बनाया है।

10. 21 जून को एकलव्य स्टेडियम में सातवें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर

कुलपति, प्रो. निर्मला एस. मौर्य के साथ योगाचार्य अमित आर्य के कुशल निर्देशन में अधिकारियों, प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं खिलाड़ियों ने योग किया। इसी दिन महिला अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित कार्यक्रम पर्यावरण का विकास विषय पर संगोष्ठी का आयोजन कर पौधरोपण किया गया।

11. 24 जून को महिला अध्ययन केंद्र द्वारा महिला चौपाल कन्हई पुर में लगाया गया, जिसका विषय कुपोषण से होने वाले रोग एवं लक्षण था।

12. 25 जून को रसायन विज्ञान विभाग, रज्जू भैया संस्थान के द्वारा पांच दिवसीय राष्ट्रीय ई–कार्यशाला का आयोजन 25 जून से 29 जून के मध्य किया गया। रसायन विज्ञान में उपकरणीय तकनीक 'इंस्ट्रूमेंटेशन टेक्निक इन केमिकल साइंस' विषयक कार्यशाला में एमएससी और पीएच.डी. रसायन तथा अंतर विज्ञान विषय के छात्र प्रतिभाग किए।

    29 जून को इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में डॉ दिलीप महापात्रा, चिकित्सा निदेशक, लुग मेडिकल सेंटर, आयरलैंड ने तनाव प्रबंधन और परीक्षा ब्लूज़ के बारे में चर्चा की है।

1. 30 जून को फार्मेसी संस्थान के कार्यशाला के समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रोफेसर शैलेंद्र सर्राफ पं. आर.एस. विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़ ने स्वास्थ्य देखभाल पेशे, शिक्षा और अनुसंधान एक प्रतिमान बदलाव के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने एपीआई निर्भरता, चिकित्सा कूटनीति, नियामक छूट, आपूर्ति श्रृंखला हालिया विकास, डिजिटल स्वास्थ्य और फार्मेसी, सफलता के लिए नुस्खे के रूप में कोरोना से पहले और बाद में फार्मा उद्योग की प्राथमिकताओं के बारे में बताया।

जुलाई 2021

1. 04 जुलाई को विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय में विवेकानंद जी की पुण्यतिथि पर एक गोष्ठी का आयोजन हुआ। इस अवसर पर रज्जू भैया संस्थान के निदेशक डॉ. देवराज सिंह ने कहा की स्वामी विवेकानंद संपूर्ण विश्व को धर्म का पाठ पढ़ाने वाले एकमात्र ऐसे महामुनि है जिनसे संपूर्ण विश्व जगत को प्रेरणा मिलती रहेगी।

2. 05 जुलाई को राष्ट्रीय योजना रोवर्स –रेंजर्स, खेलकूद परिषद एवं उद्यान विभाग के सहयोग से विश्वविद्यालय में वृहद पौधारोपण अभियान के तहत कुलपति प्रो.निर्मला एस. मौर्य ने विश्वविद्यालय परिसर में पीपल के पौधरोपण से अभियान की शुरुआत की। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विश्वविद्यालय को आवंटित लक्ष्य 69720 के सापेक्ष रविवार को चारों जनपदों में कुल 59246 पौधे रोपित किए गए जिसमे 9451 पीपल के पौधे भी सम्मिलित है।

3. 07 जुलाई को विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग एवं रूट 64 फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में साइबर अपराधः सुरक्षा के उपाय विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार के मुख्य अतिथि प्रख्यात साइबर विशेषज्ञ एवं उत्तर प्रदेश साइबर क्राइम के पुलिस अधीक्षक प्रो. त्रिवेणी सिंह ने कहा कि आज के समय में साइबर अपराधी तकनीकी का प्रयोग कर लोगों को ब्लैकमेल कर रहे है, आर्थिक, शारीरिक और मानसिक शोषण कर रहे है। इस संबंध में उनसे कैसे बचे, इस पर प्रकाश डाला गया।

4. 09 जुलाई को विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में महिला अध्ययन केंद्र द्वारा कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य की अध्यक्षता में स्वस्थ शिशु प्रतियोगिता 6 माह से 5 वर्ष के बच्चों के लिए कोविड–19 प्रोटोकॉल का पालन करते हुए कराई गई।

5. 12 जुलाई को महिला अध्ययन केंद्र की ओर से पोषक आहार प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

6. 14 जुलाई को विश्वविद्यालय में रज्जू भइया की पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. निर्मला एस.मौर्य ने विश्वविद्यालय परिसर स्थित प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भइया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान में रज्जू भइया की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि रज्जू भइया सबको साथ लेकर चलने वाले एक आदर्श व्यक्तित्व थे। उन्होंने भौतिकी के साथ साथ सामाजिक क्षेत्र में बहुत काम किया।

7. 15 जुलाई को कुलपति ने पीयू से सम्बद्ध महाविद्यालयों में परीक्षाओं का किया निरीक्षण। तीन जिलों के 13 महाविद्यालयों में कुलपति ने तूफानी दौरा किया।

8. 18 जुलाई को महिला अध्ययन केंद्र के अंतर्गत बदलापुर में ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को आने वाले त्योहार रक्षाबंधन के अवसर के लिए राखी बनाने का प्रशिक्षण शास्त्री मौर्य द्वारा दिया गया। अन्तर्राष्ट्रीय छात्र सहायता प्रकोष्ठ द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सेवारत विद्यार्थियों के साथ पुरा छात्र सम्मेलन का आयोजन ऑन लाइन किया गया।

9. 19 जुलाई को जौनपुर से संबद्ध महाविद्यालयों की

बीएससी कृषि एवं बीए. बीएससी भाग 3 गृह विज्ञान प्रथम प्रश्नपत्र की परीक्षाओं का सोमवार को कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने निरीक्षण किया।

इसी दिन वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित अंतर्राष्ट्रीय छात्र सहायता प्रकोष्ठ (ऑफिस फॉर इंटरनेशनल अफेयर्स) द्वारा विदेशों में अपनी सेवाएं दे रहे पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पुरछात्रों से जुड़ने हेतु एलुमनाई कनेक्ट ;सनउदप ब्ददमबजद्ध कार्यक्रम का ऑनलाइन सम्मेलन हुआ।

10. 22 जुलाई को सर सीवी रमन छात्रावास परिसर के समीप भूजल सप्ताह के अंतिम दिन पौधरोपण एवं भू- जल संरक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। इसमें कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य के नेतृत्व और रोवर्स रेंजर्स के संयोजक डॉ. जगदेव जी द्वारा बरगद, पीपल, नीम, पाकड़ के 50 पेड़ लगवाए गए।

11. 23 जुलाई को कुलपति सभागार में टेलीफोन डायरेक्टरी के प्रथम संस्करण 2021 का विमोचन किया गया। आगामी नैक मूल्यांकन के दृष्टिगत कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य के मार्गदर्शन और निर्देशन में टेलीफोन डायरेक्टरी संयोजक डॉ. रसिकेश ने कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य को विश्वविद्यालय के 35 वर्षों के इतिहास में पहली बार प्रकाशित टेलीफोन डायरेक्टरी का विमोचन कराया।

12 24 जुलाई को जनसंचार विभाग द्वारा फेक न्यूज एवं तथ्य सत्यापन विषयक ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। विज्ञान फिल्म फेस्टिवल एवं प्रकाशन प्रभाग विज्ञान प्रसार भारत सरकार के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. निमिष कपूर ने प्रतिभागियों को ऑनलाइन तथ्य सत्यापन के तकनीकों से परिचित कराया। यह कार्यक्रम गूगल न्यूज इनिसिएटिव इंडिया ट्रेनिंग नेटवर्क के अंतर्गत किया गया।

13 25 जुलाई को महिला अध्ययन केंद्र द्वारा विकासखण्ड महराजगंज के डेल्हूपुर–केवटली गांव की महिलाओं को राखी बनाने का प्रशिक्षण दिया गया।

14. 29 जुलाई को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के एक वर्ष पूर्ण होने पर शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा ऑनलाइन आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उद्बोधन का सीधा प्रसारण विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में देखा गया।

15. 30 जुलाई को नई शिक्षा नीति 2020 के एक वर्ष पूरे होने के अवसर पर विश्वविद्यालय के आइक्यूएसी सेल द्वारा आठ दिवसीय वेबीनार श्रृंखला का आयोजन किया गया।

16. 31 जुलाई को कुलपति प्रो0 निर्मला एस. मौर्य को प्रेमचंद जंयती के अवसर भारतीय नार्वेजीय सूचना ए सांस्कृतिक फोरम, नार्वे एवं द्विभाषीय पत्रिका स्पाइल दर्पण की ओर से डिजिटल प्लेटफार्म पर आयोजि कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय प्रेमचंद सम्मान से उत्तर प्रदेश शासन के मुख्य सचिव श्री राजेन्द्र कुमार तिवारी ए ओस्लो नार्वे में भारत के राजदूत डा0 बाला भास्कर व थूरस्ताइन विंगेर और संस्था के अध्यक्ष व वरिष्ठ उपाध्यक्ष साहित्यकार सुरेश चंद्र शुक्ल शरद आलोक द्वारा पुरस्कार अलंकरण से सम्मानित किया गया।

अगस्त 2021

1. 02 अगस्त को भारतीय नार्वेजीय सूचना एवं सांस्कृतिक फोरम, नार्वे एवं द्विभाषीय पत्रिका स्पाइल दर्पण की ओर अंतर्राष्ट्रीय प्रेमचंद सम्मान मिलने पर कुलपति प्रो निर्मला एस. मौर्य को विश्वविद्यालय परिवार के शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारियों ने सम्मानित किया।

इसी दिन नई शिक्षा नीति 2020 के एक वर्ष पूरे होने के अवसर पर आठ दिवसीय वेबिनार श्रृंखला के अंतर्गत वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा बहुआयामी और समग्र शिक्षा विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता पेट्रोलियम एवं ऊर्जा अध्ययन विश्वविद्यालय देहरादून के स्कूल ऑफ बिजनेस के मीडिया एवं जनसंपर्क संयोजक डॉ. राजेश त्रिपाठी ने कहा कि समग्र शिक्षा आज के समय की मांग है।

2. 03 अगस्त को कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र तथा महिला अध्ययन केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में अभिप्रेरण कार्यक्रम आओ कौशल बढ़ाएं रोजगार दिलाएं का आयोजन आर्यभट्ट सभागार में आयोजित किया गया। इस दौरान पीएमजी ग्रुप और पूर्वांचल विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। दोनों केंद्र मिलकर कौशल विकास के क्षेत्र में काम करेंगे।

3. 04 अगस्त को विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में नैक की तैयारियों के संबंध में बैठक आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस.मौर्य ने की। बैठक में चेन्नई के गुरु नानक ऑटोनॉमस कॉलेज में नैक स्टीयरिंग कमेटी की सदस्य डॉक्टर डोली योग ने कहा कि नैक मूल्यांकन की तैयारी में डाटा प्रविष्टियों के तौर तरीकों

का भरते समय ध्यान रखें । उन्होंने इस संबंध में विश्वविद्यालय के आइक्यूएसी समिति के सदस्यों की उपस्थिति में नैक तैयारी से संबंधित अपने विचार साझा किए।

4. 10 अगस्त को नई शिक्षा नीति–2020 के एक वर्ष पूर्ण होने पर पूर्वांचल विश्वविद्यालय मे थीम बेस्ड वेबीनार के सातवें दिन प्रो० राजेंद्र सिंह रज्जू भैया भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान द्वारा 'अनुसंधान नवाचार और सूचकांक' विषय पर एक दिवसीय वेबीनार का आयोजन सोमवार को किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मरेगांव (यवतमाल) महाराष्ट्र के डॉ० नामदेव रामदीन पवार ने नई शिक्षा नीति के विभिन्न पहलुओं की चर्चा की। इसी दिन विश्वविद्यालय में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति शिक्षा में प्रौद्योगिकी का उपयोग" के मुद्दे पर एक दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया।
5. 11 अगस्त को कुलपति सभागार में रोवर्स रेंजर्स की कार्यसमिति की वार्षिक बैठक कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य की अध्यक्षता में संपन्न हुई।
6. 12 अगस्त को विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय मे राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस मनाया गया। इस अवसर पर अध्यक्षता कर रहे प्रोफेसर अजय प्रताप सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में किताबें पढ़ने में आई गिरावट गंभीर चिंता का विषय है।
7. 13 अगस्त को विश्वविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा मुक्तांगन परिसर में फिट इंडिया फ्रीडम रन अभियान की शुरुआत कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने किया। इस अवसर पर कुलपति ने स्वयंसेवकों से कहा कि आजादी के 75वें वर्ष में आयोजित होने वाले अमृत महोत्सव को जन–जन तक पहुंचाएं तथा स्वस्थ रहने के लिए माननीय प्रधानमंत्री जी के मंत्र 'फिटनेस की डोज, आधा घंटा रोज' का पालन करें।
8. 15 अगस्त को विश्वविद्यालय परिसर में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण किया गया। कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने ध्वजारोहण किया। इसके पूर्व उन्होंने महात्मा गांधी, वीर बहादुर सिंह, सरदार वल्लभभाई पटेल समेत अन्य महापुरुषों की मूर्तियों पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया।
9. 16 अगस्त को महिला अध्ययन केंद्र के द्वारा पूर्वांचल सावन महोत्सव का आयोजन मुक्तांगन परिसर में किया गया। इस महोत्सव में आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं ने अपने द्वारा बनाए विभिन्न उत्पाद जैसे राखी, आचार मिठाइयाँ, अगरबत्ती और कालीन का प्रदर्शन किया।
10. 18 अगस्त को विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र, महिला अध्ययन केंद्र, राष्ट्रीय सेवा योजना तथा फ्रेगरेंस फ्लेवर डेवलपमेंट सेण्टर (एफएफडीसी) के संयुक्त तत्वावधान में आओ कौशल बढ़ाएं, उद्यमी बनाएं और रोजगार दिलाएं विषय पर एक अभिप्रेरणा कार्यक्रम आयोजित किया गया। बतौर मुख्य अतिथि एफएफडीसी के निदेशक श्री शक्ति विनय शुक्ला ने सुगंध एवं स्वाद उद्योग के बारे में प्रकाश डाला।

12. 28 अगस्त को कुलपति सभागार में प्रस्तावित नैक मूल्यांकन की तैयारी के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला विश्वविद्यालय के आईक्यूएसी सेल की तरह से आयोजित की गयी है। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि बीएचयू के प्रो. वीके सिंह और विशिष्ट अतिथि बीएचयू के हिंदी विभाग के प्रो0 सत्यपाल जी थे।

सितम्बर 2021

1. 03 सितम्बर को विश्वविद्यालय परिसर के चार शिक्षकों को उत्तर प्रदेश में स्नातक पाठ्यक्रम की पुनर्संरचना/नया पाठ्यक्रम निर्माण में दिए गए योगदान के लिए शासन ने प्रशंसा की। उत्तर प्रदेश सरकार की उच्च शिक्षा विभाग की अपर मुख्य सचिव मोनिका एस.गर्ग ने प्रशस्ति पत्र भेजकर समय से पाठ्यक्रम डिजाइन करने के लिए इंजीनियरिंग संस्थान के गणित विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.राज कुमार को एनालिटिक एबिलिटी एवं डिजिटल अवेयरनेस पाठ्यक्रम में दो यूनिट का सिलेबस निर्धारण, प्रबन्ध अध्ययन संकाय के डा. मुराद अली को प्रबन्ध अध्ययन का सिलेबस निर्धारण और डॉ. रसिकेश को ह्यूमन वैल्यू एंड एनवायरमेंट स्टडीज के लिए पाठ्यक्रम बनाने में योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके कार्यों की सराहना किया। प्रो. मानस पांडेय इस टीम के मेंटर थे.।
2. 05 सितम्बर को आर्यभट्ट सभागार में शिक्षक दिवस के अवसर पर उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश के निर्देश

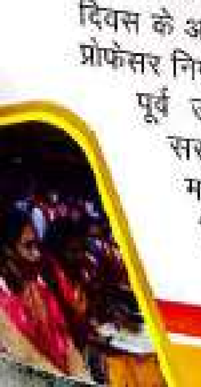

पर शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसी दिन उत्तर प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी विभाग की प्रोफेसर वंदना राय का शिक्षकश्री पुरस्कार 2020 के लिए चयन किया गया। यह घोषणा शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ दिनेश शर्मा ने की।

4. 11 सितम्बर को विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी श्री संजय कुमार राय ने चीफ वार्डन डॉ. राजकुमार, वार्डन मनीष प्रताप सिंह, डॉ. नितेश जायसवाल, श्री सुशील कुमार, श्री सुरेंद्र कुमार, श्रीमती पूजा सक्सेना, डॉ. अन्नू त्यागी के साथ विश्वविद्यालय परिसर में साफ–सफाई तथा अनुरक्षण संबंधी कार्यों का निरीक्षण किया।
5. 12 सितम्बर को रज्जू भैया संस्थान के गणित विभाग में मैथमेटिक्स में कैरियर के अवसर विषय पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया।
6. 14 सितम्बर को विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय तथा भाषा, संस्कृति एवं कला प्रकोष्ठ द्वारा हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि भारत की पहचान विदेशों में हिंदी से है, भारत के हर कोने में हिंदी बोली जा रही है।
7. 15 सितम्बर को इंजीनियर्स डे के अवसर पर उमानाथ सिंह इंजीनियरिंग संकाय के अध्यक्ष प्रोफेसर बीबी तिवारी ने विश्व प्रसिद्ध इंजीनियर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया जी के मूर्ति पर माल्यार्पण किया। इसी दिन कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस मौर्य ने मिशन शक्ति फेज 3 के अंतर्गत विश्वविद्यालय एवं ऑनलाइन संबद्ध राजकीय महाविद्यालयों में स्थापित हुए बालिका हेल्थ क्लब का उद्घाटन किया।
8. 16 सितम्बर को पूर्वांचल विश्वविद्यालय में विश्व ओजोन दिवस पर वेबीनार का आयोजन किया गया। इसी दिन विश्व ओजोन दिवस के उपलक्ष्य में पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित रज्जू भइया संस्थान के भू एवं ग्रहीय विज्ञान विभाग द्वारा 'जीवन के लिए ओजोन' विषय पर एक दिवसीय वेबीनार का आयोजन किया गया।

17 सितम्बर को विश्वविद्यालय परिसर स्थित विश्वकर्मा छात्रावास में सृष्टि शिल्पी भगवान विश्वकर्मा की जयंती धूमधाम से मनाई गई।

9. 22 सितम्बर को विश्वविद्यालय परिसर में बुधवार को एकलव्य की मूर्ति से सी वी रमन छात्रावास तक सड़क किनारे बरगद, पीपल, नीम, मौलश्री, बोटल पाम, फॉक्सटेल पाम एवं बोटल ब्रशके लगभग 130 पौधे लगाए गए। लगभग 20 पेड़ों के चारों ओर सुरक्षा जाली लगाकर उन्हें सुरक्षित किया गया। इसी दिन प्रबंध अध्ययन संकाय के अंतर्गत हिंदी दिवस सप्ताह–2021 के कार्यक्रम के समापन समारोह में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने कार्यक्रम में प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किया।
10. 23 सितम्बर को विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में अनुवाद और उत्कृष्टता केंद्र जनसंचार विभाग, भारतीय भाषा संस्कृति एवं कला प्रकोष्ठ एवं सांस्कृतिक परिषद द्वारा राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की जयंती पर नमन राष्ट्रकवि विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
11. 25 सितम्बर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के जन्मदिवस पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ, विश्वविद्यालय ने ''पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के राजनीतिक चिंतनरू एक विमर्श' विषय पर एक ई–संगोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम में एकात्म मानव दर्शन शोध संस्थान एवं विकास प्रतिष्ठान, नई दिल्ली के सह समन्वयक प्रो. डॉ. त्रिलोचन शर्मा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का एकात्म मानव दर्शन 'मिनिमम गवर्नेंट– मैक्सिमम गवर्नेंस' की भावना के अनुरूप है। इसी दिन वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में चलने वाले पाठ्यक्रम में डी फार्मा, बीसीए, बी कॉम (आनर्स), एमबीए और एमबीए एग्री बिजनेस में प्रवेश के लिए पीयू कैट परीक्षा 2021 का परिणाम घोषित कर दिया गया।
12. 26 सितम्बर को विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर स्थित रज्जू भइया संस्थान के आर्यभट्ट सभागार में ओजोन परत क्षरण एवं इसके प्रभाव पर व्याख्यान हुआ।
13. 27 सितम्बर को मिशन शक्ति फेज–3 के अंतर्गत वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय द्वारा गुलाबी देवी महाविद्यालय में 'सशक्त महिला एवं भविष्य का भारत' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें रंगोली प्रतियोगिता एवं वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

14. 28 सितम्बर को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा स्वीकृत पर्यटन प्रबंधन एवं शोध उत्कृष्टता केंद्र द्वारा विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर पूर्वांचल परिक्षेत्र में पर्यटन की संभावना पर एक दिवसीय ई–संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

अक्टूबर 2021

1. 02 अक्तूबर को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के रज्जू भैया संस्थान के आर्यभट्ट सभागार में विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समारोह में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के साथ विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर गांधी वाटिका में गांधीजी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया गया। महंत अवेद्यनाथ संगोष्ठी भवन में रामधुन गाया गया। इसी दिन रोवर्स रेंजर्स इकाई द्वारा गांधी जयंती के अवसर पर एक राष्ट्रीय ई–संगोष्ठी 'वर्तमान परिप्रेक्ष्य में गांधीवादी चिंतन की प्रासंगिकता' का से आयोजन किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि सत्य और अहिंसा के बल पर किसी पर भी विजय प्राप्त की जा सकती है।
2. 03 अक्तूबर को विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह के अंतर्गत शाम महंत अवेद्यनाथ संगोष्ठी भवन में विराट कवि सम्मलेन का आयोजन किया गया। कवि सम्मेलन में देश के प्रख्यात कवियों ने श्रोताओं को अपनी रचनाओं से मंत्रमुग्ध कर दिया। कवि सम्मेलन का प्रयोजन पंजाब नेशनल बैंक रहा।
3. 06 अक्तूबर को पूर्वांचल विश्वविद्यालय में बौद्धिक संपदा प्रकोष्ठ (आईपीआर) की ओर से तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 'इन्नोवेशन एंड इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी मैनेजमेंट इन इंडिया' का आयोजन 8 से 10 अक्टूबर तक किया गया है।
4. 08 अक्तूबर को गऊ, पर्यावरण संरक्षण एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय निःशुल्क प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।
5. 09 अक्तूबर को इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट सेल (आईपीआर) की ओर से तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के दूसरे दिन आईपीआर के विविध आयामों पर चर्चा की गई।
6. 10 अक्तूबर को विश्वविद्यालय के बायो टेक्नोलॉजी विभाग के एमएससी अंतिम वर्ष के छात्र शिवम तिवारी व विभाग के शिक्षक डॉ प्रदीप कुमार व प्रोफेसर वंदना राय के शोध पत्र को बरेली के इन्वेर्टिस विश्वविद्यालय में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी आठवें इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन मेंटल हेल्थ एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट इन साइन्स एंड टेक्नालॉजी में तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। इसी दिन इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट सेल (आईपीआर) की ओर से तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के अंतिम दिन आईपीआर, जी आई, कापीराइट और ट्रेडमार्क पर चर्चा हुई।
7. 11 अक्तूबर को इंजीनियरिंग संस्थान के विश्वेश्वरैया हाल में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत दूरसंचार जन जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला उमानाथ सिंह इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी और भारत सरकार के दूरसंचार विभाग उत्तर प्रदेश पूर्व लखनऊ की ओर से आयोजित किया गया। इसी दिन अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर मिशन शक्ति की समन्वयक डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव के नेतृत्व में जिला महिला चिकित्सालय जौनपुर में उन माताओं को पुष्प,सेनिटरी पैड और मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया जिन्होंने बेटियों को जन्म दिया था।
8. 12 अक्तूबर को विश्वविद्यालय के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा "इन साइट ऑफ राइटिंग स्किल्स फॉर रिसर्च प्रपोजल" विषय पर वेबिनार आयोजित किया गया। इसी दिन मिशन शक्ति ,महिला अध्ययन केंद्र एवं कौशल विकास केंद्र के अंतर्गत पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर को समापन हुआ।

   इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि कुलसचिव श्री महेंद्र कुमार ने कहा कि आस–पास के गाव की महिलाओं को भी जोड़ा जाना चाहिए। इससे कुटीर उद्योग को बढ़ावा मिलेगा।
9. 18 अक्तूबर को पूर्वांचल विश्वविद्यालय के परिसर में संचालित पाठ्यक्रमों (बीसीए, बीकॉम ऑनर्स, डीफार्मा,बीए आनर्स एवं बीए एलएलबी पाठ्यक्रमों को छोड़कर) के विभागों में काउंसलिंग का चक्र पूरा हो गया है। खाली सीटों पर पहले आओ पहले पाओ के आधार पर प्रवेश हेतु पंजीकरण / आवेदन फार्म का

विकल्प विश्वविद्यालय पोर्टल पर खोला गया।

10. 22 अक्तूबर को विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों के लिए हुई एम. एड. 2021–23 की प्रवेश परीक्षा की उत्तरमाला वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी गई है।

11. 23 अक्तूबर को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में महिला अध्ययन केंद्र द्वारा गर्भ संस्कार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें समूह की गर्भवती महिलाओं की गोद भराई कराई गई। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि गर्भ में बच्चों की देखरेख मातृशक्ति जिस भाव से करती हैं वह सबसे कठिन कार्य है।

12. 25 अक्तूबर को कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र में कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस.मौर्य के निर्देशन तथा डॉ जाह्नवी श्रीवास्तव के नेतृत्व में स्वरोजगार हेतु पांच दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

13. 29 अक्तूबर को विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय में कार्यरत डॉ विद्युत कुमार मल को प्रतिष्ठित अखिल भारतीय एक्सीलेंस इन एकेडमिक लाइब्रेरी अवॉर्ड 2021 से सम्मानित किया गया। यह अवार्ड उन्हें नई दिल्ली की प्रतिष्ठित संस्था सेंट्रल गवर्नमेंट लाइब्रेरी एसोसिएशन एवं निम्बस के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अधिवेशन में घोषित किया गया।

14. 31 अक्तूबर को विश्वविद्यालय में सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर परिसर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। सरस्वती सदन स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर कुलपति, रजिस्ट्रार समेत शिक्षकों ने माल्यार्पण किया। इस दौरान कुलपति प्रो. निर्मला एस.मौर्य ने शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई। इसके बाद विद्यार्थियों ने एकलव्य स्टेडियम तक रन फॉर यूनिटी मार्च निकाला। इसके बाद फार्मेसी संस्थान में डॉ विनय वर्मा के नेतृत्व में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें दर्जनों लोगों ने रक्तदान किया।

नवम्बर 2021

1. 01 नवंबर को विश्वविद्यालय परिसर में महिला अध्ययन केंद्र द्वारा स्वरोजगार मेले का आयोजन किया गया। स्वरोजगार मेले का उद्‌घाटन कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने किया।

2. 03 नवंबर को आजमगढ़ के समारोह में विश्वविद्यालय ने 200 आंगनबाड़ी केंद्रों को गोद लिया। इसमें आजमगढ़ के 125 और मऊ के 75 आंगनबाड़ी केंद्र हैं। यह घोषणा विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने आजमगढ़ और मऊ जिले में आयोजित 'आंगनबाड़ी केंद्रों को सुविधा संपन्न बनाने की अनूठी पहल' समारोह में माननीय राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल की उपस्थिति में किया।

3. 08 नवंबर को विश्वविद्यालय के तीन शिक्षकों ने विश्व के शीर्ष वैज्ञानिकों की सूची में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। इन वैज्ञानिकों की अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि से वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय का सम्मान बढ़ा है।

4. 14 नवंबर को राष्ट्रीय सेवा योजना के 6 स्वयंसेवक बीआईटी कैंपस पटना, बिहार में 15 नवम्बर से 24 नवंबर 2021 तक आयोजित 10 दिवसीय चयन शिविर में प्रतिभाग करने हेतु जौनपुर जंक्शन से नोडल अधिकारी डॉ अजय कुमार सिंह के नेतृत्व में रवाना हुए।

5. 18 नवंबर को विश्वविद्यालय के तीन शिक्षकों ने विश्व के शीर्ष वैज्ञानिकों की सूची में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। इन तीनों शिक्षकों को कुलपति सभागार में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस.मौर्य ने सम्मानित किया। इसी दिन रज्जू भैया संस्थान के आर्यभट्ट सभागार में गुरुवार को विन स्ट्रेटजी फॉर इफेक्टिव लीडरशिप विषय पर राष्ट्रीय वर्कशॉप का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर बतौर मुख्य वक्ता आयकर विभाग के प्रिंसिपल चीफ कमिश्नर गिरीश नारायण पांडेय ने कहा कि पीड़ा ,वेदना , उपहार है ईश्वर के वेदना से संवेदना पनपती है।

6. 23 नवंबर को महिला अध्ययन केंद्र और मिशन शक्ति की ओर से विद्यार्थियों की एक टीम डा. जाह्नवी श्रीवास्तव के नेतृत्व में जिला कारागार पहुंची। विश्वविद्यालय परिसर में कुलसचिव महेंद्र कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

7. 25 नवंबर को आर्यभट्ट सभागार में महिला मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग की ओर से किया गया। आकांक्षा समिति की अध्यक्ष डॉ. अंकिता राज ने कहा कि महिलाओं को अपनी सोच और समझ के साथ मतदान में हिस्सा लेना चाहिए। इसी

दिन मिशन शक्ति एवं महिला अध्ययन केंद्र के सभी सदस्यों के साथ कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य की बैठक कुलपति सभागार में संपन्न हुई। इसके अंतर्गत कुलपति जी के उत्कृष्ट योगदान के लिए महिला अध्ययन केंद्र प्रभारी डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव एवं उनकी टीम ने कुलपति जी को अंगवस्त्रम् एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

8. 26 नवंबर को दंतोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान की ओर से संकाय भवन के कांफ्रेंस हाल में संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि शिक्षक विद्यार्थी संविधान की मूल भावना का अपने जीवन में अनुसरण करें।
9. 30 नवंबर को फार्मेसी संस्थान के नवाचार केंद्र में महिला अध्ययन केंद्र और मिशन शक्ति की ओर से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका विषय था गुड टच एंड बैड टच तथा चुप्पी तोड़ों मुंह खोलो।

दिसम्बर 2021

1. 01 दिसंबर को केंद्रीय ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की से प्रबंध अध्ययन संकाय के सात विद्यार्थियों को जाब आफर पत्र दिया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो.निर्मला एस. मौर्य ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि अब बड़ी–बड़ी कंपनी को कैंपस सेलेक्शन के लिए बुलाया जाएगा।
2. 02 दिसंबर को कुलपति सभागार में हुई बैठक में 25 वें दीक्षातं समारोह के मुख्य अतिथि की घोषणा की गई। 10 दिसंबर को होने वाले समारोह में एनसीईआरटी के पूर्व निदेशक पद्मश्री प्रो. जे.एस. राजपूत होंगे।
3. 04 दिसम्बर को आर्यभट्ट सभागार में वर्कशाप ऑन लाइफ स्किल के प्रतिभागियों को कुलपति द्वारा प्रमाण पत्र दिया गया।
4. 06 दिसम्बर को आर्यभट्ट सभागार में सोमवार को डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर समरसता एवं सद्भाव विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि बाबा साहेब का संघर्ष ही संविधान में उतारा गया है। मुख्य अतिथि श्री घनश्याम शाही ने कहा कि हम जिस क्षेत्र में भी रहे वहां समरसता का भाव स्थापित करें।

रोवर्स/रेंजर्स इकाई

उ०प्र० भारत स्काउट और गाइड एक स्वयंसेवी गैर राजनैतिक शैक्षिक आन्दोलन है जो प्रत्येक आयुवर्ग के छात्र–छात्राओं के सर्वांगीण विकास का निरन्तर प्रयास करता रहता है। स्काउटिंग के जनक लार्ड स्टीफेंशन स्मिथ बेडेन पावेल द्वारा 1907 में इसकी नींव रखी गयी। प्रारम्भ में 20 बच्चों के साथ इसकी शुरूआत इंग्लैण्ड के ब्राउंसी पहाड़ी से आरम्भ होकर आज विश्व पटल पर युवाओं का मार्गदर्शन कर रही है।

18 से 25 आयु वर्ग के छात्रों को रोवर्स तथा छात्राओं को रेंजर्स के नाम से जाना जाता है। रोवर्स / रेंजर्स का ध्येय वाक्य ''सेवा करो'' है। युवाओं एवं युवतियों में शिक्षा के साथ–साथ पूर्ण शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक, सामाजिक आध्यात्मिक और राष्ट्रीय भावना का विकास करना रोवरिंग का मुख्य लक्ष्य है। प्रकृति, समाज एवं मानवता के प्रति गहरी संवेदना रखना रोवरिंग का मुख्य धर्म है। स्थानीय, राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वयं के द्वारा सेवा का योगदान करना रोवरिंग का मुख्य उद्देश्य है।

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में दिसम्बर 1996 से आज तक निरन्तर रोवर्स / रेंजर्स गतिविधियाँ संचालित हो रही हैं। विश्वविद्यालय द्वारा रोवर्स / रेंजर्स शुल्क 24 रु. निर्धारित किया गया है जिसमें से 8 रु0 प्रति छात्र की दर से विश्वविद्यालय में एवं 16 रु0 प्रति छात्र महाविद्यालय में रोवर्स / रेंजर्स कार्यक्रम हेतु जमा होता है। रोवरिंग और रेंजरिंग के क्षेत्र में पूर्वांचल विश्वविद्यालय निरन्तर कई वर्षों से प्रदेश में प्रथम स्थान पर बना हुआ है। विगत दो वर्षों से कोविड–19 के कारण बहुत सारी गतिविधियाँ संचालित नहीं हो सकी।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय कुछ गतिविधियों में अनोखा है। विश्वविद्यालय से सम्बद्ध जनपद आजमगढ़, मऊ, गाजीपुर, जौनपुर, और प्रयागराज के समस्त महाविद्यालयों में रोवर्स / रेंजर्स गतिविधियों का प्रावधान है। दल पंजीकरण, प्रवेश एवं निपुण कोर्स रोवर्स / रेंजर्स इकाई द्वारा कराये जा रहे हैं।

विश्वविद्यालय द्वारा प्रत्येक जनपद में जनपदीय समागम, अन्तरजनपदीय समागम एवं प्रादेशिक समागम (रैली) आयोजित की जाती है। जनपदीय समागम की विजेता और उपविजेता टीमें अन्तर जनपदीय (विश्वविद्यालयीय समागम) में प्रतिभाग करती हैं। विश्वविद्यालय की विजेता रोवर्स / रेंजर्स की टीमें प्रादेशिक रैली में प्रतिभाग करती हैं। प्रादेशिक टीमों का पूरा खर्च विश्वविद्यालय निर्वहन करता है।

– **गत वर्षों में विश्वविद्यालय में निम्नांकित गतिविधियाँ संचालित हुई–**

1) बेसिक रोवर्स / रेंजर्स लीडर्स प्रगतिशील प्रशिक्षण।
2) एडवांस रोवर्स / रेंजर्स लीडर्स प्रगतिशील प्रशिक्षण।
3) एक छात्र – एक वृक्ष अभियान के तहत प्रत्येक जनपद में वृक्षारोपण कार्यक्रम
4) रोवर्स / रेंजर्स परिसर से लेकर सी.वी. रमन छात्रवास तक सड़क के दोनों किनारे पर वृक्षारोपण।
5) वृक्षों की सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड लगाया गया।
6) रोवर्स / रेंजर्स लीडर्स कार्यशाला।
7) रोवर्स / रेंजर्स / हाईक (टूर)
8) भू–जल संरक्षण एवं पर्यावरण सप्ताह 18 जुलाई से 24 जुलाई।
9) जनपदीय, अन्तरजनपदीय एवं प्रादेशिक रैली का आयोजन।
10) कोविड काल में रोवर्स / रेंजर्स इकाई द्वारा गोद लिये गये गांव में मास्क, सेनेटाईजर एवं दवाओं का वितरण किया गया।
11) नई शिक्षा नीति पर आधारित राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया।
12) कोविड काल मे रोवर्स / रेंजर्स इकाई द्वारा कुल 4 वेबिनार का आयोजन किया गया।

माननीय कुलपति जी की देख–रेख में 18 से 24 दिसम्बर 2020 के बीच विश्वविद्यालय परिसर में एडवांस रोवर्स / रेंजर्स लीडर्स प्रगतिशील प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इसमें आजमगढ़, मऊ, गाजीपुर और जौनपुर के विभिन्न महाविद्यालय से लगभग 40 प्राध्यापक एडवांस कोर्स में प्रशिक्षित हुए।

22 सितम्बर 2021 को रोवर्स / रेंजर्स इकाई द्वारा वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें विश्वविद्यालय परिसर में लगभग 500 पेड़ लगाये गये। जनपद आजमगढ़, मऊ, गाजीपुर एवं जौनपुर में जनपद संयोजकों द्वारा लगभग 2000 पेड़ विभिन्न महाविद्यालयों में लगाये गये। उपरोक्त समस्त गतिविधियाँ माननीय कुलपति जी निर्देशन में विश्वविद्यालय संयोजक डॉ0 जगदेव, जनपद संयोजक डॉ0 शफीउज्जमा, डॉ0 मनोज कुमार मिश्र, डॉ0 अमरजीत एवं डॉ0 अजय कुमार दूबे के कठिन परिश्रम का परिणाम है।

सात शिक्षकों को स्टार्ट-अप रिसर्च ग्रांट

स्टार्ट–अप ग्रान्ट में प्रदेश में पहला स्थान

वीर बहादुर पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने शोध के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि हासिल की है। विश्वविद्यालय परिसर के सात शिक्षकों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के द्वारा सत्तर लाख रुपये की स्टार्टअप रिसर्च ग्रांट स्वीकृत की गई। विश्वविद्यालय परिसर स्थित रज्जू भैया संस्थान के छह शिक्षकों व इंजीनियरिंग संस्थान के एक शिक्षक को यह शोध अनुदान मिला है।

रज्जू भैया संस्थान के रसायन विज्ञान विभाग के शिक्षक डॉ0 नितेश जायसवाल को वातावरण से कार्बनडाई आक्साइड को कम करने के लिए नए पदार्थों की रूपरेखा तैयार करने व संश्लेषण पर शोध के लिए अनुदान दिया गया है। इसी विभाग के डॉ. मिथिलेश यादव को खाद्य पदार्थों के पैकेजिंग व संरक्षण में मददगार बायोपॉलीमर नानोकम्पोजिट आधारित थीन फिल्म के संश्लेषण पर शोध करने के लिए अनुदान दिया
गया है। भू व ग्रहीय विज्ञान विभाग के डॉ0 श्रवण कुमार को मध्य–पूर्व गंगा के मैदानी भाग पर एरोसोल और पार्टिकुलेट मैटर की
विविधताएं एवम कोविड लॉकडाउन, वायु प्रदूषण, मौसम और जलवायु के बीच परस्पर प्रभाव पर परियोजना पर काम करने हेतु
अनुदान मिला है। भौतिकी विभाग के डॉ0 आलोक कुमार वर्मा को थर्मोइलेक्ट्रिक मटेरियल पर अध्ययन के लिए ग्रांट मिला है इसकी
मदद से विभिन्न मानवीय गतिविधियों जैसे उद्योग, घरेलू उपकरणों से प्राप्त अनुपयोगी ऊष्मा को बिजली में कुशलतापूर्वक परिवर्तित
करने में मदद मिलेगी। भौतिकी विभाग, इंजीनियरिंग संस्थान के डॉ. मनीष प्रताप सिंह को डाइमेंशनल मैटेरियल्स के संरचनात्मक
व्यवहार में बदलाव लाने में आयनिक लिक्विड एवम् इलेक्ट्रिक फील्ड के प्रभाव एवं अनुप्रयोगों पर शोध के लिये अनुदान स्वीकृत हुआ
है। नैनो विज्ञान व प्रौद्योगिकी केंद्र के डॉ. सुजीत कुमार चौरसिया को पॉलीमर बेस्ड सोडियम–आयन रिचार्जेबल बैटरी पर शोध कार्य
के लिए ग्रांट मिला है।

डॉ० धीरेन्द्र कुमार चौधरी को वेस्ट हीट एनर्जी से इलेक्ट्रिकल एनर्जी मे परिवर्तन
वैकल्पिक ऊर्जा शोध केंद्र के वैज्ञानिक डॉ० धीरेन्द्र कुमार चौधरी को वेस्ट हीट एनर्जी से इलेक्ट्रिकल एनर्जी मे परिवर्तन
हेतु उनके प्रोजेक्ट टेलरींग ऑफ थर्मल कान्डक्टिविटी ऑफ आल इनॉर्गेनिक पेरोसकाइट मटेरियल्स फॉर थरमोइलेक्ट्रिक डिवाइसेस
हेतु अनुदान प्राप्त हुआ है । ज्ञात हो विश्वविद्यालय स्तर पर शोध को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारत
सरकार के द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय व महाविद्यालय के शिक्षकों को शोध अनुदान दिया जाता है। यूजीसी द्वारा जारी सूची
के अनुसार पूरे देश भर में 145 लोगों को स्टार्टअप शोध अनुदान स्वीकृत की गई है जिसमें वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय
परिसर के सात शिक्षकों को शोध अनुदान मिला है जोकि पूरे देश मे तीसरे स्थान पर है तथा पूरे देश मे किसी राज्य विश्वविद्यालय को
मिलने वाले अनुदान की सूची में पहले स्थान पर है। इस शोध अनुदान के तहत प्रत्येक शिक्षक को 10–10 लाख रुपये का अनुदान
मिलेंगे जिसे वो अपनी शोध परियोजना पर व्यय कर सकेंगे।

जैव प्रौद्योगिकी विभाग की प्रो. वंदना राय को मिला शिक्षक श्री

प्रो. वंदना राय जैव प्रौद्योगिकी विभाग, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में वर्ष 2000 से कार्यरत है, उन्होंनें बी.एस.सी. लखनऊ विश्वविद्यालय एवं एम.एस.सी. एवं पीएच.डी. की उपाधि इलाहाबाद विश्वविद्यायलय से प्राप्त की हैं। प्रो. वंदना राय पिछले दो दशक से भी अधिक समय से बायोटेक्नोलॉजी में मानव आण्विक आनुवंशिकी में मुख्य रूप से महिलाओं व ग्रामीण क्षेत्र की जनता के स्वास्थ्य संबंधी विषयों व विशेषकर फोलिक एसिड से संबंधित जींस पर कार्य कर रही है। स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी यू.
एस.ए. व एलसेवियर बी वी द्वारा जारी विश्व के शीर्ष 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों की
सूची में प्रो. वंदना राय का नाम शामिल किया गया है। प्रो. वंदना राय को
शिक्षण, शोध व विस्तार गतिविधियों में योगदान देने के लिए कई पुरस्कारों से
सम्मानित किया जा चुका है। उत्तर प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिये
''शिक्षकश्री'' पुरस्कार 2020 के लिये चयन किया गया है। प्रो० वंदना राय द्वारा ग्रामीण जनता को विशेष कर महिलाओं को बेहतर
स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिये 2019 में इंदौर में आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रिसेंट एडवांसेज इन
लाइफ साइंसेज फॉर बेटरमेन्ट ऑफ एनवायरनमेंट एंड ह्यूमन हेल्थ 2019 मे बेस्ट साइंटिस्ट के अवार्ड दिया गया। प्रो०
राय को विभिन्न संस्थाओं ने अपनी फेलोशिप भी प्रदान की है। उन्होंने देश व विदेश मे आयोजित विभिन्न राष्ट्रीय एवं
अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया है एवं 80 से अधिक शोध पत्रों को प्रस्तुत कर चुकी हैं। प्रोफेसर राय के विभिन्न
अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों में 100 से अधिक शोध पत्र व चार पुस्तकें व कई पुस्तक अध्याय भी प्रकाशित हो चुके हैं।

विश्व के शीर्ष वैज्ञानिकों की सूची में विश्वविद्यालय के तीन शिक्षक शामिल

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के तीन शिक्षकों ने विश्व के शीर्ष वैज्ञानिकों की सूची में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। इन तीनों शिक्षकों को 18 नवम्बर को कुलपति सभागार में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने सम्मानित किया।

कुलपति ने कहा कि हमारे यहां के शिक्षक ऊर्जावान है, बस इन्हें प्रोत्साहन की जरूरत है। इन वैज्ञानिकों की अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि से वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय का सम्मान बढ़ा है। उन्होंने कहा कि यह जो पुष्पगुच्छ आपको मिला है यह भी संदेश देता है कि इसकी खुशबू अन्य शिक्षकों तक भी पहुंचे। कुलपति प्रो. मौर्य ने तीनों वैज्ञानिकों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया।

स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी, यूएसए और एलसेवियर बी वी द्वारा जारी विश्व के शीर्ष दो प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के तीन शिक्षकों जिसमें विज्ञान संकाय की पूर्व संकायाध्यक्ष और शिक्षक श्री पुरस्कार से सम्मानित प्रो. वंदना राय, बायोटेक्नोलॉजी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. प्रदीप कुमार और रसायन विज्ञान विभाग, रज्जू भैया संस्थान के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मिथिलेश यादव ने जगह बनाई है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि हमारे शिक्षक ऊर्जावान है इसका प्रयोग वह सकारात्मक रूप से कर रहे हैं जिसका परिणाम है कि हमारे शिक्षकों को विश्वस्तरीय सम्मान मिला। परीक्षा नियंत्रक वी. एन. सिंह ने कहा कि वैज्ञानिकों के सम्मान से हम सबका और विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ा है।समारोह का संचालन प्रो. मानस पांडेय ने और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. आलोक वर्मा ने किया।

विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय

वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय में सन् 1999 में केन्द्रीय पुस्तकालय की स्थापना की गयी। सन् 2004 में सुसज्जित पुस्तकालय का निर्माण किया गया था जिसका नाम विवेकानन्द केन्दीय पुस्तकालय रखा गया और इसका उद्घाटन माननीय भारत के उपराष्ट्रपति भैरव सिंह शेखावत ने सन् 2004 में किया था। सन् 2016 में पुस्तकालय को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सेन्टर ऑफ एक्सिलेन्स से नवाजा जा चुका है। वर्तमान समय मे पुस्तकालय में 187693 पुस्तकें, 212 से अधिक भारतीय एवं विदेशी जर्नल व मैगजीन है, 557 बैक वैलूम है 8296 पीएच.डी. थिसिस, 884 सीडी, 5 दैनिक समाचारपत्र, 216 गर्वनमेन्ट पब्लिकेशन, प्रेस क्लीपिंग 2008 से उपलब्ध है एवं सन्दर्भ पुस्तकों से सुसज्जित है। पुस्तकालय में ई0टी0डी0 लैब स्थापित है और शोध गंगा पर 8292 थिसिस अपलोड किया जा चुका है। जोकि प्रदेश में द्वितीय व देश में सातवें स्थान पर है। पुस्तकालय में अलग से ई–पुस्तकालय स्थापित है जिसमें 20 कम्प्यूटर के साथ जी0बी0पी0एस0 के बी0एस0एन0एल0 लीज लाइन की सुविधा उपलब्ध है यहां पर 28000 से अधिक ई–बुक, 3800 ई–जर्नल, ई–थिसिस, ई–डाटाबेस, ई–केसस्टडीज एवं ई–आरकाईब्स के लिये स्प्रिंगर, मैग्राहील, एल्सवीयर, टेलर एण्ड फ्रान्सीस, पीयर्सन, आईओपी, वर्ल्ड टैक्नालाजी, वाईले, सेज, इनसाइक्लोपिडिया ब्रिटानिका,रायल सोसाइटी कमेस्ट्री,वर्ल्ड ई–बुक्स लाईब्रेरी, कैम्ब्रिज, नेचर पब्लिकेशन, आईईईई, एमराल्ड, एब्सको पब्लिशर का ई–रिर्सोस उपलब्ध है। पुस्तकालय में बुक बैंक की सुविधा 2015 से समस्त छात्र व छात्राओ के लिये प्रदान की जाती है जिसमें 41177 पुस्तकें उपलब्ध है जिसमें सभी छात्रों को एक सेट बुक पूरे सेमेस्टर के लिए दिया जाता है। पुस्तकालय में छात्र छात्राओं के लिए वाई फाई की सुविधा उपलब्ध करायी गयी है।

विश्वविद्यालय में मिशन शक्ति

मिशन शक्ति
नारी एक रूप अनेक

मिशन शक्ति अभियान की शुरूआत माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ जी ने की है। इसमें प्रदेश के विभिन्न विभागों के साथ- साथ राज्य विश्वविद्यालयों भी अपना योगदान दे रहे है।

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शासन के पत्रांक संख्या-5195(1)-सत्तर-3-2020 के अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा सम्मान व स्वावलंबन हेतु विशेष जागरुकता अभियान गतिशील है। माननीय कुलपति प्रो0 निर्मला एस. मौर्य जी के निर्देशन एवं मिशन शक्ति समन्वयक डॉ0 जाह्नवी श्रीवास्तव के नेतृत्व में महिला शिक्षिकाओं, डॉ0 वनीता सिंह, डॉ0 पूजा सक्सेना, डॉ0 झांसी मिश्रा, डॉ0 प्रियंका, जया शुक्ला के सहयोग से लगातार ऑन-लाइन एवं ऑफ-लाइन दोनो ही मोड में चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा, कानून व स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ सरकारी योजनाओं के बारे में विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को बताया जा रहा है, उन्हें उन सभी योजनाओं के बारे में जागरुक किया जा रहा है, जो कि बालिकाओं एवं महिलाओं के लिए राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा चलाये जा रहे है। विश्वविद्यालय के द्वारा मिशन शक्ति के अंतर्गत संचालित किए गए विविध कार्यक्रमों से महिलाओं में बड़े स्तर पर जागरुकता आई है। मिशन शक्ति के फेज-1 एवं फेज-2 में वृहद् स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किये गए।

8 मार्च 2021 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर, गावों में समूह चलाने वाली महिलाओं के साथ-साथ आशा, एएनएम, आंगनबाड़ी, शिक्षा-जगत, खेल-जगत, महिला पुलिस समेत विभिन्न क्षेत्रों में जमीनी स्तर पर कार्य कर रही 1000 महिलाओं को कोविड-19 के नियमों का पालन करते हुए विश्वविद्यालय परिसर में आमंत्रित किया गया, जिसमें 34 महिलाओं को कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य के हाथों विशेष सम्मान से सम्मानित किया गया तथा अन्य सभी को प्रोत्साहन पत्र देकर सम्मानित किया गया।

मिशन शक्ति फेज 3 :

21 अगस्त 2021 को मिशन शक्ति फेज-3 के अंतर्गत अभिमुखीकरण विषय पर वेबीनार का आयोजन किया गया जिसमें विश्वविद्यालय से संबद्ध समस्त महाविद्यालयों की शिक्षकों एवं छात्रों को जोड़ा गया।

04 सितंबर 2021 को संवेदीकरण एवं उन्मुखीकरण विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में कुलपति प्रो. निर्मला एस0 मौर्य द्वारा बेसिक शिक्षा की महिला शिक्षकों का उन्मुखीकरण किया गया तथा विशिष्ट वक्ता के रूप में बेसिक शिक्षा अधिकारी गोरखनाथ पटेल रहे।

21 सितम्बर 2021 को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, जौनपुर के संयुक्त तत्वावधान में शक्ति संवाद विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया जिसमें बतौर मुख्य अतिथि कुलपति प्रो0 निर्मला एस0 मौर्य ने महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति संवेदीकरण एवं उन्मुखीकरण किया।

27 सितम्बर 2021 को विश्वविद्यालय द्वारा गुलाबी देवी महाविद्यालय में सशक्त नारी एवं भविष्य का भारत विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें प्रो. अजय प्रताप सिंह, डॉ0 धीरेंद्र चौधरी एवं डॉ0 जाह्नवी श्रीवास्तव बतौर वक्ता के रूप में छात्राओं को रोजगार परक शिक्षण एवं प्रशिक्षण के लिए जागरूक किया।

11 अक्टूबर 2021 को अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर जिला अस्पताल में नवजात पुत्रियों की माताओं को गुलाब का फूल देकर सम्मानित किया गया तथा राज्य सरकार तथा केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में भी बताया गया।

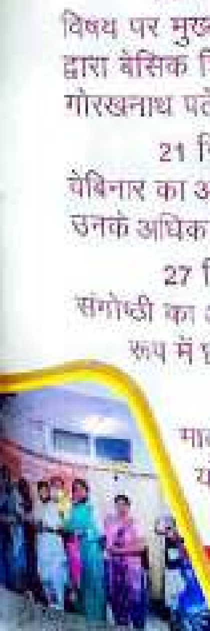

महिला अध्ययन केंद्र

महिला अध्ययन केन्द्र, कुलाधिपति एवं माननीय राज्यपाल उ0प्र0 श्रीमती आनंदीबेन पटेल का ड्रीम प्रोजेक्ट है जिसके तहत वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में 25 मार्च 2021 को कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने महिला अध्ययन केंद्र की स्थापना कर विश्वविद्यालय को नया आयाम प्रदान किया। इसकी प्रभारी डॉ0 जाह्नवी श्रीवास्तव है। महिला शिक्षिकाओं की एक सशक्त टीम जिसमें प्रो0 वंदना राय(समन्वयक), डॉ0 अन्नू त्यागी के साथ अन्य महिला शिक्षकों को भी महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में उत्तरदायित्व दिया गया है। महिला अध्ययन केंद्र के अंतर्गत पी0 जी0 कोर्स, 1 वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन जेंडर एंड विमेन स्टडीज (2 सेमेस्टर), तथा 2 वर्षीय (4 सेमेस्टर) पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री कोर्स इन विमेन स्टडीज नए सत्र से प्रारंभ हो गया है। इस कोर्स के अंतर्गत महिलाओं के मुद्दों से जुड़े विशेष पाठ्यक्रम शामिल हैं जैसे- महिला और समाज, महिला अध्ययन की अवधारणा, महिला आंदोलन, महिला और साहित्य, इतिहास में महिलाएं, लिंग और पर्यावरण, भारत में महिला अधिकार, भारत में महिलाओं के लिए नीतियां एवं कार्यक्रम आदि पाठ्यक्रमों को शामिल किया गया है। साथ ही साथ पाठ्यक्रम में फील्ड सर्वे, प्रश्नावली सर्वे, प्रोजेक्ट एवं लघु अनुसंधान भी शामिल है। इसके अतिरिक्त महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए रोजगारपरक प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है, जैसे कंप्यूटर प्रशिक्षण, ब्यूटी पार्लर, जैम, सॉस बनाना एवं पैकेजिंग, ज्वेलरी बनाना, हस्त निर्मित चूड़ियां ,इत्र ,अगरबत्ती, पापड़, अचार आदि बनाना तथा पैकेजिंग आदि का भी सर्टिफिकेट कोर्स कराया जाना है। इसका प्रमुख उद्देश्य-विद्यार्थियों के सपनों को आगे बढ़ाना। आत्मविश्वास एवं साहस प्रदान करना है। बहुत सारे संगठनों में ऐसे कर्मचारियों की आवश्यकता होती है जो कार्यस्थल पर लिंग संबंधी मुद्दों को समझते हैं जिसमें यौन उत्पीड़न, मातृत्व अवकाश, समान वेतन समान कार्य, रोजगार के अवसर, कानून, स्वास्थ्य सामाजिक कार्य, परामर्श के साथ-साथ सरकारी नौकरी में भी लैंगिक मुद्दों पर विशेषज्ञता रखने वाले हैं। महिला अध्ययन केंद्र के अंतर्गत चलने वाले कोर्स की डिग्री या डिप्लोमा धारी विद्यार्थियों की मांग लगातार बढ़ रही है, ऐसे में विद्यार्थियों को परास्नातक कोर्स कराकर समाज एवं राष्ट्र को उच्च व्यक्तित्व उपलब्ध कराना विश्वविद्यालय का उत्तरदायित्व बन गया है।

महिला अध्ययन केन्द्र द्वारा आयोजित कराये गये मुख्य कार्यक्रम निम्नलिखित है-

20 जून 2021 महिला अध्ययन केंद्र के द्वारा मलिन बस्ती में जाकर झुग्गी-झोपड़ी, घर की सफाई की प्रतिस्पर्धा विषय पर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

21 जून 2021 को महिला अध्ययन केंद्र द्वारा कार्यक्रम संयोजक डॉ0 जाह्नवी श्रीवास्तव ने "पर्यावरण का विकास" विषय पर बक्सा ब्लॉक में संगोष्ठी का आयोजन समूह की महिलाओं के साथ किया गया।

24 जून 2021 को कुपोषण से होने वाले रोग एवं लक्षण विषय पर कन्हईपुर के मलिन बस्ती में महिला चौपाल लगाया गया।

25 जून 2021 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय में महिला अध्ययन केंद्र के अंतर्गत मा. कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य के संरक्षण में बड़ी मात्रा में पौधारोपण किया गया तथा पिछले वर्ष लगाए गए पौधों का जन्मदिन भी मनाने की पहल की गई।

28 जून 2021 को महिला शिक्षा एवं आत्मनिर्भर भारत विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

9 जुलाई 2021 को स्वस्थ शिशु प्रतियोगिता का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में किया गया जिसमें जिले के करीब 100 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

12 जुलाई 2021 को पोषक आहार प्रतियोगिता का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में किया गया जिसमें सभी विभागों से तथा ग्रामीण क्षेत्रों से भी छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

13 जुलाई 2021 को केंद्र एवं राष्ट्रीय सेवा योजना की संयुक्त तत्वावधान में वृहद मात्रा में माननीय कुलपति एवं कार्य परिषद के सम्मानित सदस्यों द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण किया गया।

15 जुलाई 2021 को रक्षाबंधन के पवित्र पर्व हेतु ब्लॉक स्तर पर लगातार राखी, अनरसा, एवं अगरबत्ती बनाने का प्रशिक्षण दिया गया।

16 जुलाई 2021 को सावन महोत्सव मेले का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन मा. कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य जी की अध्यक्षता में मा. राज्यसभा सांसद श्रीमती सीमा द्विवेदी जी के द्वारा किया गया जिसमें हस्त निर्मित उत्पादों जैसे राखी, अगरबत्ती, अनरसा, चूड़ी आदि सामग्री की दुकानें समूह की महिलाओं द्वारा लगाया गया।

3 अगस्त 2021 को केंद्र तथा कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय परिसर में अभिप्रेरण कार्यक्रम एवं पी0एम0जी0 ग्रुप के साथ एम0ओ0यू0 का आयोजन किया गया।

18 अगस्त 2021 को विश्वविद्यालय परिसर में महिला अध्ययन केंद्र ,कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र तथा फ्रेगरेंस फ्लेवर डेवलपमेंट सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में आओ कौशल बढ़ाएं, उद्यमी बनाएं विषय पर अभिप्रेरणा कार्यक्रम का आयोजन किया।

26 अगस्त 2021 को अमर उजाला एवं महिला अध्ययन केंद्र की संयुक्त तत्वावधान में शोषण के खिलाफ हर स्तर पर आवाज उठाएं बेटियां विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार की मुख्य वक्ता कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य रहीं।

15 सितंबर 2021 को बालिका हेल्थ क्लब की स्थापना विश्वविद्यालय परिसर में की गई ,जिसका उद्घाटन माननीय कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य महिला छात्रावासों में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, मुख्य जिला चिकित्सालय के सहयोग से लगाया गया।

26 अगस्त 2021 को अमर उजाला एवं महिला अध्ययन केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में शोषण के खिलाफ 'हर स्तर पर आवाज उठाएं बेटियां' विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया मुख्य वक्ता माननीय कुलपति प्रो0 निर्मला एस0 मौर्य रहीं।

23 अक्टूबर 2021 को महिला अध्ययन केंद्र द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में ग्रामीण क्षेत्र की 35 गर्भवती महिलाओं का गर्भ संस्कार पूरे विधि विधान से किया गया।

30 नवम्बर 2021 को एक दिवसीय कार्यशाला जिसका विषय ''गुड टच एवं बैड टच'' तथा ''चुप्पी तोड़ो, मुह खोलो'' रखा गया, जिसमें ऑगनबाड़ी केन्द्र के बच्चों एवं प्राइमरी एवं माध्यमिक की छात्राओं को विश्वविद्यालय में आमंत्रित कर उन्हें उपर्युक्त दोनों विषयों के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर कुकुड़ीपुर गॉव एवं जासोपुर गॉव के ऑगनबाड़ी केन्द्रों के बच्चों को खेल–कूद एवं शिक्षण सामग्री कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने वितरित किया।

1 नवंबर 2021 को ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए हस्त निर्मित वस्तुओं देशी गाय के गोबर से बने धूप दीप तथा छात्र–छात्राओं द्वारा कलर किए गए दीपों के विक्रय हेतु स्वरोजगार मेला का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में किया गया।

23 नवंबर 2021 को महिला अध्ययन केंद्र द्वारा छात्र–छात्राओं को कारागार भ्रमण, बैंक, विकास भवन एवं जिला अधिकारी कार्यालय तथा डाकघर का भ्रमण कराया गया।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में कवि सम्मेलन का हुआ आयोजन

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह के अंतर्गत 03 अक्टूबर की शाम महंत अवेद्यनाथ संगोष्ठी भवन में विराट कवि सम्मलेन का आयोजन किया गया । कवि सम्मेलन में देश के प्रख्यात कवियों ने श्रोताओं को अपनी रचनाओं से मंत्रमुग्ध कर दिया।

यह आयोजन विश्वविद्यालय के भारतीय भाषा, संस्कृति एवं कला प्रकोष्ठ, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, जनसंचार विभाग एवं सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के तत्वावधान में किया गया । कवि सम्मेलन का प्रायोजक पंजाब नेशनल बैंक रहा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आवास एवं शहरी नियोजन राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि लंबे संघर्ष के बाद पूर्वांचल विश्वविद्यालय की स्थापना हुई है। यहाँ से निकले लोग पूरे देश में जनपद तथा प्रदेश का मान बढ़ा रहे है। विशिष्ट अतिथि राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी ने कहा कि ''जहां न पहुंचे रवि–वहां पहुंचे कवि''। उन्होंने इस अवसर पर माँ शीतला चौकिया पर केन्द्रित देवी गीत प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो निर्मला एस. मौर्य ने अतिथियों का स्वागत किया। मीरा की पीड़ा, मीरा ने ही जानी। जली थी सतत वह काव्य रचना सुना कर सबको भावविभोर कर दिया। कवि सम्मेलन में अलीगढ़ से आये प्रख्यात कवि डॉ विष्णु सक्सेना ने प्यास बुझ जाए तो शबनम खरीद सकता हूं,जख्म मिल जाएं तो मरहम खरीद सकता हूं,ये मानता हूं मैं दौलत नहीं कमा पाया,मगर तुम्हारा हर एक गम खरीद सकता हूं, समेत तमाम रचनाएं प्रस्तुत की।

इंदौर से आई डॉ भुवन मोहिनी ने जय हो शक्ति भगवती अग्निवती मधुमति..सरस्वती वंदना के बाद यहां हर पिता के भाग्य में बेटी नहीं होती कविता सुना कर बेटियों का मान बढ़ाया एवं पास तुम क्या हुए फेल मैं हो गई,एक तेरे वास्ते खेल मैं हो गयी,इश्क सिक्के की तरह खरा था मगर,हेड तुम हो गए टेल मैं हो गयी सुना कर श्रोताओं को आनंदित कर दिया । प्रयागराज के अखिलेश द्विवेदी ने अपनी हास्य कविताओं से लोगों को खूब ठहाके लगवाएं। वाराणसी के वरिष्ठ कवि हरिराम द्विवेदी ने गीत, छंद और मुक्तक की अद्वितीय प्रस्तुति की एवं उन्होंने अपनी चर्चित रचना गंगा को श्रोताओं की मांग पर प्रस्तुत किया। भरतपुर से भगवानदास मकरंद ने ठोको ताली, वाह–वाह करते करते एक दिन क्या पता था ऐसी उठापटक मचाएंगे समेत कई रचनाएं प्रस्तुत की। वाराणसी के अभिनव अरुण ने हिंदी और उर्दू से मोहब्बत जुबां हिंदुस्तानी बोलता हूँ से श्रोताओं में जोश भर दिया। अयोध्या के डॉ. श्रवण कुमार ने कुछ बातें जो बिना कहे ही महसूस की जाती है। कुछ यादें जो सीधे लोगों के दिल में उतर जाती हैं । कुछ रिश्ते जो भीनी खुशबू के झोंकों से होते हैं जिन्हें जिंदगी नाम कोई दे नहीं पाती सुनाकर लोगों को काव्य धारा में डुबो दिया। जौनपुर के सभाजीत द्विवेदी ने अपनी रचना जब भी हम करे एकता की बात करें को सुनाया। जयपुर के प्रख्यात कवि अशोक चारण ने कवि सम्मेलन का संचालन किया तथा श्रोताओं के समक्ष अपनी उत्कृष्ट रचनाओं की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के संयोजक जनसंचार विभाग के अध्यक्ष डॉ मनोज मिश्र ने सभी कविगण का स्वागत किया एवं उप समन्वयक डॉ. रसिकेश द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना

वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर

वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना विभाग ने वर्तमान सत्र 2021–22 में कई प्रतिमान स्थापित किये हैं। विश्वविद्यालय का राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ देश में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। स्वंयसेवकों हेतु राष्ट्रीय सेवा योजना का चिंतन महात्मा गांधी व स्वामी विवेकानन्द के विचारों से अनुप्राणित है। उक्त महापुरुषों के मतानुसार छात्र जीवन न केवल बौद्धिक विकास का समय है बल्कि भावी जीवन के निर्माण का भी समय है। शिक्षा के तृतीय आयाम के रूप में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय सेवा योजना शिक्षण एवं समुदाय को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण कड़ी है। इससे विद्यार्थियों को सामाजिक समस्याओं से रुबरू कराया जाता है। माननीय कुलपति प्रो0 निर्मला एस. मौर्य के संरक्षकत्व में कार्यक्रम समन्वयक डॉ0 राकेश कुमार यादव के नेतृत्व में विश्वविद्यालय से सम्बद्ध चारों जनपदों के 359 महाविद्यालयों की 599 इकाईयों द्वारा वर्ष भर विभिन्न गतिविधियॉ संचालित की जा रही है। स्थानीय, प्रादेशिक एवं देश तथा विदेश में भी विश्वविद्यालय को **'बापू बाजार'** से विशिष्ट पहचान मिली है। अभी तक विभिन्न जनपदों में कुल 60 बापू बाजार आयोजित किये जा चुके हैं, जिसके माध्यम से गरीबों को ससम्मान सहायता के रुप में आवश्यक वस्त्र, कम्बल, खिलौने, जूते चप्पल, खाद्य सामाग्री आदि प्रदान किये गये। बापू बाजार से अर्जित धनराशि से **बापू स्वाभिमान कोष में अब तक रु0 2,55,289.00 जमा** है। राष्ट्रीय सेवा योजना की अन्य प्रमुख उपलब्धियां निम्नवत हैः–

1. पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर (15 नवम्बर से 24 नवम्बर 2021) 2021 बी0आई0 टी0 कैम्पस पटना, बिहार हेतु 06 स्वयंसेवकों का चयन हुआ।
2. जुलाई के प्रथम सप्ताह में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत एक छात्र एक पेड़ योजना को सफल बनाने हेतु 69732 पौधे रोपित किये गये।
3. 24 सितम्बर 2021 को विश्वविद्यालय परिसर स्थिति रज्जू भइया संस्थान के आर्यभट्ट सभागार में राष्ट्रीय सेवा योजना में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु सत्र–2018–19 एवं 2019–20 के लिए 60 संस्थाओं, कार्यक्रम अधिकारियों स्वयंसेवको को विवेकानन्द पुरस्कार से माननीय कुलपति प्रो0 निर्मला एस. मौर्य ने सम्मानित किया।
4. 23 एवं 26 अक्टूबर 2021 को आंगनवाड़ी केन्द्र जंगीपुरकला एवं बल्लीपुरा, देवकली में बच्चों को कापी, कलम, किताब एवं खेलकूद सामग्री राष्ट्रीय सेवा योजना के सहयोग से वितरित की गयी।
5. माननीय कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल उ0प्र0 श्रीमती आनंदीबेन पटेल के निर्देश पर विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गये 50 गांवो में कोविड–19 महामारी से बचाव कार्यक्रम के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना इकाईयों द्वारा जागरुकता कार्यक्रम, मास्क, साबुन, सेनेटाईजर एवं गरीबों के सहायतार्थ खाद्य समाग्री का वितरण किया गया।
6. कोविड–19 महामारी से बचाव हेतु राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाईयों द्वारा 100 गांवो को मास्क से संतृप्त करके प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया। जिसकी घोषणा राष्ट्रीय सेवा योजना स्वर्ण जयन्ती महोत्सव के अवसर पर माननीया उच्च शिक्षा राज्यमंत्री, श्रीमती नीलिमा कटियार जी ने किया।
7. 12 मई 2021 को विश्वविद्यालय परिसर स्थित स्वास्थ्य केन्द्र में कोविड हेल्प डेस्क की स्थापना की गई जहां मरीजो को निःशुल्क मेडिकल किट, आक्सीजन, मास्क, सेनिटाईजर, पल्स आक्सीमीटर, थर्मोमीटर, पी0पी0ई0 किट एवं 10 बेड की व्यवस्था की गई। इस केन्द्र का उद्घाटन मा0 कुलपति प्रो0 निर्मला एस0 मौर्य ने किया।

8. विश्वविद्यालय परिसर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाईयों द्वारा 31 अक्टूबर, 2021 को राष्ट्रीय एकता दिवस पर रक्त दान शिविर आयोजन किया गया, जिसमें 83 यूनिट रक्त दान स्वयंसेवकों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों द्वारा किया गया।
9. भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय क्षेत्रीय निदेशालय लखनऊ द्वारा विश्वविद्यालय के 10 स्वयंसेवकों (5 छात्र + 5 छात्रा) का चयन 07 दिवसीय राष्ट्रीय एकीकरण शिविर (16–22 दिसम्बर 2021) जगन्नाथ किशोर कालेज पुरुलिया, पश्चिम बंगाल के लिए हुआ।

भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार के दिशा–निर्देशों के अनुपालन में समय–समय पर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाईयों द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के बैनर तले सामान्य एवं विशेष शिविर के अन्तर्गत टी0बी0, कुपोषण, प्लास्टिक से मुक्ति, कन्या भ्रूण हत्या, लैंगिक भेदभाव, बाल विवाह, साक्षरता, सोशल मीडिया के सामाजिक उपयोग, कौशल विकास के लिये युवा, पर्यावरण संरक्षण, यातायात नियंत्रण सप्ताह, एड्स जागरुकता, मतदाता जागरुकता अभियान, मिशन इन्द्रधनुश, पल्स पोलियो एवं कोविड–19 टीकाकरण आदि समाज उपयोगी विशयों पर कार्य किये जा रहे हैं।

पचास गाँव गोदः एक अभिनव पहल

माननीय कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्रीमती आनन्दीबेन पटेल ने राष्ट्रीय खेल दिवस 29 अगस्त 2019 को राजभवन लखनऊ में आयोजित खिलाड़ी सम्मान समारोह में प्रदेश के विश्वविद्यालयों द्वारा गाँव को गोद लेकर टी0 बी0, कुपोषण, पालीथीन मुक्त करने एवं गरीब बच्चों को गोद लेकर उनका सर्वांगीण विकास करने एवं स्कूल छोड़ने वाले छात्रों को प्रेरित करके पुनः विद्यालय में प्रवेश दिलाने का आह्वान किया था। उक्त के क्रम में 03 सितम्बर 2019 को कुलपति समागार मे माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में संबद्ध समस्त जनपदों एवं विश्वविद्यालय परिसर के प्राचार्यों, प्राध्यापकों, प्रबंधकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों की एक बैठक आयोजित की गयी। इस बैठक में विश्वविद्यालय परिसर सहित 46 महाविद्यालयों ने कुल 50 गांव गोद लिया। साथ ही साथ 53 बच्चों को गोद लेकर उनके विकास करने का निर्णय लिया गया।

विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये इन पचास गांवो मे कोरोना संक्रमण के पूर्व 30 गांवो में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किये गये एवं विभिन्न जागरुकता कार्यक्रम चलाए गये। मा0 कुलपति प्रो0 निर्मला एस0 मौर्य ने इन गांवों के विकास में अत्यधिक रुचि दिखाई। मा0 कुलपति जी ने विभिन्न गांवों में गरीब बस्तियों तथा वृद्धाश्रम में आर्थिक मदद, खाद्य सामग्री का वितरण एवं कम्बल, साबुन, मास्क एवं सेनिटाइजर के वितरण कार्यक्रम में स्वंय प्रतिभाग किया तथा कार्यक्रम समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ0 राकेश कुमार यादव के नेतृत्व में लगातार सक्रियता के साथ उक्त सहायता कार्यक्रम चलाने का निर्देश दिया। कोरोना से भयभीत लोगों को जागरुक करने के लिये दो गज की दूरी, मास्क जरुरी तथा साबुन से हाथ धुलने एवं सेनेटाइजर के प्रयोग को बढ़ावा देने का कार्य इन गांवों में किया गया। अभी तक लगभग गोद लिये गये पचास गांवों में मास्क, साबुन, सेनिटाइजर, खाद्य सामग्री का वितरण एवं प्रवासी मजदूरों के लिए प्याऊ की व्यवस्था के साथ–साथ अभी तक कुल 100 गाँवों में उक्त सामग्री वितरित की जा चुकी है। आरोग्य सेतु एप, आईगाट दीक्षा एप एवं आयुष कवच एप के प्रयोग के लिये प्रेरित किया गया। जूम वेबिनार के माध्यम से कार्यक्रम अधिकारियों एवं स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित किया गया। कोरोना से भयभीत लोगों की मुस्कुराएगा इंडिया इनिशिएटिव कार्यक्रम के अन्तर्गत काउंसलिंग की गयी। साथ ही साथ इन गावों के विकास के लिए विभिन्न कार्य योजना पर कार्य भी हो रहा है।

गोद लिये गये गाँवों की सूची

क्रसं	महाविद्यालय का नाम	गोद लिये गये गांव का नाम
1.	उमानाथ सिंह इंजीनियरिंग संस्थान/फार्मेसी संस्थान वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर	देवकली * कुकड़ीपुर, * जासोपुर, * सुल्तानपुर, *
2.	राज बहादुर पी0जी0 कालेज, जौनपुर	छतौरा *
3.	राष्ट्रीय पी0जी0 कालेज, सुजानगंज, जौनपुर	सकापुर *
4.	सहकारी पी0जी0कालेज, मिहरावां, जौनपुर	ऊंडली * राजेपुर *
5.	मो0हसन पी0जी0 कालेज, जौनपुर	रीजा अजेन
6.	राजा श्री कृष्ण दत्त पी0जी0 कालेज, जौनपुर	मीरपुर *
7.	फरीदुलहक मेमोरियल डिग्री कालेज, सबरहद, शाहगंज, जौनपुर	गजाडिहा *
8.	गुलाबीदेवी महाविद्यालय, सिद्दीकपुर, जौनपुर	जफरपुर *
9.	रामसूरत महाविद्यालय, भौंडा, जौनपुर	भौंडा *
10.	ललिता महाविद्यालय, गठाना, मुबारकपुर, जौनपुर	मुबारकपुर *
11.	नुरुद्दीन खां गर्ल्स डिग्री कालेज, अफलेपुर जौनपुर	उत्तरपट्टी *
12.	मां गुजराती पी0 जी0 कालेज बुरावनपुर, बख्शा, जौनपुर	बुरावनपुर *
13.	गांधी स्मारक पी0 जी0 कालेज, समोधपुर, जौनपुर	उंचगांव **
14.	आचार्य बलदेव पी0 जी0 कालेज कोपा पतरही जौनपुर	कोपा *
15.	मड़ियाहूं पी0जी0कालेज मड़ियाहूं, जौनपुर	डेल्हूपुर
16.	सल्तनत बहादुर पी0 जी0 कालेज बदलापुर जौनपुर	सरोखनपुर
17.	लालसार कृषक महाविद्यालय, टकटेउवां, मऊ	टकटेक रामपुर *
18.	एस0एम0 महाविद्यालय, चौबातील, मऊ	मलिक बगैरी
19.	श्री कृष्ण महिला महाविद्यालय, सिपाह,इब्राहिमाबाद, मऊ	कन्धेनवां
20.	श्यामा तिवारी महाविद्यालय, तिवारीपुर, मऊ	तिनहरी *
21.	कुमार परमार्थ बाबा गोबिन्द महावि0 कल्याणपुर मऊ	कल्यानपुर
22.	ऋषि रामनरेश पी0 जी0 कालेज मोलनापुर मऊ	मोलनापुर
23.	शान्ति सिंह महाविद्यालय मौपारा मऊ	भौंपारा
24.	रहमानिया डिग्री कालेज रोपनपुर हिसामपुर मऊ	नेमडांड़
25.	स्व0 रा0सेनानी परमहंस मिश्र केशराजी देवी महिला महा0रनाव मऊ	विश्वनाथपुर
26.	रजनाथ महाविद्यालय शुक्लपट्टी कोठरवा मऊ	फूलपुर
27.	संत गणिनाथ राजकीय डिग्री कालेज मोहम्मदाबाद मऊ	हलीमाबाद *
28.	शहीद अलीबरमल महाविद्यालय, मधुबन, मऊ	मौती
29.	पूर्वान्चल पी0जी0 कालेज, रानीकीसराय, आजमगढ़	गहुआर *
30.	गया प्रसाद स्मारक राजकीय महिला महा0 अम्बारी, आजमगढ़	इब्राहिमपुर *
31.	मां श्रृंगारी स्मारक महिला महाविद्यालय, मरौली, आजमगढ़	भैरापुर
32.	ओम प्रकाश मिश्र स्वा0 महावि0,मोलनापुर,अहनथा, फुलेश,आजमगढ़	फुलेश *
33.	रामबचन यादव महाविद्यालय, खुरासों, फूलपुर, आजमगढ़	खुरासों *
34.	शिबली नेशनल कालेज, आजमगढ़	शेखपुर
35.	रामदेव इन्स्टीट्यूट आफ एजुकेशन, खिल्लूपुर, संजरपुर, आजमगढ़	खलीलाबाद *
36.	रामनरेश पी0 जी0 कालेज, चंगईपुर, आजमगढ़	रामपुर
37.	मां सुदामी देवी महिला महाविद्यालय, करियावर, सेमरी, आजमगढ़	करियावर *
38.	पी0 जी0 कालेज गाजीपुर	हेतमपुर *
39.	राजकीय महिला पी0जी0 कालेज, गाजीपुर	नियाजी *
40.	संतबुला सत्य0दास बीरबल पी0जी0कालेज,अमारीदुल्लहपुर, गाजीपुर	देवा
41.	समता महाविद्यालय, सादात, गाजीपुर	खुटहीमलिनबस्ती *
42.	आत्म प्रकाश आदर्श महाविद्यालय,अरसदपुर, जंगीपुर, गाजीपुर	अरसदपुर
43.	श्रीमहन्थ रामाश्रय दास पी0जी0कालेज, भुड़कुड़ा, गाजीपुर	भुड़कुड़ा
44	कृष्ण सुदामा महाविद्यालय, भरदापुर, दौलतनगर, गाजीपुर	इस्मुनपुर
45.	हिन्दू पी0जी0 कालेज जमानियां, गाजीपुर	मदनपुरा *
46.	प्रभुनारायण सिंह महाविद्यालय बघेलवंशीय आश्रम मढ़ई, गाजीपुर	मढ़ई

नोट-* संबंधित गांवों में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित हो चुका है। ** संबंधित गांव में दो स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किये जा चुके है।

डॉ0 राकेश कुमार यादव
कार्यक्रम समन्वयक

विश्वविद्यालय ने 200 आँगनबाड़ी केंन्द्रों को लिया गोद

माननीय कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल के मार्गदर्शन में संचालित कार्यक्रम आँगनबाड़ी केंद्रों को सुविधा संपन्न बनाने के लिए एक अनूठी पहल के अंतर्गत कुलपति प्रो0 निर्मला एस. मौर्य के संरक्षकत्व में 2 नवंबर 2021 को मेडिकल कॉलेज चक्रपानपुर, आजमगढ़ में आयोजित कार्यक्रम में कुल 125 आँगनबाड़ी केंद्र एवं जिला पंचायत भवन कलेक्ट्रेट मऊ में आयोजित कार्यक्रम में कुल 75 आँगनबाड़ी केंद्र सहित कुल 200 आँगनबाड़ी केंद्रो को गोद लेकर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर ने शैक्षिक उत्तरदायित्व के साथ–साथ विश्वविद्यालय के सामाजिक उत्तरदायित्व का सम्यक निर्वहन किया है।

विश्वविद्यालय के इस नेक कार्य के लिए माननीय कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल, उ. प्र. ने कुलपति प्रो.निर्मला एस. मौर्य को आजमगढ़ एवं मऊ जनपद में आयोजित कार्यक्रम में प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

इस कार्य के संपादन में कुलसचिव श्री महेंद्र कुमार, कार्यक्रम समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ. राकेश कुमार यादव एवं संयोजक रोवर्स/रेंजर्स डॉ. जगदंव, डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव महिला अध्ययन केन्द्र प्रभारी, डॉ. लक्ष्मी प्रसाद मौर्य, डॉ. के. एस. तोमर, श्री रमेश कुमार सिंह एवं श्री कमलेश राम सहित माननीय प्रबंधकगण श्री सूर्यभान यादव, श्री संदीप तिवारी, श्री हरिश्चन्द्र यादव, श्री राजबहादुर सिंह, श्री रमेश सिंह, श्री दिवाकर सिंह, श्री फौजदार सिंह, श्री राजीव कुमार सिंह, श्री प्रेम प्रकाश यादव, डॉ. दिनेश तिवारी, श्री ब्रजेन्द्र राय, श्री प्रमोद कुमार यादव आदि का विशेष योगदान रहा।

निःशुल्क कोविड–19 हेल्प डेस्क की स्थापना

कोरोना जैसी भयंकर महामारी के समय विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केंद्र पर 12 मई 2021 को कोविड–19 हेल्प डेस्क की स्थापना किया।

इस हेल्पडेस्क के द्वारा शिक्षकों, कर्मचारियों एवं क्षेत्र की गरीब जनता की सहायता के लिए निःशुल्क कोरोना मेडिकल किट, ऑक्सीजन सिलेंडर, मास्क, साबुन, सैनिटाइजर, पीपीई किट, पल्स ऑक्सीमीटर, थर्मल स्कैनर, सहित आपातकालीन 10 बेड की व्यवस्था की गई। हेल्पडेस्क ने 300 से अधिक लोगों को निःशुल्क कोरोना मेडिकल किट उपलब्ध कराया गया।

कोविड हेल्पडेस्क के सफल संचालन हेतु एक नौ सदस्यीय संचालन समिति का गठन किया गया है। इसके संयोजक राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. राकेश कुमार यादव हैं

विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ. पुनीत सिंह एवं वार्ड ब्वाय श्री हरदेव राम के साथ एनएसएस के स्वयंसेवक सुमित सिंह तथा सत्यम सुंदरम मौर्य निःशुल्क सेवा दे रहे है।

बापू बाजारः गरीबों की ससम्मान सहायता

वीर बहादुर सिंह पूर्वांन्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोश्ठ की प्रदेश ही नहीं बल्कि देश में अपनी एक अलग पहचान है। गरीबों को ससम्मान सहायता के रूप में विश्वविद्यालय मे बापू बाजार की शुरूआत पूर्व कुलपति प्रो0 सुन्दर लाल ने 30 जनवरी 2011 को बापू के बलिदान दिवस के दिन विश्वविद्यालय से सटे जनता जनार्दन इण्टर कालेज, जासोपुर चकिया, जौनपुर से की थी। यह यात्रा वर्तमान कुलपति प्रो० निर्मला एस० मौर्य के समय में भी अनवरत रूप से जारी है। अभी तक 60 बापू बाजार का आयोजन हो चुका है। बापू बाजार से अभीतक बापू स्वाभिमान कोष में रू0 2,55,289/– रूपये (दो लाख पचपन हजार दो सौ नवासी रूपये) जमा है। यह राशि बापू बाजार में 2रू0 से 10रू0 तक के मूल्य से प्राप्त राशि से एकत्रित हुई है जो गरीबों के सम्मान का स्मारक है।

इस बापू बाजार में इस्तेमाल शुदा ऐसी वस्तुएं इकठ्ठा की जाती है जो आगे भी प्रयोग की जा सके। जहां गरीबों के लिए कपड़े, जूते, चप्पल, खिलौनें, कॉपी–किताब, कम्बल इत्यादि घरेलू प्रयोग में आने वाली वस्तुएं प्रतीकात्मक मूल्य पर उपलब्ध करायीं जाती हैं।

बापू बाजार में राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़े स्वयंसेवकों द्वारा समाज से मांग कर बेचा जाता है। वस्तुओं को बापू बाजार में विक्रय करने के पीछे कुलपति प्रो0 सुन्दर लाल की सोच थी कि किसी व्यक्ति को दान के रूप में या निःशुल्क कोई सामान दे दिया जाय तो उसके सम्मान को ठेस पहुँचती है और वह अपने को दबा महसूस करता है। बापू बाजार से जब कोई व्यवित सामान खरीद कर ले जाता है तो वह सम्मान के साथ कह सकता है कि उसने यह बापू बाजार से खरीदा है। पूर्व के कुलपतियों द्वारा शुरू किये गये इस नेक कार्य को वर्तमान कुलपति प्रो० निर्मला एस० मौर्य अपने कार्यकाल में आगे बढ़ा रहीं है। शुरूआत के नौ वर्षों में जहां 48 बापू बाजार लगे थे वहीं वर्तमान कुलपति के कार्यकाल में लगभग 12 बापू बाजार का आयोजन हो चुका है। बापू स्वाभिमान कोश में अभी तक 60 बाजारों की धनराशि जमा की जा चुकी शेष अभी जमा होनी है। इस बापू बाजार को प्रतिष्ठित पत्रिका इण्डिया टूडे ने 17 अगस्त, 2011 में उम्मीद भरा प्रयास शीर्षक से प्रकाशित किया तथा दिसम्बर 2011 में दस्तक टाइम्स ने भी इस सम्मान प्रयास को प्रकाशित किया है।

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को फेलोशिप

विश्वविद्यालय में डाक्टोरल एवं पोस्ट डाक्टोरल डिग्री हेतु विभिन्न विषयों में यू0जी0सी0 द्वारा प्रदत्त विभिन्न स्कीम के अन्तर्गत जे0आर0एफ0, एस0आर0एफ0, आर0जी0एन0एफ0, आर0जी0एन0एफ0एस0सी0, एम0ए0एन0एफ0, पी0डी0एफ0, एन0एफ0ओ0बी0सी0 एवं मिनिस्ट्री ऑफ ट्राइबल अफेयर्स द्वारा एन0एफ0एस0टी0 फेलोशिप हेतु वर्तमान में लगभग 503 शोधार्थी पंजीकृत है जिन्हें विश्वविद्यालय के यू0जी0सी0 प्रकोष्ठ द्वारा केनरा बैंक–यू0जी0सी0 पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण करते हुये प्रत्येक माह का फेलोशिप ऑन लाइन अग्रसारित किया जाता है। फेलोशिप की धनराशि PFMS के माध्यम से मिनिस्ट्री ऑफ एजुकेशन, भारत सरकार द्वारा सीधे शोधार्थी के खाते में भेजा जाता है जिससे छात्र–छात्रायें लाभान्वित हो रहे है। साथ ही सत्र 2020–2021 में लगभग 110 शोधार्थियों का सरकारी सेवा (प्रशासनिक अधिकारी तथा शिक्षक के पद पर) में चयन हुआ है, यह विश्वविद्यालय के लिये गर्व की बात है।

ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये

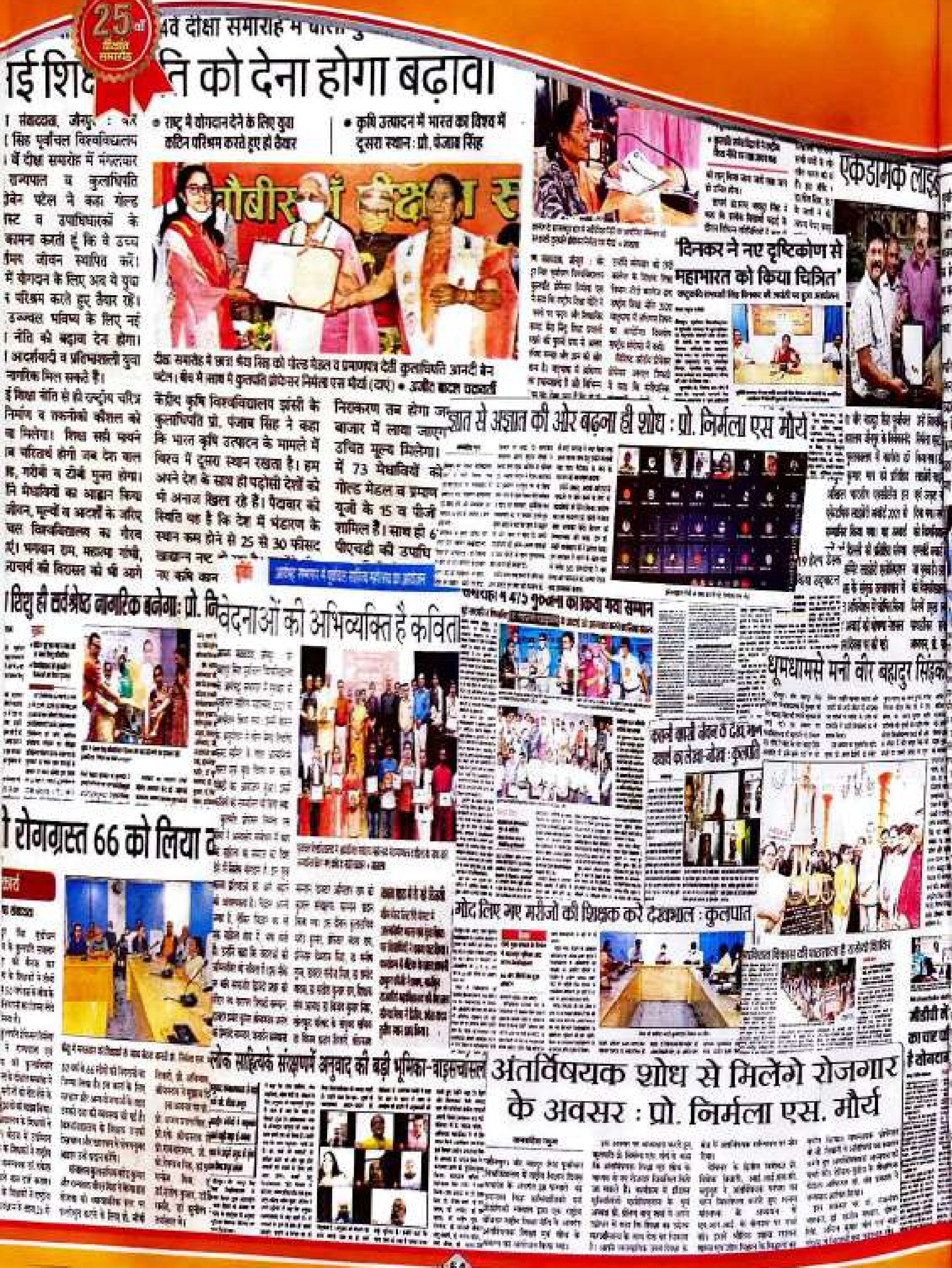

25वाँ दीक्षांत समारोह

वें दीक्षा समारोह में

ई शिक्ष[illegible]ति को देना होगा बढ़ावा

- राष्ट्र में योगदान देने के लिए युवा कठिन परिश्रम करते हुए हों तैयार
- कृषि उत्पादन में भारत का विश्व में दूसरा स्थान : प्रो. पंजाब सिंह

। संवाददाता, जौनपुर : वीर
। सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय
। वें दीक्षा समारोह में मंगलवार
राज्यपाल व कुलाधिपति
बेन पटेल ने कहा गोल्ड
लिस्ट व उपाधिधारकों के
कामना करती हूं कि वे उज्ज्वल
मय जीवन स्थापित करें।
में योगदान के लिए अब ये युवा
न परिश्रम करते हुए तैयार रहें।
उज्ज्वल भविष्य के लिए नई
। नीति को बढ़ावा देना होगा।
। आदर्शवादी व प्रतिभाशाली युवा
नागरिक मिल सकते हैं।
ई शिक्षा नीति से ही राष्ट्रीय चरित्र
निर्माण व तकनीकी कौशल को
वा मिलेगा। शिक्षा सही मायने
ब चरितार्थ होगी जब देश बाल
म, गरीबी व टीबी मुक्त होगा।
नि मेधावियों का आह्वान किया
जीवन, मूल्यों व आदर्शों के जरिए
चल विश्वविद्यालय का गौरव
रें। भगवान राम, महात्मा गांधी,
ाचार्य की विरासत को भी आगे

दीक्षा समारोह में छात्रा श्रेया सिंह को गोल्ड मेडल व प्रमाणपत्र देतीं कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल। बीच में साथ में कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस मौर्या (दाएं) • अजीत [illegible]

केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय झांसी के कुलाधिपति प्रो. पंजाब सिंह ने कहा कि भारत कृषि उत्पादन के मामले में विश्व में दूसरा स्थान रखता है। हम अपने देश के साथ ही पड़ोसी देशों को भी अनाज खिला रहे हैं। पैदावार की स्थिति यह है कि देश में भंडारण के स्थान कम होने से 25 से 30 फीसद खाद्यान्न नष्ट [illegible] नए कृषि कान

निराकरण तब होगा ज
बाजार में लाया जाएगा
उचित मूल्य मिलेगा।
में 73 मेधावियों को
गोल्ड मेडल व प्रमाण
यूजी के 15 व पीजी
शामिल हैं। साथ ही 6
पीएचडी की उपाधि

'दिनकर ने नए दृष्टिकोण से महाभारत को किया चित्रित'

राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की जयंती पर हुआ आयोजन

एकेडमिक लाइ

ज्ञात से अज्ञात की ओर बढ़ना ही शोध : प्रो. निर्मला एस मौर्या

शिशु ही सर्वश्रेष्ठ नागरिक बनेगा: प्रो. नि

वेदनाओं की अभिव्यक्ति है कविता

[illegible] में 475 [illegible] का किया गया सम्मान

धूमधामसे मनी वीर बहादुर सिंह

रोगग्रस्त 66 को लिया द

गोद लिए गए मरीजों की शिक्षक करें देखभाल : कुलपति

लोक साहित्यके संरक्षणमें अनुवाद की बड़ी भूमिका-वाइसचांसलर

अंतर्विषयक शोध से मिलेंगे रोजगार के अवसर : प्रो. निर्मला एस. मौर्य

... का ख्याल : कुलपति

बालिका हेल्प डेस्क का कुलपति ने किया उद्घाटन

विश्वविद्यालय से सम्बद्ध राजकीय महाविद्यालयों में स्थापित हुआ बालिका हेल्प डेस्क

द्रौपदी छात्रावास में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन

हेल्प डेस्क का फीता काटकर उद्घाटन करतीं कुलपति।

र्यावरण में जनभागी ... : प्रो. रविश

पीयू : कवि सम्मेलन में रचनाओं से किया मंत्रमुग्ध

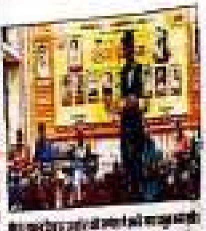

शिक्षक नए विषयों पर शोध के लिए प्रस्ताव बनाएं : कुल

वेबिनार

की प्रो. वंदना का शिक्षकश्री पुरस्कार के लिए चयन

सम्मान

विश्वविद्यालय की कुलपति समेत शिक्षकों ने दी बधाई

मनोरोगियों की हरसंभव मदद करेगा विश्वविद्यालय

तनाव व एकल परिवार मानसिक रोग के प्रमुख कारण

...कि नहीं व्यक्तित्व से बड़े होते हैं लोग

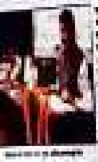

बच्चे देश के भविष्य, इन्हें अच्छी शिक्षा की जरूरत : प्रो. निर्मला एस. मौर्य

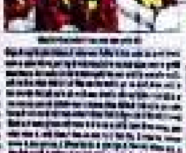

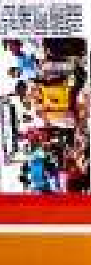

चौबीसवाँ दीक्षांत
फरवरी

चौबीसवें दीक्षांत समारोह में माननीय कुलधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी को ''यथार्थ गीता'' भेंट करती हुई कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य

परिसर में महंत अवेद्यनाथ मूर्ति अनावरण अवसर पर उन्हें नमन करती हुई मा. कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी

चौबीसवाँ दीक्षांत समारोह

चौबीसवें दीक्षांत समारोह में स्वर्ण धारक छात्रा को प्रमाण पत्र देती कुलाधिपति मा. आनंदीबेन पटेल जी साथ में मुख्य अतिथि प्रो. पंजाब सिंह एवं कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य

चौबीसवाँ दीक्षांत समारो
शनिवार, 13 फरवरी, 2021
जौनपुर
वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्याल

चौबीसवें दीक्षांत समारोह में संबोधित करतीं मा. कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी

चौबीसवां दीक्षांत समारोह

चौबीसवें दीक्षांत समारोह में अतिथियों के साथ पीएच.डी. उपाधिधारक

चौबीसवां दीक्षांत समारोह

चौबीसवें दीक्षांत समारोह में अतिथियों के साथ स्कूली बच्चे

कवि सम्मेलन में कवियों के साथ राज्यमंत्री श्री गिरीश चंद्र यादव, माननीय राज्यसभा सदस्य श्रीमती सीमा द्विवेदी एवं कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य

कवि सम्मेलन में मा. राज्यसभा सदस्य श्रीमती सीमा द्विवेदी को स्मृति चिन्ह देतीं हुई कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य

कवि सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री श्री गिरीश चंद्र यादव

कवि सम्मेलन के प्रायोजक पंजाब नेशनल बैंक के मण्डल प्रमुख वाराणसी श्री राजेश कुमार का स्वागत करते परिसर पी.एन.बी. के मुख्य शाखा प्रबन्धक श्री राम बहादुर

कवि सम्मेलन में प्रख्यात कवि डॉ. विष्णु सक्सेना को स्मृति चिन्ह देतीं हुई कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य एवं अधिकारीगण

विश्वविद्यालय स्थापना दिवस के अवसर पर महात्मा गांधी जी की मूर्ति पर पुष्प अर्पित करतीं कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य

विश्वविद्यालय स्थापना दिवस के अवसर पर लोक नृत्य प्रस्तुत करती छात्राएं

स्थापना दिवस के अवसर पर प्रस्तुति देते विद्यार्थी

करंजकला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर कोविड वैक्सिनेशन का संदेश देती कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य एवं एन.एस.एस. समन्वयक डॉ. राकेश कुमार यादव एवं अन्य

पूर्वांचल सावन महोत्सव में मुख्य अतिथि राज्यसभा सदस्य श्रीमती सीमा द्विवेदी, कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य एवं महिला अध्यक्ष अध्ययन केंद्र की सदस्य

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर सम्मिलित हुई महिलाओं के साथ कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य

ग्रामीण महिलाओं के लिए आयोजित प्रशिक्षण शिविर को संबोधित करती हुई कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य

रक्तदान शिविर में कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य एवं अधिकारीगण

संस्कृत भाषा का महत्व विषयक संगोष्ठी के मुख्य अतिथि प्रो. सुरेश चंद्र द्विवेदी को कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य की उपस्थिति में स्मृति देते हुए परीक्षा नियंत्रक बी.एन. सिंह

समुद्र विज्ञान में अनुसंधान के अवसर विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि प्रो. सुनील कुमार सिंह निदेशक, समुद्र विज्ञान संस्थान गोव को स्मृति चिन्ह देते हुए प्रो. मानस पाण्डेय

विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय

विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय में हिंदी दिवस समारोह अवसर पर
कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य के साथ विश्वविद्यालय अधिकारी, शिक्षक एवं विद्यार्थीगण

विश्वविद्यालय एवं पीएमजी ग्रुप के मध्य हुआ एम. ओ. यू.

बालिका हेल्थ क्लब के उद्‌घाटन अवसर पर
कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य एवं अन्य

सरदार बल्लभ भाई पटेल जी की जयंती पर आयोजित एकता दौड़

हिन्दी दिवस समारोह

हिंदी दिवस समारोह को संबोधित करती हुई
कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य

भूजल सप्ताह के अंतर्गत आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम

स्वस्थ शिशु प्रतियोगिता में प्रतिभागी बच्चों के साथ कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य एवं अन्य

शैक्षणिक भ्रमण एवं फील्ड सर्वे के लिए विद्यार्थियों को हरी
झंडी दिखा रवाना करते कुलसचिव महेंद्र कुमार

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के एक वर्ष होने पर मा. प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी
का ऑनलाइन उद्बोधन सुनती हुई कुलपति एवं अन्य अधिकारी गण

एन.एस.एस कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. रमेशमणि त्रिपाठी को स्मृति चिन्ह देती मा. कुलपति

वल्लभभाई पटेल की जयंती पर आयोजित रन फॉर यूनिटी में मा. कुलपति के साथ शिक्षकगण

आर्यभट्ट सभागार में वर्कशाप आन लाइफ स्किल्स के प्रमाणपत्र वितरण कार्यक्रम में शिक्षकों और विद्यार्थियों के साथ कुलपति

संविधान दिवस के अवसर पर कुलपति सभागार में सम्बोधित करती कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य

महिला मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में
कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य,
आकांक्षा समिति की अध्यक्ष डॉ. अंकिता राज एवं विद्यार्थी

परिसर में पौधरोपण करती मा. कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य एवं साथ में कुलसचिव श्री महेन्द्र कुमार व अन्य

आंगनबाड़ी केंद्रों के गोद लेने पर कुलपति प्रो. निर्मला एस.. मौर्य
को प्रशस्तिपत्र देतीं मा. कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी

अन्तर महाविद्यालयीय तीरंदाजी पुरुष एवं महिला प्रतियोगिता के खिलाड़ियों के साथ कुलपति प्रो0 निर्मला एस. मौर्य एवं अन्य

समारोह

कुलगीत

वीर बहादुर सिंह विश्व-विद्यालय का हरितांचल।
जय-जय-जय ''पूरब की आत्मा,'' जय-जय-जय ''पूर्वाञ्चल''॥
पूर्व दिशा का ताज रहा है,
''भारत का शीराज'' रहा है,
यह जमदग्नि-यजन की वेदी यह ''कुतबन'' का मादल।
जय-जय-जय ''पूरब की आत्मा,'' जय-जय-जय ''पूर्वाञ्चल''॥
दो धर्मों की मिलन-धुरी यह,
राग सलोना ''जौनपुरी'' यह,
संघर्षों की झंझर में झंकृत जिसके जीवन-पल।
जय-जय-जय ''पूरब की आत्मा,'' जय-जय-जय ''पूर्वाञ्चल''॥
नये सृजन की सजी आरती,
उतरी वीणा लिए भारती,
नव-जागरण-थाल में अर्पित यह पावन तुलसी-दल।
जय-जय-जय ''पूरब की आत्मा,'' जय-जय-जय ''पूर्वाञ्चल''॥
कला-शिल्प-विज्ञान कलेवर,
छलकाये प्रकाश के निर्झर,
धेनुमती-तमसा-गंगा का यह पावन क्रीड़ास्थल।
जय-जय-जय ''पूरब की आत्मा,'' जय-जय-जय ''पूर्वाञ्चल''॥
नीति हमारी सरल-तरल हो,
जिसमें जन का क्षेम-कुशल हो,
गौतम-कपिल-कणाद-पतंजलि हो आदर्श अचंचल।
जय-जय-जय ''पूरब की आत्मा,'' जय-जय-जय ''पूर्वाञ्चल''॥

चौतीसवां दीक्षांत समारोह